RNI: UPHIN/2015/60902

राजधानी से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

www.theachivertimes.com

डाक पंजीयन संख्या
एस.एस.पी.एल.डब्लू/एन
पी.439/2015-2017

वर्ष : 9 अंक : 259
पृष्ठ : 8 मूल्य : 3 रुपया
लखनऊ, शनिवार, 13 जनवरी, 2024

द अचीवर टाइम्स

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस तकनीक करेगी चेहरों की पहचान

राम मंदिर की सुरक्षा को लेकर अयोध्या से नेपाल बॉर्डर तक हाई अलर्ट

एजेंसी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के अयोध्या में बन रहे राम मंदिर परिसर का अचूक सुरक्षा घेरा तैयार किया जा रहा है। मंदिर में 22 जनवरी को होने वाले प्राण प्रतिष्ठा समारोह के लिए अयोध्या से लेकर नेपाल बॉर्डर तक हाई अलर्ट रहेगा। अतीत में कई ऐसे अलर्ट मिले हैं, जिनमें अफगानिस्तान और पाकिस्तान के आतंकी समूह, नेपाल सीमा के जरिए उत्तर प्रदेश में प्रवेश कर अयोध्या के राम मंदिर की तरफ आने का दुस्साहस करने की फिराक में हैं। यही वजह है कि नेपाल से लगती यूपी की करीब 570 किलोमीटर सीमा पर विशेष चौकसी बरती जा रही है। नेपाल बॉर्डर से लगते यूपी के जिले खीरी, बहराइच, श्रावस्ती, महाराजगंज, बलरामपुर सिद्धार्थनगर और पीलीभीत में इंटेलिजेंस टीम तैनात हैं। इन जिलों में करीब 257 ऐसे कच्चे रास्ते हैं, जो सीधे नेपाल बॉर्डर की ओर जाते हैं। अयोध्या में राम मंदिर के अलावा शहर के बाकी हिस्सों में लगे दस

केंद्रीय एजेंसियों के मुताबिक, राम मंदिर परिसर की सुरक्षा के लिए एक विशेष इंटेलिजेंस सेल बनाया गया है। यहां पर मंदिर को लेकर किसी एजेंसी को जो भी इनपुट मिलता है, उसे साझा किया जाता है। प्राण प्रतिष्ठा समारोह के लिए इंटेलिजेंस विंग केंद्र/राज्य के कर्मियों की संख्या बढ़ा दी गई है। सबसे ज्यादा ध्यान नेपाल से लगते सीमावर्ती इलाकों पर है...

हजार से अधिक सीसीटीवी कैमरे लगे हैं। इनमें से चुनींदा प्वाइंट पर लगे कैमरों को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से जोड़ा गया है। कोई भी पुलिस कर्मी, अपना ड्यूटी स्थान छोड़कर दूसरी जगह पर नहीं जा सकता। मंदिर परिसर में तैनात कोई पुलिस कर्मी, बिना आज्ञा के मुख्य स्थल तक पहुंचने का प्रयास करता है, तो एआई द्वारा तुरंत अलर्ट जारी कर दिया जाएगा। ऐसा प्रयास करने वाला कोई भी व्यक्ति, किसी भी तरह सुरक्षा गेट से आगे नहीं जा सकेगा।

मंदिर परिसर को पूरी तरह से नो-फ्लाइंग जोन घोषित किया गया है। यहां से ड्रोन, हवाई जहाज या चॉपर, कोई भी नहीं गुजर सकेगा। एक ऐसा उपकरण भी राम मंदिर की सुरक्षा में लगाया गया है, जो दूर से ही ड्रोन या वैसी ही किसी वस्तु को मंदिर की तरफ आने से रोक देगा। इस उपकरण की खासियत यह होगी कि इसकी मदद से कई किलोमीटर के दायरे में मंदिर की तरफ आती वस्तु का पता चल जाएगा। इतना ही नहीं, ये उपकरण उस वस्तु को मंदिर तक पहुंचने से पहले ही जाम कर देगा। अगर कोई हैवी मशीनरी वाली वस्तु है तो उसकी दिशा बदली जा सकती है। एक अधिकारी के मुताबिक, अगर वह वस्तु नीचे नहीं गिरती है, तो उसे शूट कर गिराया जा सकता है।

नेपाल से लगते सीमावर्ती इलाकों पर नजर

लखनऊ। केंद्रीय एजेंसियों के मुताबिक, राम मंदिर परिसर की सुरक्षा के लिए एक विशेष इंटेलिजेंस सेल बनाया गया है। यहां पर मंदिर को लेकर किसी एजेंसी को जो भी इनपुट मिलता है, उसे साझा किया जाता है। प्राण प्रतिष्ठा समारोह के लिए इंटेलिजेंस विंग केंद्र/राज्य के कर्मियों की संख्या बढ़ा दी गई है। सबसे ज्यादा ध्यान नेपाल से लगते सीमावर्ती इलाकों पर है। वहां पर जितने भी कच्चे रास्ते, जो नेपाल की तरफ जाते हैं, वहां पेट्रोलिंग बढ़ाई गई है। एसएसबी के जवान 24 घंटे गश्त कर रहे हैं। पाकिस्तान के आतंकियों द्वारा मंदिर परिसर पर हमला करने की धमकी पहले भी आती रही हैं। इस तरह के हमलों की धमकी के पीछे लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) और जैश-ए-मोहम्मद (जेईएम) जैसे आतंकी संगठनों का हाथ बताया जाता है। ऐसे भी इनपुट मिले हैं कि 22 जनवरी से पहले अयोध्या और उसके आसपास, सांप्रदायिक दंगा कराने का प्रयास किया जाए। फिदायीन अटैक यानी मंदिर में पुलिस और फौज की वर्दी में घुसकर हमला करना, सुरक्षा एजेंसियों को ऐसे इनपुट भी मिले हैं। इन सबके चलते ही मंदिर परिसर में एआई तकनीक का इस्तेमाल किया जा रहा है।

मंदिर की सुरक्षा में सीआरपीएफ, उत्तर प्रदेश विशेष सुरक्षा बल (यूपीएसएसएफ), स्थानीय पुलिस और पीएसी तैनात है। इंटेलिजेंस इनपुट जुटाने के लिए अलग से एजेंसियों को जिम्मेदारी सौंपी गई है। मंदिर का सुरक्षा घेरा छह स्तरीय है। इसे भेदना आसान नहीं है। मंदिर परिसर की सुरक्षा को तीन भागों में बांटा गया है। रेड जोन में मंदिर परिसर के अंदर वाला हिस्सा शामिल है। येलो जोन में आसपास के वे सभी रास्ते शामिल किए गए हैं, जो मंदिर परिसर की तरफ जाते हैं। ग्रीन जोन का दायरा इससे कुछ ज्यादा होता है। वहां पर तैनात सुरक्षा बल, सभी तरह के हमलों का जवाब देने में पारंगत हैं। अगर कोई आतंकी हमला होता है या विस्फोट के जरिए कोई व्यक्ति/समूह, मंदिर को नुकसान पहुंचाने का प्रयास करता है, तो उसे पहले ही खत्म कर दिया जाएगा। मंदिर परिसर में बमरोधी दस्ते की स्थायी तैनाती की गई है। राम मंदिर तक पहुंचने के मार्ग, सुरक्षा के हिसाब से तय किए गए हैं। एक स्पेशल मार्ग है, जहां पर तीन जगह चेकिंग होती है। ऐसा नहीं है कि कोई व्यक्ति किसी भी मार्ग से मुख्य मंदिर तक पहुंच सकता है। उसके लिए एक मार्ग निश्चित किया गया है। मंदिर में कुछ भी लाना वर्जित है।

मंदिर परिसर की सुरक्षा के लिए तीन जोन

लखनऊ। सुरक्षा बलों ने डार्क नेट के इस्तेमाल से निपटने के लिए भी विशेष तैयारी की है। गत वर्ष, एक व्यक्ति ने डार्क नेट का इस्तेमाल कर मंदिर को उड़ाने की धमकी दी थी। पुलिस की तत्परता से वह व्यक्ति पकड़ा गया। इसके बाद सोशल मीडिया पर भी सुरक्षा एजेंसियों की नजर है। डार्क नेट और इंटरनेट के जरिए अपराध को अंजाम देने वाले दूसरे तौर तरीकों पर भी नजर रखी जा रही है। मंदिर की सुरक्षा के लिए आसपास के इलाके में भी गहन जांच पड़ताल होती है। स्थानीय निवासियों के यहां पर कौन आ रहा है, ये सब बताना पड़ता है। अयोध्या में जिन लोगों ने मेहमानों को अपने यहां बतौर पेईंग गेस्ट रखा है, उनकी पूर्ण जानकारी जुटाई जा रही है। इसका एक रिकॉर्ड तैयार किया गया है। अयोध्या में विभिन्न जिलों के 100 से अधिक डीएसपी, लगभग 325 इंस्पेक्टर व 800 उपनिरीक्षक तैनात किए जा रहे हैं। अयोध्या में मुख्य समारोह से पहले पुलिस और अर्धसैनिक बलों के 11,000 जवान तैनात होंगे।

एक नज़र

महात्मा गांधी महान रणनीतिकार थे, समय से बहुत आगे की सोचते थेः डोभाल

नई दिल्ली। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल ने शुक्रवार को कहा कि महात्मा गांधी महान रणनीतिकार थे और वह अपने समय से बहुत आगे की सोचते थे। साथ ही वह स्वतंत्रता संग्राम के दौरान क्रूर ताकतों के खिलाफ नरम शक्ति के इस्तेमाल के महत्व को बखूबी जानते थे। एनएसए डोभाल ने पूर्व केंद्रीय मंत्री एमजे अकबर की लिखी किताब 'गांधी- ए लाइफ इन थ्री कैंपेन्स' के विमोचन कार्यक्रम में ये बातें कही। उन्होंने कहा कि महात्मा गांधी महान रणनीतिकार थे। द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद लोगों को यह अहसास होने लगा था कि पाशविक बल के अन्य विकल्प भी हो सकते हैं। गांधीजी को अहसास हुआ कि उनकी नैतिक शक्ति, कहीं अधिक कठोर शक्ति को परास्त करने में सक्षम होगी। अब शोध में पाया गया है कि ऐसी कई शक्तियां हैं जो नरम शक्ति का प्रयोग करने के बाद महान बन गई। उन्होंने यह भी कहा कि महात्मा गांधी के पास समय से बहुत आगे सोचने की शक्ति थी। डोभाल ने कहा कि यह किताब उन्हें महान श्रद्धांजलि है। अकबर की किताब की प्रस्तावना पूर्व विदेश मंत्री के. नटवर सिंह ने लिखी है।

22 जनवरी को अयोध्या जाएंगी राष्ट्रपति मुर्मू! दिया गया राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह का निमंत्रण

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को भी 22 जनवरी को अयोध्या में होने वाले भव्य राममंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह में आमंत्रित करने के लिए न्योता दिया गया है। शुक्रवार को अयोध्या राम मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्रा, विश्व हिंदू परिषद के अंतर्राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष आलोक कुमार और आरएसएस नेता राम लाल ने राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह का निमंत्रण दिया।

21 दिन बाद फिर सैन्य वाहनों पर हमला

दहशतगर्दों की तलाश में सर्च ऑपरेशन

एजेंसी

पुंछ। जम्मू संभाग के पुंछ जिले के कृष्णा घाटी इलाके में शुक्रवार की शाम आतंकियों ने सैन्य वाहनों पर हमला कर फायरिंग की। हालांकि, इसमें किसी प्रकार के नुकसान की सूचना नहीं है, लेकिन घटना के तत्काल बाद सुरक्षा बलों ने पूरे इलाके को घेरकर आतंकियों के खिलाफ अभियान शुरू कर दिया है। यह साल का पहला हमला है, जो सावनी इलाके में 21 दिसंबर को हुए हमले के 21 दिन बाद हुआ है। 39 राष्ट्रीय राइफल्स के सीओ दो वाहनों के साथ लोअर कृष्णा घाटी स्थित अपने यूनिट में लौट रहे थे। कृष्णा घाटी की ओर से जैसे ही उनका वाहन दराती गांव के पास पहुंचा तो आतंकियों ने सैन्य वाहनों को निशाना बनाकर छह से सात राउंड फायरिंग की। इसके बाद वे भाग निकले। सीओ का वाहन बुलेट प्रूफ होने की वजह से किसी प्रकार का नुकसान नहीं हुआ। हमले के तत्काल बाद जवानों ने मोर्चा संभालते हुए जवाबी कार्रवाई की। तत्काल पूरे इलाके को जवानों ने घेरे में ले लिया। घटना की सूचना मिलते ही यूनिट से जवानों को मौके पर भेजकर तलाशी अभियान चलाया गया।

27 महीनों में पांचवीं वारदात, 21 जवान शहीद

पुंछ। पुंछ में पिछले 27 महीनों में आतंकियों की ओर से हमले की यह पांचवीं घटना है। 2021 से शुरू हुई घटनाओं में अब तक 21 जवान बलिदान हो गए हैं। इन घटनाओं में कई जवान घायल भी हुए हैं।

❖ 11 अक्तूबर 2021- चमरेड इलाके में घात लगाकर जवानों पर हमला, जेसीओ समेत पांच बलिदान। ❖20 अक्तूबर 2021- भाटादूड़िया में सर्च ऑपरेशन के दौरान हमले में छह जवान बलिदान। डेढ़ माह तक जम्मू-पुंछ हाईवे को बंद कर चलाया गया तलाशी अभियान। ❖20 अप्रैल 2023- भाटादूड़िया इलाके में सैन्य वाहन को घेरकर पहले ग्रेनेड से हमला, फिर गोलाबारी, पांच जवान बलिदान।❖21 दिसंबर 2023- सावनी इलाके में घात लगाकर सैन्य वाहनों में किए गए हमले में पांच जवान बलिदान, दो घायल। ❖12 जनवरी 2024- कृष्णाघाटी के दराती में सैन्य वाहनों पर फायरिंग, नुकसान नहीं

जंगलों में तलाशी अभियान शुरू

पुंछ। सैन्य वाहन पर हमले के बाद कृष्णा घाटी में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी की गई एक तरफ जहां सुरक्षा बलों की तरफ से घटना स्थल के आस पास के जंगलों में तलाशी अभियान शुरू कर दिए गए हैं। वहीं कृष्णा घाटी की तरफ आने वाली मुख्य सड़क सहित सभी सड़कों पर पुलिस सेना और एसओजी की तरफ से नाकेबंदी करके हर आने जाने वाले वाहन की बारीकी से जांच की जा रही है।

राम मंदिर के लिए 44 साल से मौनव्रत साधे साधु का हठ

प्राणप्रतिष्ठा में अयोध्या नहीं पहुंचा तो त्याग दूंगा प्राण

एजेंसी

दतिया। लगभग 500 वर्षों से भगवान श्री राम की जन्मस्थली अयोध्या में श्री राम मंदिर निर्माण के लिए संघर्ष चला। कई साधु संत, राम भक्तों व कारसेवकों ने रामलला मंदिर के निर्माण के लिए अपनी कुर्बानी दी है। कई साधु संत ऐसे भी रहे जिन्होंने मंदिर का निर्माण नहीं होने तक कई चीजों का परित्याग किया। इन्हीं तपस्वियों में से एक हैं दतिया के मौनी बाबा, जो 44 सालों से राम मंदिर निर्माण के लिए मौन व्रत पर हैं। दतिया के मौनी बाबा ने कलेक्टर व एसपी को साफ कह दिया है कि उन्हें 22 जनवरी को अयोध्या नहीं पहुंचाया तो वे प्राण त्याग देंगे। दरअसल मौनी बाबा ने यह प्रण अपने गुरु पूज्य संत दामोदरदास मौनी बाबा से लिया था। लगभग 100 वर्ष पहले उनाव बालाजी पर रहने वाले संत दामोदरदास उर्फ मौनी बाबा ने प्रण लिया था कि जब तक अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण नहीं हो जाता तब तक के लिए अन्य अन्न का

परित्याग कर फलाहारी रहेंगे। पादुका त्याग करते हुए उन्होंने मौन व्रत धारण किया था। समय की गति के चलते दामोदर दास महाराज ने अपना शरीर त्याग दिया और गुरु शिष्य परंपरा का निर्वहन करते हुए उनके शिष्य मोहन गोपाल दास उर्फ मौनी बाबा ने इस संकल्प को आगे बढ़ाया। इन दिनों गोपाल दास उर्फ मौनी बाबा दतिया के प्रसिद्ध अनामय आश्रम पर निवास करते हैं। वे 1980 से मौन व्रत की साधना कर रहे हैं। लगभग चार दशक से अधिक समय गुजर जाने के बाद वह शुभ अवसर भी आ गया, जिसके लिए मौनी बाबा तपस्या कर रहे थे। 22 जनवरी को उनके आराध्य प्रभु श्री राम लला को पुनः अयोध्या के नवनिर्मित श्री राम जन्मभूमि मंदिर में स्थापित किया जा रहा है, लेकिन मौनी बाबा के सामने एक समस्या खड़ी हो गई है क्योंकि उन्हें अयोध्या से किसी प्रकार का कोई आमंत्रण नहीं मिला है। इसी के बाद से मौनी बाबा धरने पर बैठ गए हैं। मौनी बाबा के धरने पर बैठने के बाद दतिया कलेक्टर संदीप माकिन ने अपने कर्मचारियों को बाबा को मनाने पहुंचाया, लेकिन मौनी बाबा अपने हठ पर अडिग रहे। उन्होंने लिखकर बताया कि या तो अयोध्या जाएंगे, अन्यथा प्राणों को त्याग देंगे। शाम ढलने के बाद पुलिस अधीक्षक प्रदीप शर्मा ने बाबा को मनाने का प्रयास किया। फिलहाल बाबा एसपी के आश्वासन पर धरने से उठ गए हैं। उन्हें आश्वासन दिया गया है कि उन्हें अयोध्या पहुंचाया जाएगा। अब देखना ये होगा कि क्या मोहन गोपाल दास उर्फ मौनी बाबा 22 जनवरी को अपना व्रत खोल पाएंगे? दतिया पुलिस अधीक्षक प्रदीप शर्मा ने इस मामले पर कहा हम कलेक्टर साहब से बात करके अयोध्या प्रशासन तक मौनी बाबा की बात पहुंचाएंगे और बाबा को अयोध्या पहुंचाने का प्रबंध करेंगे जिससे उनकी वर्षों की तपस्या पूरी हो सके।

कोहरा ट्रांसपोर्टेशन को कर रहा परेशान

500 विमानों की उड़ान पर असर
200 से अधिक ट्रेनें बार-बार रुकने पर मजबूर

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली एयरपोर्ट शून्य दृश्यता की स्थिति गुरुवार से ही बनने लगी थी। रनवे सफेद धुंध की चादरों में लिपटा हुआ था। ऐसे में कृत्रिम लाइट कर विमानों की आवाजाही कराई गई बावजूद सुबह छह बजे ही विमान पर असर पड़ने लगा। करीब पांच सौ विमान की आवाजाही प्रभावित हुई।

उत्तर भारत में ना तो कड़ाके की ठंड ही कम हो रही है और ना ही घना कोहरा। स्थिति यह है कि दिल्ली के एयरपोर्ट पर दृश्यता घट कर शून्य तक पहुंच रही है। यही हाल रेलवे ट्रैक का भी है। रेलवे स्टेशन से जैसे ही ट्रेन आगे बढ़ती है तो धुंध में ट्रैक पर ट्रेन चलाना मुसीबत भरा ड्राइवर के लिए हो जाता है। ऐसे में विमान और ट्रेनों की रफ्तार थम गई है। शुक्रवार को कोहरे का सबसे ज्यादा असर विमान सेवा पर देखने को मिला। दिल्ली एयरपोर्ट शून्य दृश्यता की स्थिति गुरुवार से ही बनने लगी थी। रनवे सफेद धुंध की चादरों में लिपटा हुआ था। ऐसे में कृत्रिम लाइट कर विमानों की आवाजाही कराई गई बावजूद सुबह छह बजे ही विमान पर असर पड़ने लगा। करीब पांच सौ विमान की आवाजाही प्रभावित हुई। सबसे ज्यादा प्रभाव घरेलू आगमन वाले विमान पर दिखा। 200 से अधिक 15 मिनट से 2 घंटे की देरी से उतरे। इसके अलावा अन्य शहरों के लिए उड़ान भरने वाले विमान भी काफी मशक्कत से उड़ान भरे। 190 से अधिक विमान इस वजह से प्रभावित हुए। घरेलू ही नहीं अंतरराष्ट्रीय विमान भी कोहरे की चपेट में आए। रवानबर वाले 52 से अधिक तो आने वाले 45 से अधिक विमान देरी से संचालित हुए। शायद ही कोई घरेलू व अंतराष्ट्रीय विमान अपने नियत समय से उड़ान भर सके। हालांकि कई विमानों को नियत समय से पहले भी रवानगी की गई। उधर, रेलगाड़ियों के मुसाफिरों की भी मुसीबत कम होने का नाम नहीं ले रही है। 200 से अधिक लंबी दूरी की ट्रेन ट्रैक पर ठिठक-ठिठक कर चली। हालांकि ज्यादातर ट्रेन बृहस्पतिवार रात को ही देरी से चली। शुक्रवार 10 बजे के बाद दृश्ता बढ़ने की वजह से ट्रेन अपनी-अपनी रफ्तार में चली। वाराणसी-नईदिल्ली वंदे भारत, बनारस-नई दिल्ली, प्रयागराज-नई दिल्ली समेत 25 से अधिक ट्रेन 3-5 घंटे देरी से अपने-अपने गंतव्य तक पहुंची। इसी तरह भुवनेश्वर राजधानी, पटना राजधानी, डिब्रूगढ़ राजधानी, लखनऊ तेजस, सप्तक्रांति, सत्याग्रह, हमसफर, दुरंतो समेत 100 से अधिक ट्रेन घंटों देरी से संचालित हुई। इसकारण यात्रियों को परेशान होना पड़ा।

अमेरिका-ब्रिटेन का यमन में हूती विद्रोहियों पर बड़ा हवाई हमला

पश्चिम एशिया में बढ़ सकता है तनाव

एजेंसी

वॉशिंगटन। इस्राइल हमास युद्ध के बाद से हूती विद्रोहियों द्वारा फलस्तीनियों के समर्थन में लाल सागर इलाके में व्यापारिक जहाजों को निशाना बनाया जा रहा था। इससे अंतरराष्ट्रीय शिपिंग रूट की सुरक्षा प्रभावित हो रही थी।

अमेरिका और ब्रिटेन ने लाल सागर में व्यापारिक जहाजों को निशाना बना रहे हूती विद्रोहियों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। दरअसल दोनों देशों की सेनाओं ने यमन में कई जगहों पर हूती विद्रोहियों के ठिकानों पर हवाई हमला किया है। इन हवाई हमलों में हूती विद्रोहियों को बड़ा नुकसान हुआ है और उनके कई ठिकाने तबाह हो गए हैं। अमेरिका ब्रिटेन के हमले के बाद पश्चिम एशिया में तनाव और बढ़ सकता है।

व्हाइट हाउस ने बयान जारी ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों पर हमले की पुष्टि की है। गौरतलब है कि इस्राइल हमास युद्ध के बाद से हूती विद्रोहियों द्वारा फलस्तीनियों के समर्थन में लाल सागर इलाके में व्यापारिक जहाजों को निशाना बनाया जा रहा था। इससे अंतरराष्ट्रीय शिपिंग रूट

की सुरक्षा प्रभावित हो रही थी। अमेरिका की नौसेना ने कई बार हूती विद्रोहियों के हमलों के नाकाम भी किया था। अमेरिका ने चेतावनी भी दी थी कि अगर हमले नहीं रुके तो इसके बड़े दुष्परिणाम होंगे। अमेरिका ने अंतरराष्ट्रीय शिपिंग रूट की सुरक्षा के लिए निगरानी भी बढ़ा दी थी। भारत ने भी अपने पांच युद्धक जहाजों को अरब सागर और लाल सागर में तैनात किया है, ताकि हूती विद्रोहियों और समुद्री लुटेरों के हमलों को नाकाम किया जा सके।

व्हाइट हाउस ने बयान जारी कर बताया कि व्यापारिक जहाजों पर लाल सागर में हमलों के बाद बीते महीने अमेरिका ने व्यापारिक जहाजों को हूती विद्रोहियों के हमलों से बचाने के लिए 20 से ज्यादा देशों के साथ मिलकर ऑपरेशन प्रोसपैरिटी गार्जियन शुरू किया था। बीते हफ्ते 13 सहयोगी देशों के साथ हमने हूती विद्रोहियों को चेतावनी जारी की थी और कहा था कि अगर उन्होंने व्यापारिक जहाजों पर हमले बंद नहीं किए तो उसके गंभीर परिणाम भुगतने होंगे। आज हूती विद्रोहियों के खिलाफ हवाई हमले साफ संदेश है कि अमेरिका और उसके सहयोगी देश दुनिया के सबसे अहम शिपिंग कर्मशियल रूट पर नेविगेशन की आजादी से समझौता नहीं करेंगे।

हूती विद्रोहियों को ईरान समर्थित माना जाता है। इस्राइल हमास युद्ध के बाद से हूती विद्रोही लाल सागर और अरब सागर के इलाके में अंतरराष्ट्रीय शिपिंग रूट से गुजरने वाले जहाजों पर ड्रोन और मिसाइल हमले कर रहे थे। इसकी वजह से अंतरराष्ट्रीय शिपिंग रूट बाधित हो रहा था। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, हूती विद्रोहियों के हमले के चलते बीते कुछ महीनों में लाल सागर से करीब 200 अरब डॉलर का व्यापार डायवर्ट हुआ है। इससे दुनिया में महंगाई बढ़ने की आशंका पैदा हो गई है। हालांकि अमेरिका के हवाई हमले के बाद पहले ही इस्राइल हमास युद्ध के चलते तनाव से जूझ रहे पश्चिम एशिया में अब और तनाव बढ़ने की आशंका पैदा हो गई है।

मर्यादा पुरुषोत्तम राम जी के पूजन पाठ की तैयारी अयोध्या में

रामलला के प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम को भव्य तैयारी जनपद उन्नाव में

❖ डॉ0 भीमराव अम्बेडकर प्रतिमा के सौंदर्याकरण कार्य का पालिका अध्यक्ष पुष्पा देवी ने किया शिलान्यास।

द अचीवर टाइम्स संवाददाता

उन्नाव। चकलवंशी से 10 किमी परियर बिठूर मार्ग पर पौराणिक व ऐतिहासिक स्थल महर्षि वाल्मीकि आश्रम स्थित जानकी कुंड परियर में 22 जनवरी को भंडारा एवं मर्यादा पुरुषोत्तम राम जी के पूजन पाठ की तैयारी अयोध्या में रामलला के प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम को भव्य तैयारी पर जनपद उन्नाव में भी दिनांक 22 जनवरी को इस ऐतिहासिक पल पर महर्षि वाल्मीकी आश्रम जानकी कुंड जहां पर लव कुश का जन्म हुआ लव कुश को शिक्षा मिली लवकुश ने अश्वमेघ यज्ञ का अश्व पकडा ऐसे पौराणिक स्थान महर्षि वाल्मीकी आश्रम परियर उन्नाव में 22 जनवरी को पूजा पाठ हवन भंडारा आदि की तैयारी पर मंदिर प्रांगण में उपस्थित होकर 22 जनवरी 2024 को महर्षि वाल्मीकि आश्रम में 22 जनवरी को श्री राम जी के पूजन पाठ की तैयारी को लेकर जानकारी की।महर्षि वाल्मीकि आश्रम जानकी कुंड में 22 जनवरी को श्री राम जी के पूजन पाठ की तैयारी जोर-जोर से अयोध्या में हो रहे रामल्ला के प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम की खुशी में जनपद उन्नाव में जानकी कुंड मंदिर पर उपस्थित लोगों ने खुशी जाहिर की वहां पर उपस्थित मंदिर के पंडित पुजारी से पत्रकारों ने कई बिंदुओं पर वार्ता की मंदिर पर उपस्थित पंडित जी ने बताया यह मंदिर पौराणिक है हम लोग सब अगल-बगल के क्षेत्रवासी 22 जनवरी 2024 को जानकी कुंड महर्षि वाल्मीकि आश्रम पर भी अयोध्या में हो रहे रामल्ला के प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम के शुभ अवसर पर हम सब जनपद उन्नाव के भक्त लोग जानकी कुंड मंदिर पर भी सभी लोग तैयारी कर रहे हैं और हर्षोल्लास के साथ यहां पर भी राम जी का पूजा पाठ का कार्यक्रम भव्य रूप से मनाएंगे । जनपद उन्नाव में कई प्राचीन मंदिरों में 22 जनवरी 2024 को जगह-जगह धार्मिक स्थान पर श्री राम की पूजा पाठ की तैयारियां चल रही ।

25 हजार रुपये के इनामी घायल सहित 2 बदमाश गिरफ्तार

द अचीवर टाइम्स चेतन कुमार

हापुड़। थाना हापुड़ नगर व जनपदीय एसओजी की संयुक्त पुलिस टीम की चैकिंग के दौरान बदमाशों से हुई मुठभेड़ में मुठभेड़ के दौरान पुलिस की जवाबी कार्यवाही में 25 हजार रुपये के इनामी घायल सहित 2 बदमाशों को किया गिरफ्तार। वही क्षेत्राधिकार हापुड नगर स्तुति सिंह ने बताया थाना हापुड़ नगर व जनपदीय एसओजी की संयुक्त पुलिस टीम ने मिलकर देर रात को मोदीनगर रोड पर सीएचसी जाने वाले रास्ता से थाना हापुड़ नगर को आने वाले रास्ते पर चेकिंग के दौरान बदमाशों से हुई मुठभेड़ में जवाबी कार्रवाई करते हुए 25 हजार रुपये के ईनामी घायल मोबिन कुरैशी व सुलेमान पुत्र नवाबजान दोनों निवासी मोहल्ला बजरिया खानसामा थाना कोतवाली गंज जनपद रामपुर सहित 2 बदमाशों को गिरफ्तार किया है जिनमें से घायल बदमाश मोबीन उर्फ मौबीन मूंछ जनपद बुलन्दशहर के थाना जहाँगीराबाद से मु0अ0सं0 600/23 धारा 414, 420, 482, 120बी भादवि व 3/25 आर्म्स एक्ट में वांछित चल रहा था। जिनके कब्जे से अवैध असलहा मय जिन्दा व खोखा कारतूस एवं बिना नम्बर प्लेट स्पलेंडर प्लस बाइक बरामद हुई है। गिरफ्तार अभियुक्त शातिर किस्म के अपराधी हैं, जिनके विरूद्ध जनपद रामपुर, बुलन्दशहर व हापुड़ में चोरी, गैंगस्टर, एनडीपीएस एक्ट व गौवध अधिनियम आदि से सम्बन्धित करीब 02 दर्जन अभियोग पंजीकृत हैं।

प्राण प्रतिष्ठा समारोह कार्यक्रम के अंतर्गत हुआ पूजित अक्षत का वितरण

द अचीवर टाइम्स मुकेश राजपूत

उन्नाव। विकासखंड सिकंदरपुर सिरोसी क्षेत्र के आंट घुसौली गांव मे विश्व हिंदू परिषद के ब्लॉक उपाध्यक्ष मुकेश कुमार के द्वारा अयोध्या के राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा समारोह से पहले पूजित अक्षत (चावल, हल्दी और घी का मिश्रण) का वितरण शुरू है अयोध्या मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा 22 जनवरी को दोपहर 12 बजकर 20 मिनट पर की जाएगी. उन्होंने देशभर के लोगों से इस अवसर को उत्सव के रूप में मानने का अनुरोध किया जा रहा है अक्षत युक्त कागज की पुड़िया, राम मंदिर का चित्र और मंदिर के ढांचे का ब्योरा देने वाले पर्चे लोगों में बांटे जा रहें है। विश्व हिंदू परिषद के सरोसी ब्लॉक उपाध्यक्ष ने शुक्रवार को विश्व हिन्दू परिषद के माध्यम से लगभग पांच लाख मंदिरों के करीब रहने वाले समुदायों को राम मंदिर की तस्वीरें देश के लगभग पांच करोड़ लोगों तक पहुंच चुकी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कुछ दिन पहले लोगों से अपील की थी कि वे 22 जनवरी को राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा समारोह के दिन को दीपावली के रूप में मनाने के लिए अपने घरों में विशेष दीये जलाएं।

पड़ोस के मंदिर में मनाएं

अक्षत देते समय लोगों से अनुरोध किया कि वे अपने पड़ोस के मंदिरों में एकत्र होकर इसे एक उत्सव की तरह मनाएं जैसा कि अयोध्या में हो रहा है . अक्षत वितरण समारोह विश्व हिंदू परिषद (विहिप) और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) से जुड़े लोगों और उनके सहयोगियों की ओर से किया जा रहा है अनिवार्य रूप से मंदिर का निर्माण करना और एक मार्गदर्शक शक्ति के रूप में काम करना है। इस मौके पर दीनदयाल लोधी श्रीपाल भगत रामू रामदुलारे डाक्टर महेश कन्हैया लाल सहित पूरे गांव के हर घर मे पूजित अक्षत व मंदिर की प्रतिमा के साथ वितरित किये गए।

एक नज़र

रामभक्तों घर-घर जाकर अक्षत वितरित किया

द अचीवर टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। श्रीराम मंदिर में रामलला की मूर्ति के प्राण प्रतिष्ठा अनुष्ठान के निमंत्रण के निमित्त आए पूजित अक्षतों का वितरण धूमधाम से किया जा रहा है।शुक्रवार को मलिहाबाद क्षेत्र के थावर गांव में अक्षत का वितरण किया गया। रामभक्तों की टोलियां जय श्रीराम का उद्घोष और भजन-कीर्तन करते घर-घर पहुंची और अक्षत वितरित किया और इसके साथ में पत्रक दिए। विस्तृत लेख में दी गई जानकारी पत्रक में भगवान श्रीराम मंदिर के बारे में विस्तृत लेख तो लगा ही है। साथ ही प्राण प्रतिष्ठा के दिन क्या करना है। इसकी भी जानकारी दी गई है।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में हुई राजस्व विभाग की बैठक

द अचीवर टाइम्स निशांत शुक्ला

हरदोई। कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी मंगला प्रसाद सिंह की अध्यक्षता में राजस्व विभाग की समीक्षा बैठक हुई। जिलाधिकारी ने कहा कि न्यायालय में लंबित प्रकरणों के निस्तारण में तेजी लायी जाए। लम्बे समय से लंबित प्रकरणों को प्राथमिकता के आधार पर निपटाया जाए। पैमाइश के प्रकरण को अनावश्यक रूप से लंबित न रखा जाए। इसके लिए एक कार्ययोजना बनाकर कार्य किया जाए। नायब तहसीलदार के स्तर पर वादों की बड़ी संख्या पर नाराजगी जताते हुए उन्होंने त्वरित गति से वादों के निस्तारण के निर्देश दिए। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी प्रियंका सिंह व अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

एचसीएल फाउंडेशन के द्वारा किया गया सास बहू सम्मेलन

द अचीवर टाइम्स अभिषेक राजपूत

अतरौली। भरावन के ग्राम पंचायत मझिगवां के शिवपुरी गांव में सास बहू सम्मेलन कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें एचसीएल फाउंडेशन के तहत आशा व आंगनवाड़ी के सहयोग से गर्भवती एवं धात्री महिलाओं को एकत्रित किया गया जिसमें उन्हें सास बहू कार्यक्रम के विषय में बताया गया जिसमें एचसीएल फाउंडेशन से आयीं अमन जी ने समय पर टिक करवाना क्यों आवश्यक है एवं 4 एनसी जांचों के महत्व भी बतायें एचसीएल फाउंडेशन कार्यक्रम के तहत गर्भवती और धात्री महिलाओं को पोषाहार व बेबी किट का वितरण किया गया जिसमें एचसीएल फाउंडेशन के सभी कर्मचारीयों ने बहुत ही उत्साह के साथ इस कार्यक्रम में शामिल होकर बढ़ चढ़ भाग लिया जिसमें एचसीएल से आए शिखर जी जिसमें एचसीएल द्वारा चलाए जा रहे सभी इंटरवेंशन के विषय में बताया गया जिसमें एनम सीएचओ एवं ग्राम प्रधान रामदेवी पत्नी राजेश कुमार यादव एचसीएल से अविनाश विसेन गुप्र आपरेशन हेड संजय शुक्ला सेक्टर लीडर सीनियर ब्लाक कोर्डिनेटर साक्षी सिंह सुप्रिया ज्योति सोनम सुधीर आन्या राहुल आदि लोग मौजूद रहे।

प्रतिभागी यातायात पुलिस के साथ मिलकर 7 दिन तक यातायात नियमों का पालन कराने हेतु लोगों को करेंगे जागरूक

द अचीवर टाइम्स चेतन कुमार

हापुड़। राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा सप्ताह तहत प्रशिक्षण कार्यक्रम नेहरू युवा केंद्र के प्रतिभागियों को यातायात प्रभारी निरीक्षक उपदेश सिंह एवम टी एस आई ओमकार सिंह व टी एस आई नरेंद्र कुमार द्वारा हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस दौरान नेहरू युवा केंद्र उपनिदेशक राजेश जादौन एवम सौरभ तोमर जिला अध्यक्ष हापुड़ भी उपस्थित रहे। तो वही जिला अध्यक्ष सौरभ त्यागी ने बताया है ये प्रतिभागी यातायात पुलिस के साथ सात दिन तक कार्य करेंगे और राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा सप्ताह के अंतर्गत यातायात नियमों का पालन कराने हेतु लोगों को जागरूक करेंगे। जहां यातायात प्रभारी निरीक्षक उपदेश कुमार ने भी प्रतिभागियों को भी यातायात नियमों का पालन करने हेतु शपथ दिलाते हुए कहा कि कोई भी वाहन चालक यातायात नियमों का उल्लंघन करते हुए वाहन ना चलाएं।

राष्ट्रीय युवा दिवस पर विबग्योर इंटरनेशनल स्कूल में युवाओं ने प्रधानमंत्री के संबोधन का देखा लाइव टेलीकास्ट

द अचीवर टाइम्स चेतन कुमार

हापुड़। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण एवं जिला खेल कार्यालय हापुड़ के संयुक्त तत्वाधान में राष्ट्रीय युवा दिवस के उपलक्ष में विबग्योर इंटरनेशनल स्कूल, पिलखुवा में एक विशेष शिविर का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य अतिथि छाया शर्मा अपर जिला जज व सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के द्वारा दीप प्रज्वलित कर युवाओं को उनके अधिकार प्रशिक्षण होने वाले लाभों के प्रति जागरूक किया गया। इस अवसर पर युवाओं ने योग एवं कराटे विद्या का अति उत्साह के साथ प्रशिक्षणाधीन प्राप्त किया। कार्यक्रम के दौरान युवाओं ने भी स्वामी विवेकानंद के विचारों को दोहराया। राष्ट्रीय युवा दिवसऊ के उपलक्ष में प्रधानमंत्री के संबोधन का लाइव टेलीकास्ट भी युवाओं को दिखाया गया। कार्यक्रम के दौरान क्रीड़ा अधिकारी मधु अवस्थी, डायरेक्टर विबग्योर इंटरनेशनल स्कूल जनार्दन गुप्ता , प्रधानाचार्य हिमानी शर्मा,रोहतास व रविंद्र आदि उपस्थित रहे।

स्वामी विवेकानंद के जन्म दिवस व राष्ट्रीय युवा दिवस पर जिला स्तरीय युवा प्रतियोगिता 2024 आयोजित

द अचीवर टाइम्स चेतन कुमार

हापुड। जे एम एस ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के प्रांगण में नेहरू युवा केंद्र हापुड़ के अंतर्गत विभाग द्वारा स्वामी विवेकानंद के जन्म दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय युवा दिवस के उपलक्ष्य में जिला स्तरीय युवा प्रतियोगिता 2024 का आयोजन किया गया। जिसमें सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ नगर पालिका चेयरमैन प्रतिनिधि श्रीपाल के साथ जे एम एस ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के मैनेजिंग डायरेक्टर डॉ आयुष सिंघल,डायरेक्टर जनरल डॉ सुभाष गौतम एवम् रोटरी क्लब के अध्यक्ष अंकुर बाना व उनके सहयोगी लालाराम ने विद्या की देवी सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन कर तथा स्वामी विवेकानंद के चित्र पर माल्यार्पण करके किया। सभी अतिथियों ने स्वामी विवेकानंद के जीवन पर अपने विचार प्रस्तुत किए। इस अवसर पर सामूहिक नृत्य में ओमप्रकाश अग्रवाल इंटर कॉलेजः- प्रथम , योगा ग्रुपः- द्वितीय व राजपूताना रेजीमेंट कॉलेज पिलखुवा तृतीय, एकल नृत्य में क्रमशः- जिया प्रथम , भावना द्वितीय व खुशी तृतीय व भाषण प्रतियोगिता के प्रतिभागियों क्रमशः- काजल बाना प्रथम, रूपल त्यागी द्वितीय तथा तृतीय यशिका शर्मा तृतीय को प्रतीक चिन्ह व सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया गया । इस अवसर पर राजेश जादौन (पूर्व उपनिदेशक नेहरू युवा केंद्र, सेंट्रल दिल्ली, भारत सरकार) , रजनीकांत शुक्ल पूर्व प्रवक्ता शिक्षा विभाग दिल्ली सरकार , बाल साहित्यकार) के साथ शहवार (हेड ऑफ आर्ट्स डिपार्टमेंट जे एम एस, सामाजिक कार्यकर्ता , कवयित्री)आदि निर्णायक मंडल में रहे । इस कार्यक्रम का संयोजन नेहरू युवा केंद्र तथा जे एम एस कॉलेज ने संयुक्त रूप से किया। कार्यक्रम का संचालन सौरभ तोमर जिला अध्यक्ष विद्या दर्शन ऑफ यूथ , महेंद्र सिंह तथा उनके सहयोगी आलोक रंजन, पारुल चौहान, अमित कुमार सिद्धू आदि ने किया। इसके अतिरिक्त राष्ट्रीय युवा दिवस के पावन अवसर पर सड़क सुरक्षा सप्ताह का शुभारंभ सड़क सुरक्षा नायकों को हरी झंडी दिखाकर किया गया तथा सड़क सुरक्षा की रैली निकालते हुए नारे भी लगाए गए।

डीएम ने रात्रि में राजकीय मेडिकल कॉलेज का औचक निरीक्षण किया

द अचीवर टाइम्स दीपक सिंह

शाहजहांपुर। स्वशासी राजकीय चिकित्सा महाविद्यालय परिसर में भ्रमण के दौरान आपातकालीन चिकित्सा कक्ष/ट्रॉमा सेंटर का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान ट्रामा सेंटर में मरीज भर्ती पाये गये, जिनके सम्बन्ध में मौके पर उपस्थित आपातकालीन चिकित्साधिकारी ने बताया कि वह आपात स्थिति में यहाँ भर्ती हैं तथा प्राथमिक स्वास्थ्य परीक्षण कर दवाइयां आदि देने के उपरान्त उन्हें संबंधित वार्डो में शिफ्ट कर दिया जाएगा। निरीक्षण के दौरान ट्रामा सेंटर में साफ-सफाई आदि सन्तोषजनक नहीं पायी गयी, जिसके सम्बन्ध में मौके पर उपस्थित प्राचार्य, स्वशासी राजकीय चिकित्सा महाविद्यालय को निर्देशित किया कि वह पर्याप्त साफ-सफाई आदि सुनिश्चित करायें अन्यथा की स्थिति में सफाई कर्मियों एवं इस हेतु तैनात कार्यदायी संस्था के अधिकारियों के विरूद्ध नियमानुसार अनुशासनिक कार्यवाही सुनिश्चित करें। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने मेडिकल कॉलेज परिसर में नगर निगम द्वारा स्थापित रैन बसेरा की व्यवस्थाओं को देखा। प्राचार्य ने अवगत कराया कि रैन बसेरा में चारपाइयों, गद्दों, रजाइयों एवं चादरों आदि की समुचित व्यवस्था है तथा इसमें मरीजों के साथ आये तीमारदार आदि ठहरे हुये हैं। निरीक्षण के दौरान चिकित्सालय में आये निराश्रितों को भीषण ठण्ड से बचने हेतु डीएम ने कम्बल वितरित किये।

स्वामी विवेकानंद ने अमेरिका के शिकागो में धर्म सभा को सम्बोधित करने की शुरुआत-दीपक भाटी

द अचीवर टाइम्स चेतन कुमार

हापुड़। भाजपा युवा मोर्चा द्वारा स्वामी विवेकानंद की जयंती के उपलक्ष्य में राष्ट्रीय युवा दिवस पर गढ़मुक्तेश्वर स्थित कमलावती मदनलाल सरस्वती विद्या मन्दिर, इंटर कॉलेज में युवा महोत्सव का शुभारंभ सभी अतिथियों द्वारा माँ सरस्वती व स्वामी विवेकानंद के चित्र के सम्मुख दीप प्रज्ज्वलित के साथ किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि भाजपा जिला मंत्री पिंकी त्यागी व भाजयुमो जिलाध्यक्ष दीपक भाटी मौजूद रहे और कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय प्रधानाचार्य ज्ञानेन्द्र चौहान द्वारा किया गया। मुख्य अतिथि पिंकी त्यागी ने कहा कि सभी युवाओं को स्वामी विवेकानंद से प्रेरणा लेकर राष्ट्र सेवा की ओर अग्रसर होना चाहिए उनके जीवन परिचय को समझाते हुए छात्र एवं छात्राओं का मार्गदर्शन किया। मुख्य अतिथि भाजयुमो जिलाध्यक्ष दीपक भाटी ने कहा कि स्वामी विवेकानंद ने अमेरिका के शिकागो में धर्म सभा को सम्बोधित करने की शुरुआत भाइयो व बहनों के साथ किया तभी पूरा सदन तालियों की गड़गड़ाहट के साथ गूंज उठा और वह हमेशा एक बात कहते थे उठो, जागो और तब तक नहीं रुको जब तक लक्ष्य ना प्राप्त हो जाये। जिला मीडिया रोहित मल्होत्रा ने कहा कि आज के युवा को स्वामी विवेकानंद से प्रेरणा लेकर राष्ट्रहित में अपना योगदान करना चाहिए। कार्यक्रम में इस अवसर पर भाजयुमो जिला मीडिया प्रभारी रोहित मल्होत्रा, भाजयुमो गढ़ नगराध्यक्ष दीपक गौड़,महामंत्री अर्जुन शर्मा,उपाध्यक्ष जयवर्धन शर्मा, सोनू वर्मा,योगेन्द्र राजपूत, विद्यालय प्रधानाचार्य ज्ञानेंद्र चौहान, जयकुमार ,सतपाल ,जगेंद्र, मदनपाल एवं समस्त छात्र छात्रा मौजूद रहे।

कोतवाली कछौना में किया गया बाल मित्र केन्द्र का उद्घाटन

द अचीवर टाइम्स निशांत शुक्ला

हरदोई। समाधान अभियान संस्था द्वारा बाल उत्पीड़न के विरुद्ध नौनिहालों में पुलिस व संस्था के संयुक्त प्रयास से जागरूकता व कानूनी सलाह का संबल के रूप में कोतवाली कछौना में आज बाल मित्र केन्द्र का उद्घाटन मुख्य अतिथि पुलिस अधीक्षक केशवचन्द्र गोस्वामी ने फीता काटकर किया। उन्होंने कहा आज का बचपन कल का बेहतर भविष्य है। बचपन में मन मस्तिष्क में जो बात बैठ जाती है, आगे के जीवन का वही आधार बैठती है, इसलिए हम सभी की जिम्मेदारी बनती हैं, बचपन को संभालना है। बड़े होकर देश के अच्छे नागरिक डॉक्टर, पुलिस, प्रशासनिक अधिकारी के रूप में देश को मजबूत करने की जिम्मेदारी का निर्वहन करते हैं। अपने आसपास के परिवेश के लोगों द्वारा बच्चों के संग अनहोनी घटना से हमेशा के लिए गलत भाव मन मस्तिष्क में बैठ जाते हैं, इसलिए गलत बातों का हमेशा विरोध करें। इस कार्यक्रम का उद्देश्य चुप्पी तोड़, हल्ला बोल है। सरकार द्वारा विभिन्न योजनाओं मिशन नारी शक्ति 1090, चाइल्डलाइन 1098, इमरजेंसी सेवा 112, जिला प्रोवेशन विभागों द्वारा योजनाएं संचालित है। संस्था के यसआर प्रमुख रामकृष्णन सुब्रमण्यम ने बताया इस मुहिम के लिए कोविड कॉल के दौरान विचार आया, सबसे ज्यादा बच्चे प्रभावित हुए, बच्चों के साथ शारीरिक अपराध हुए, जिससे उनके मन मस्तिष्क पर प्रतिकूल असर पड़ा, इससे इनको बचाना है, इन्हें जागरूक संबल करना है। देश का भविष्य आज के बच्चे हैं। पूर्वज हमारे लिए काफी चीजें छोड़ गए हैं, हम क्या बेहतर छोड़कर जा सकते हैं, कल के भविष्य आज के बच्चे इन्हें बेहतर माहौल देना है। पुलिस व समाज के बीच एक अपनी बात रखने का माध्यम बने, वहीं से हमने यह शुरुआत की। एक ऐप आपकी आवाज बनाया, उसके बाद सहायता व जागरूकता मिलने से सहायता मिलती है। कार्यक्रम की अर्चना अग्निहोत्री ने बताया यह बाल मित्र केंद्र इंडिया पोस्टिसाईट्स लिमिटेड और समाधान अभियान के संयुक्त प्रयास से चुप्पी तोड़ हल्ला बोल कार्यक्रम के रूप में चल रहा है। बचपन से किशोरावस्था का प्रभाव काफी महत्वपूर्ण है। यह जो नीव तैयार होती है, नागरिक वैसा बनता है। ऐसे में हम परिवार के परिवेश व समाज के परिवेश से नई चीजें सीखने हैं। उसी के अनुसार हमारा जीवन का निर्धारण होता है। ऐसे में कोई अनहोनी घटना घटना में हम अंदर अंदर कमजोर होते चले जाते हैं। जिसका हमारे जीवन पर प्रभाव पड़ता है। यह एक कमरा नहीं है। बाल मित्र केंद्र प्रहरी के रूप में कार्य करता है, जो हमें मजबूत नागरिक बनाता है। हमें अच्छे बुरे व्यवहार के बारे में बताता है। समाज को नई ऊर्जा/दिशा मिलती है। मुखर होकर गलत चीजों का विरोध करें, यह संस्था चार बिंदुओं पर कार्य करती है। जब कोई बच्चा आता है, उसे मनोविज्ञानिक सलाह व संबल देना, कानूनी मदद, मेडिकल मदद करना या बाल मित्र केंद्र क्षेत्र के बाल यौन शोषण से बचाव में सशक्त माध्यम बनेगी। इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर रोहतास ने कहा इस मुहिम में स्वास्थ्य विभाग कदम से कदम मिलाकर सहयोग करेगा। यह क्षेत्र के लिए अच्छा कदम है। इससे बच्चों के अभिभावकों को फायदा मिलेगा। संस्था की सौम्या द्विवेदी के अथक प्रयास से क्षेत्र को एक बाल मित्र केंद्र की सौगात मिली। जानकी प्रसाद इंटर कॉलेज के छात्र-छात्राओं ने इस विषय पर अपनी अभिव्यक्ति को चित्र के रूप में प्रदर्शित किया। सफल प्रतियोगियों को मुख्य अतिथि द्वारा पुरष्कृत कर हौसला अफजाई की। इस अवसर पर नगर अध्यक्ष राधारमण शुक्ला उर्फ पंकज शुक्ला, सभासद गण, विद्यालय प्रबंधक डॉक्टर शिवराज सिंह पटेल, जितेंद्र गुप्ता, प्रभारी निरीक्षक राकेश सिंह, एचसीएल फाउंडेशन के आशीष कुमार सहित ग्राम प्रधान, क्षेत्र पंचायत सदस्य, प्रबुद्धजन मीडिया कर्मी मौजूद रहें। कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ पत्रकार महेश चंद्र मिश्रा ने किया।

ग्राम पंचायत अध्यक्ष द्वारा पिलखना में भारत विकसित संकल्प यात्रा का किया गया आयोजन मुख्य अतिथि कृष्ण राज पूर्व सांसद

द अचीवर टाइम्स फसाद खान

शाहजहांपुर । सिधौली की ग्राम पंचायत पिलखना में ग्राम प्रधान अमर सिंह के द्वारा भारत विकसित संकल्प यात्रा का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य अतिथि श्रीमती कृष्णाराज पूर्व मंत्री भारत सरकार, ब्लॉक प्रमुख पति मुनेश्वर सिंह,भाजपा मंडल महामंत्री महेंद्र पाल, भाजपा मंडल अध्यक्ष सुभाष श्रीवास्तव, रज्जन मिश्रा, मुकेश दीक्षित, अवनीश सिंह, सत्येंद्र, सुमित कुशवाहा,फतेह सिंह यादव के नेतृत्व में सकड़ों जरूरतमंदों को कंबल, टोपा, मफलर, आदि का वितरण किया गया।

22 को अयोध्या धाम जंक्शन पर नहीं रुकेंगी ट्रेनें

रोडवेज बसें होंगी बंद, 21 जनवरी से 22 जनवरी तक सभी वाहनों का डायवर्जन

संवाददाता

लखनऊ। प्राण प्रतिष्ठा के दिन आप अयोध्या नहीं जा सकेंगे। ट्रेनों का ठहराव वहां के रेलवे स्टेशन पर नहीं होगा। बसों को नहीं चलाया जाएगा। इसके लिए डायवर्टेड रूट जारी हो गए। राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा समारोह में आने वाले वीवीआईपी की सुरक्षा के दृष्टिगत 22 जनवरी को अयोध्या धाम जंक्शन पर कोई ट्रेन नहीं रोकी जाएगी। प्रदेश पुलिस के अनुरोध पर रेलवे ने इसकी सहमति प्रदान कर दी है। वहीं रोडवेज की बसों को भी 21 और 22 जनवरी को अयोध्या के भीतर प्रवेश की अनुमति नहीं होगी। अयोध्या होकर अपने गंतव्य को जाने वाली बसों को दूसरे रूट से भेजा जाएगा। इसके अलावा लखनऊ से बड़ी संख्या में अति विशिष्ट अतिथियों के सड़क मार्ग से अयोध्या जाने की वजह से लखनऊ-अयोध्या राष्ट्रीय राजमार्ग को सुबह से लेकर शाम तक ग्रीन कॉरीडोर बनाकर निजी वाहनों के लिए प्रतिबंधित करने की तैयारी है। केवल आकस्मिक परिस्थिति में ही वाहन चालकों को अयोध्या की ओर जाने की अनुमति दी जाएगी। प्रदेश पुलिस ने समारोह को सकुशल संपन्न कराने के लिए रूट डायवर्जन का पूरा खाका तैयार कर लिया है, जिसमें अयोध्या के आसपास के जिलों से आने वाले यातायात को दूसरे रास्तों से भेजने की व्यवस्था की गयी है। इसके अलावा मकर संक्रांति से भीड़ बढ़ने पर भारी वाहनों के आवागमन पर पहले से प्रतिबंध लगाया जा सकता है।

गोरखपुर से वाहनों का डायवर्जन-गोरखपुर, कौड़ीराम, बडहलगंज, दोहरीघाट, जीयनपुर, आजमगढ़ से पूर्वांचल एक्सप्रेसवे डायवर्ट किया जाएगा

गोरखपुर से संतकबीरनगर, बासी, मेहदावल, डुमरियागंज, उतरौला, बलरामपुर, गोंडा, जरवल रोड, चौकाघाट से बदोसराय से सफदरगंज, से लखनऊ बस्ती से आने वाले वाहन कलवारी, टांडा, अकबरपुर, दोस्तपुर से पूर्वांचल एक्सप्रेसवे की ओर भेजे जाएंगे

आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे से आने वाले वाहन आईआईएम रोड से आलमबाग, नहरिया, शहीदपथ होते हुए अहिमामऊ से होते हुए पूर्वांचल एक्सप्रेसवे भेजे जाएंगे

इसी तरह सीतापुर, शाहजहांपुर से आने वाले वाहन आईआईएम रोड से आलमबाग, शहीदपथ होते हुए पूर्वांचल एक्सप्रेसवे से निकाले जाएंगे

बलरामपुर, बहराइच, गोंडा, श्रावस्ती से अयोध्या होकर लखनऊ जाने वाले वाहन गोंडा, करनैलगंज से जरवल रोड से चौकाघाट, सफदरगंज होते हुए लखनऊ जाएंगे

सुल्तानपुर से आने वाले वाहन कूढ़ेभार से पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर डायवर्ट किए जाएंगे

रायबरेली से आने वाले वाहन हलियापुर से पूर्वांचल एक्सप्रेसवे की ओर डायवर्ट किए जाएंगे

लखनऊ, बाराबंकी की ओर आने वाले वाहन चौकाघाट, जरवल, करनैलगंज, रामसनेहीघाट से हैदरगढ़ होकर निकाला जाएगा

आजमगढ़, अंबेडकरनगर से आने वाले वाहनों को पूर्वांचल एक्सप्रेसवे से डायवर्ट किया जाएगा

कानपुर से आने वाले वाहनों को उन्नाव, मौरावां, मोहनलालगंज, गोसाईगंज, चांदसराय से पूर्वांचल एक्सप्रेस वे के जरिए गोरखपुर भेजा जाएगा

- इसी तरह कानपुर से आने वाले वाहनों को रायबरेली के रास्ते से होकर पूर्वांचल एक्सप्रेसवे की तरफ भेजा जाएगा

समारोह में आमंत्रित अतिथियों के निमंत्रण पत्र व पासधारकों, अयोध्या (यूपी-42) के वाहनों एवं आकस्मिक सेवाओं को छोड़कर सभी प्रकार के वाहनों को निम्न रूट से डायवर्ट किया जाएगा

सुल्तानपुर से आने वाले वाहनों को कूढेभार से पूर्वांचल एक्सप्रेसवे भेजा जाएगा

लखनऊ, बाराबंकी की ओर आने वाले वाहनों को रामसनेहीघाट से हैदरगढ़, दरियाबाद, टिकैतनगर, रामनगर होते हुए भेजा जाएगा

बस्ती, कलवारी से आने वाले वाहनों को टांडा से अकबरपुर, दोस्तपुर से पूर्वांचल एक्सप्रेसवे की ओर भेजा जाएगा

अंबेडकरनगर की ओर से आने वाले वाहनों को थाना गोसाईगंज से भीटी, हैदरगंज, बेरू बाजार, चौरे बाजार से गंतव्य की ओर भेजा जाएगा

रायबरेली से आने वाले वाहनों को हलियापुर से पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर भेजा जाएगा

बलरामपुर, बहराइच, गोंडा, श्रावस्ती से अयोध्या होकर लखनऊ जाने वाले वाहन गोंडा, करनैलगंज से जरवल रोड से चौकाघाट, सफदरगंज होते भेजे जाएंगे

सीएम ने स्मार्ट फोन और टेबलेट का किया वितरण

सीएम योगी ने शुक्रवार को स्वामी विवेकानंद जी की जयंती राष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर डॉ. ए. पी.जे. अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय के अटल बिहारी वाजपेयी सभागार में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने राज्यस्तरीय विवेकानंद यूथ अवॉर्ड एवं उत्तर प्रदेश स्टार्टअप नीति के अंतर्गत स्टार्टअप/इनक्यूबेटर्स को प्रोत्साहन राशि तथा स्वामी विवेकानंद युवा सशक्तिकरण योजना के अंतर्गत स्मार्ट फोन/टैबलेट का वितरण किया। साथ ही सीएम योगी ने 'My Bharat' पोर्टल के माध्यम से स्वच्छता अभियान संबंधी गतिविधियों का शुभारंभ भी किया। इसके अलावा 14 जनवरी से प्रारंभ हो रहे विशेष स्वच्छता अभियान से उन्होंने युवाओं से और प्रदेश के समस्त नागरिकों को जोड़ने का आह्वान किया।

एक नज़र

माध्यमिक और बेसिक स्कूलों में 14 से 21 तक चलेगा स्वच्छता अभियान, सभी संस्थान किए जाएंगे प्रकाशमय

लखनऊ। प्राण प्रतिष्ठा की तैयारियों का असर यूपी के माध्यमिक और बेसिक स्कूलों में दिखेगा। आयोजन के पहले स्कूलों में विशेष सफाई चलाए जाएंगे। स्कूलों में रोशनी भी होगी। अयोध्या में 22 जनवरी को रामलला के प्राण प्रतिष्ठा समारोह के तहत प्रदेश के बेसिक व माध्यमिक विद्यालयों को भी सजाया जाएगा। विद्यालयों में 14 से 21 जनवरी तक विशेष सफाई अभियान चलेगा जबकि 22 जनवरी को यहां भी अवकाश घोषित किया गया है। मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्र की ओर से जारी निर्देश के बाद बेसिक व माध्यमिक शिक्षा निदेशक डॉ. महेंद्र देव ने भी इसके लिए विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किए हैं। उन्होंने कहा है कि 22 जनवरी को विद्यालयों में अवकाश रहेगा। इससे पहले 14 से 21 जनवरी तक अभियान चलाकर कक्षाओं, कार्यालयों, परिसर की सफाई की जाए। इस दौरान कहीं भी गंदगी व प्लास्टिक न हो। पूरा परिसर साफ दिखे। 22 से 26 जनवरी के बीच प्राण प्रतिष्ठा समारोह, यूपी दिवस व गणतंत्र दिवस पड़ रहा है। इस दौरान सभी शिक्षण संस्थानों को प्रकाशमान किया जाए। मुख्य सचिव के निर्देशों का पूरी तरह अनुपालन सुनिश्चित कराया जाए। इसमें किसी तरह की लापरवाही न की जाए।

17 जनवरी से लेकर प्राण प्रतिष्ठा तक नहीं होगी बिजली कटौती, मकर संक्राति को भी होगी 24 घंटे आपूर्ति

लखनऊ। प्राण प्रतिष्ठा के आसपास शाम को बिजली रहे शासन इसकी व्यवस्था बना रहा है। जल्द ही इस पर मुहर लग सकती है। भगवान श्रीरामलला के प्राण प्रतिष्ठा समारोह पर आप भी खूब उल्लासपूर्वक दीवाली मना सकेंगे। इस दौरान 24 घंटे बिजली आपूर्ति होगी। बिजली निगम ने रामभक्तों को यह तोहफा देने की तैयारी की है। इसके लिए शासन को प्रस्ताव भेजा गया है। शनिवार को होने वाली चेयरमैन की बैठक में इस पर मुहर लगने की उम्मीद है। अयोध्या जैसी व्यवस्था पूरे प्रदेश में भी लागू करने की उम्मीद है। शाम को घरों के बाहर रोशनी रहे इसके लिए सरकार पहले से तैयारी करने जा रही है। आगामी 22 जनवरी को श्रीराम लला गर्भगृह में विराजमान होंगे। इसके लिए जिले के लोग काफी उत्साहित हैं। सभी ने घरों को दुल्हन की तरह सजाकर, तमाम रंग-बिरंगी झालरों से जगमगाने की योजना बनाई है। बिजली कटौती की दशा में धनाढ्य लोगों ने तो जेनरेटर तक का इंतजाम कर लिया है। मध्यमवर्गीय लोगों की मंशा पर पानी न फिरे, इसके लिए बिजली निगम ने भी इंतजाम किए हैं। अब तक की योजना के अनुरूप जिले के लगभग 53 बिजली उपकेंद्र से जुड़े इलाकों में 17 जनवरी से ही निर्बाध बिजली आपूर्ति की जाएगी। यह आपूर्ति प्राण प्रतिष्ठा के बाद भी कुछ दिन तक जारी रहने की उम्मीद है।

मकर संक्रांति पर भी 24 घंटे होगी बिजली आपूर्ति

शासन ने मकर संक्रांति को प्रांतीयकृत मेला घोषित किया गया है। इसे देखते हुए आगामी 14 जनवरी को भी 24 घंटे तक जिले में बिजली आपूर्ति होगी। इसके लिए उच्चाधिकारियों ने सभी बिजलीघरों को निर्देशित किया है। किसी तरह का मरम्मत कार्य अविलंब करके व्यवस्थाएं दुरुस्त करने को भी कहा गया है।

बैठक में होगा अंतिम निर्णय

प्राण प्रतिष्ठा के समय जिला बिजली कटौती मुक्त रहेगा। इसके लिए संबंधित अधिकारियों को तैयारियां दुरुस्त रखने के निर्देश हैं। चेयरमैन के साथ बैठक करके अंतिम निर्णय लिया जाएगा। -हरीश बंसल, मुख्य अभियंता, बिजली निगम।

सीएम ने कहा, अयोध्या होगा दुनिया का सबसे भव्य टूरिस्ट स्पॉट, एक वर्ष में 31 करोड़ पर्यटक आए

लखनऊ। स्वामी विवेकानंद जी की जयंती %राष्ट्रीय युवा दिवस% के अवसर पर सीएम योगी ने कहा कि मात्र 39 वर्ष की आयु में स्वामी विवेकानंद ने भारत समेत पूरी दुनिया को नई राह दिखाई। उन्होंने युवाओं को उठो, जागो और अपने ध्येय की प्राप्ति तक न रुकने का संदेश दिया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि पिछले एक वर्ष में उत्तर प्रदेश में साढ़े 31 करोड़ पर्यटक आए। इससे प्रदेश में विभिन्न तरह के रोजगार का सृजन हुआ है। 22 जनवरी को श्रीरामलला की प्राण प्रतिष्ठा के बाद दुनिया के पर्यटन मानचित्र पर अयोध्या सबसे विकसित और भव्य टूरिस्ट स्पॉट होगा। उन्होंने कहा कि डबल इंजन की सरकार प्रदेश के धार्मिक पर्यटक स्थल को विकसित कर रही है। काशी विश्वनाथ में पहले एक साथ पचास श्रद्धालु भी खड़े नहीं हो पाते थे। कॉरिडोर बन जाने से अब पचास हजार श्रद्धालु एक साथ धाम में एकत्र होकर धार्मिक आयोजन में भाग ले सकते हैं।

हजारों कैमरों की निगाहों में होगी रामनगरी, शहर में 10,548 स्थानों पर लगाए गए खुफिया सीसीटीवी कैमरे

संवाददाता

अयोध्या। अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा और उसके बाद आने वाले भक्तों के लिए सुरक्षा व्यवस्था लगातार कड़ी की जा रही है। किसी प्रकार तरह की उदंडता को रोकने के लिए हजारों कैमरे लगाए जा रहे हैं। यदि आप अयोध्या में उद्दंडता करने की सोच रहे हैं तो अभी से कान पकड़कर बोल दीजिए ना बाबा ना। यहां चप्पे-चप्पे पर पुलिस की नजर है, जिससे बच पाना आसान नहीं है। जिले के 10,548 स्थानों पर लगे खुफिया कैमरों से हर गतिविधि की निगरानी हो रही है। खुराफातियों को पता भी नहीं चलेगा कि वे कहां से देखे जा रहे हैं। श्रीरामजन्मभूमि मंदिर निर्माण के बाद अयोध्या की सुरक्षा और अहम हो गई है। इसके लिए गृह विभाग ने ऐसी तैयारी है कि अशांति फैलाने वालों के मंसूबे तार-तार हो जाएंगे। चाक-चौराहों व संवेदनशील स्थानों पर सशस्त्र जवान तो मुस्तैद रहेंगे ही, तीसरी आंख की निगाह भी सर्वत्र रहेगी। इसे लेकर पुलिस ने पहले से ही तैयारी की थी, जो अब अधिक सार्थक सिद्ध हो रही है। पूर्व में सार्वजनिक स्थलों पर लगे कैमरों के अलावा ऑपरेशन त्रिनेत्र के तहत जिले में 10,548 खुफिया कैमरे अब तक लग चुके हैं। इनमें रामनगरी के लगभग 3500 कैमरे शामिल हैं। कोतवाली अयोध्या क्षेत्र में लगभग 2,000, रामजन्मभूमि थाना क्षेत्र में लगभग डेढ़ हजार व नगर कोतवाली क्षेत्र में 710 कैमरे लगे हैं। इसके अलावा रेड जोन व येलो जोन में भी अलग-अलग क्षमता के आधुनिक कैमरे लगे हैं। यह कैमरे उन स्थानों पर लगे हैं, जहां आपकी सोच भी नहीं पहुंच सकती है। किसी भी व्यक्ति के आते-जाते, उठते-बैठते या किसी तरह की गतिविधि को यह कैमरे रिकॉर्ड करेंगे।

यूपी में 22 जनवरी को रहेगा सार्वजनिक अवकाश, सरकार ने जारी किया शासनादेश, पढ़िए पूरा ऑर्डर

संवाददाता

लखनऊ। प्राण प्रतिष्ठा के दिन प्रदेश में सार्वजनिक अवकाश रहेगा। इस दौरान क्या-क्या बंद होगा सरकार ने इसे स्पष्ट कर दिया है। अयोध्या के राम मंदिर में होने वाली प्राण प्रतिष्ठा के मौके पर पूरे प्रदेश में सार्वजनिक अवकाश रहेगा। स्कूल-कॉलेज बंद रहेंगे। यहां तक कि सभी सरकारी कार्यालयों में भी अवकाश रहेगा। इससे संबंधित आदेश आज जारी हो गया है। प्राण प्रतिष्ठा के दिन 22 जनवरी को प्रदेश भर में शराब की दुकानें बंद रहेंगी। वहीं, बेसिक, माध्यमिक और उच्च शिक्षा शिक्षा विभाग की ओर से सभी शिक्षण संस्थानों में सार्वजनिक अवकाश घोषित किया गया है। मुख्य सचिव दुर्गाशंकर मिश्र ने प्राण प्रतिष्ठा के दिन सामान्य व्यवस्था, सुरक्षा व्यवस्था और अतिथियों की व्यवस्था के दिशा निर्देश जारी किए हैं। मुख्य सचिव ने 16 से 22 जनवरी तक हर मंदिर में राम संकीर्तन का आयोजन करने, 22 जनवरी की शाम को हर घाट, मंदिर में दीपोत्सव का आयोजन करने और अयोध्या में सरयू घाट पर दीपोत्सव के बाद आतिशबाजी के निर्देश दिए हैं। मुख्य सचिव ने मंदिरों में स्क्रीन लगाकर प्राण प्रतिष्ठा समारोह का सीधा प्रसारण दिखाने, सभी शहरी एवं ग्रामीण इलाकों में 14 से 21 जनवरी तक स्वच्छता अभियान चलाने के भी निर्देश दिए। सभी दफ्तरों में 22 से 26 जनवरी तक सजावट और रोशनी की व्यवस्था की जाएगी। मुख्य सचिव ने प्रत्येक टेंट सिटी में 10 बेड का प्राथमिक अस्पताल बनाने, बाहर से आने वाले चिकित्सकों के लिए आचार्य नरेंद्र देव विश्वविद्यालय एवं छात्रावास में ठहरने की व्यवस्था करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने लखनऊ, गोरखपुर, प्रयागराज और वाराणसी से अयोध्या आने वाले मार्गों को ग्रीन कॉरिडोर बनाने के निर्देश दिए हैं। इन मार्गों पर रामचरित मानस की चौपाई के होर्डिंग्स भी लगाए जाएंगे।

अयोध्या में 18 जनवरी से निर्माण कार्य बंद रहेंगे

मुख्य सचिव ने अयोध्या में निजी भवनों में 18 जनवरी से निर्माण कार्य नहीं कराने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने भवन निर्माण का मलबा मार्गों से हटाने और अयोध्या व आसपास के इलाकों में प्रत्येक स्थान पर साफ सफाई के पुख्ता इंतजाम करने के निर्देश दिए हैं।

इंडिया गठबंधन:

बीते दो चुनाव के आधार पर रामगोपाल वर्मा को दी गई सीट बांटने की जिम्मेदारी : अखिलेश

संवाददाता

लखनऊ। अखिलेश यादव ने एक बार फिर से इशारों में यह स्पष्ट किया है कि वह कांग्रेस को दस से ज्यादा सीटें नहीं देंगे। उन्होंने कहा कि सीटों की बातचीत सपा की ओर से राम गोपाल वर्मा कर रहे हैं। लोकसभा चुनाव में इंडिया गठबंधन के बीच सीटों का बंटवारा कैसे होगा इस पर अखिलेश यादव ने चुप्पी तोड़ी है। उन्होंने कहा कि कौन सी सीट किसको मिलेगी इस पर बातचीत चल रही है। सपा के प्रमुख महासचिव प्रो. रामगोपाल यादव को वार्ता की जिम्मेदारी दी गई है। वर्ष 2019 व 2022 चुनाव का आंकड़ा हम लोगों के सामने है। उसके आधार पर ही आगे का निर्णय लिया जाएगा। अखिलेश इसके पहले भी यह बात कई बार कह चुके हैं कि इंडिया गठबंधन में सहयोगियों को सीटें मिलने का आधार 2019 का लोकसभा चुनाव और 2022 में यूपी का विधानसभा चुनाव होगा। उधर कांग्रेस लगातार 35 से ऊपर सीटें लड़ने की बात कह रही है। मालूम हो कि 2019 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस को यूपी में एकमात्र सीट मिली थी। यह सीट रायबरेली से सोनिया गांधी ने जीती थी। राहुल गांधी खुद अमेठी से अपनी सीट हार गए थे।

अखिलेश ने कहा कि अग्निवीर योजना पीडीए (पिछड़े, दलित और अल्पसंख्यक)युवाओं को सेना में जाने से रोकने के लिए लाई गई है। खुद सैन्य अफसर ने कहा कि वर्ष 2027 तक सेना में एक लाख की संख्या कम हो जाएगी। भाजपा सरकार जानती है सेना में पीडीए के लोग ज्यादा हैं। पहले उन्हें सेना की नौकरी मिल जाती थी तो घर में खुशहाली आती थी। भाजपा सरकार ने जानबूझकर अग्निवीर योजना लाकर इन नौजवानों को अपमानित करने का काम किया है। प्रयागराज के एक हॉस्टल में छात्रों की सुविधाओं में कटौती पर कहा कि पीडीए का बजट काटकर उसे विशेष आयोजनों पर लगाया जा रहा है।

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि भगवान श्रीराम के नाम पर हमें अपमानित न करें। प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम का उन्हें कोई निमंत्रण नही मिला। कोई कुरियर भी अभी तक नहीं आया। न घर पर और न दफ्तर में। अखिलेश यादव ने ये बातें शुक्रवार को प्रदेश पार्टी मुख्यालय पर पत्रकारों से बातचीत के दौरान कहीं।उन्होंने कहा कि पता चला है कि उनके लिए 22 जनवरी का निमंत्रण कुरियर के माध्यम से भेजा गया, लेकिन यह कुरियर उन्हें आज तक प्राप्त नहीं हुआ है। अखिलेश ने कहा, मीडिया के लोग ही मुझे भेजे गए कुरियर की रसीद उपलब्ध करवा दें। अखिलेश ने यह भी कहा कि जिस तरह से निमंत्रण की खबर फैलाई जा रही है, उससे मुझे उसी तरह से अपमानित किया जा रहा है, जैसे हमारे सत्ता से जाने के बाद मुख्यमंत्री आवास को गंगाजल से धुलवाकर अपमानित किया गया था।

दर्शन के लिए आने वाले रामभक्तों के लिए बनेगी जर्मन हैंगर टेंट सिटी, शनिवार को होगा स्थान का भूमि पूजन

लखनऊ। भूमि पूजन के बाद टेंट सिटी का निर्माण शुरू कर दिया जाएगा। इसे 10 दिन की निर्धारित अवधि में तैयार किए जाने का लक्ष्य तय किया गया है। भाजपा की राम दर्शन यात्रा के माध्यम से देशभर से आने वाले भक्तों के ठहरने के लिए जर्मन हैंगर टेंट सिटी का निर्माण कराया जाएगा। इसमें रोजाना 25 हजार लोग ठहर सकेंगे। इनके रहने, खाने, पीने के साथ कई तरह की सुख-सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। 22 जनवरी को रामलला की प्राण प्रतिष्ठा होने के बाद भाजपा की राम दर्शन यात्रा शुरू होगी। इसके माध्यम से विभिन्न प्रदेशों से रोज 20 से 25 हजार रामभक्त अयोध्या आएंगे। इनके ठहरने के लिए बूथ नंबर चार के पास आवास विकास परिषद की ओर से अधिग्रहित की गई भूमि पर विशाल टेंट सिटी बनवाई जाएगी।

अयोध्या में प्रतिदिन 30 हजार लोगों के रुकने का इंतजाम

हर हाल में रखा जाए आतिथ्य परंपरा का ध्यान : सीएम योगी

संवाददाता

लखनऊ। योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर स्थानीय प्रशासन श्रद्धालुओं व पर्यटकों के रुकने की चाक-चौबंद तैयारी कर रहा है। इसके लिए होटल, धर्मशाला-गेस्ट हाउस, होम स्टे-पेइंग गेस्ट, टेंट सिटी-आश्रय स्थल, डॉरमेट्री आदि में व्यवस्था की जा रही है। 22 जनवरी को श्रीरामलला अपने दिव्य-भव्य मंदिर में विराजमान होंगे। कई महीनों में अनेक राज्यों का दौरा कर चुके उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री मेजबान के रूप में 22 जनवरी के बाद लोगों को आमंत्रित भी कर चुके हैं। लिहाजा उनके रहने-खाने, रुकने, साफ सफाई की मुकम्मल व्यवस्था हो, इसके लिए सीएम योगी ने खुद खाका तैयार कर अफसरों को टास्क दे दिया है। योगी सरकार के निर्देश पर शासन-प्रशासन स्तर पर फिलहाल प्रतिदिन 30 हजार लोगों के रुकने की व्यवस्था की जा रही है। श्रद्धालुओं की संख्या को देखते हुए इसमें और इजाफा भी किया जाएगा। विगत दिनों रामनगरी आए योगी आदित्यनाथ ने निरीक्षण व समीक्षा बैठकों में साफ-सफाई, आतिथ्य स्वागत व अच्छा व्यवहार हर हाल में सुनिश्चित करने को कहा था।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर स्थानीय प्रशासन श्रद्धालुओं व पर्यटकों के रुकने की चाक-चौबंद तैयारी कर रहा है। इसके लिए होटल, धर्मशाला-गेस्ट हाउस, होम स्टे-पेइंग गेस्ट, टेंट सिटी-आश्रय स्थल, डॉरमेट्री आदि में व्यवस्था की जा रही है। फिलहाल तैयारी के अनुसार वर्तमान में 60 होटलों में 40 कमरों के हिसाब से 7200 पीपीडी (पर्सन पर डे) को रोका जाएगा। 171 धर्मशाला-गेस्ट हाउस में 17 हॉल व 2742 कमरों की अनुमानित व्यवस्था है। 2742 कमरों में चार लोगों तथा 17 हॉल में पांच लोगों के ठहरने की व्यवस्था के अनुरूप माना जा रहा है कि 11818 पीपीडी रामनगरी में रुककर दर्शन-पूजन कर सकते हैं।

होम स्टे-पेइंग गेस्ट योजना के तहत भी अयोध्या में काफी कार्य हो चुका है। फिलवक्त यहां 570 संपत्तियां ऑन बोर्ड हो चुकी हैं। प्रति होम स्टे में चार कमरे और दो पीपीआर (पर्सन पर रेशियो) के हिसाब से प्रतिदिन 4400 लोगों के रुकने की व्यवस्था कराई जा रही है। फिलहाल सरकारी स्तर पर 200-200 लोगों की व्यवस्था वाली दो टेंट सिटी तथा तीन आश्रय स्थलों में 5100 व्यक्ति यानी कुल 5400 लोगों के रुकने की व्यवस्था कराई जा रही है। वहीं डॉरमेट्री की व्यवस्था के अनुरूप तीन व्यावसायिक संकुल में प्रस्तावित डॉरमेट्री में 700 बेड्स की व्यवस्था सुचारू रूप से की हो रही है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बीते दिनों अयोध्या आए थे। यहां कई टेंट सिटी के निरीक्षण के उपरांत उन्होंने यह निर्देश दिया था कि यहां आने वाले पर्यटकों व श्रद्धालुओं की संख्या में बेतहाशा वृद्धि होगी, लिहाजा होमस्टे-पेइंग गेस्ट और टेंट सिटी बढ़ाई जाए। सीएम ने प्रशासनिक स्तर पर की जा रही व्यवस्था के अलावा राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट व अन्य आनुसांगिक संगठनों की तरफ से हो रही व्यवस्था में भी और वृद्धि करने का आग्रह किया था। प्रतिदिन 30 हजार लोगों के रुकने की व्यवस्था में और वृद्धि होगी। इस लिहाज से तैयारियों को बढ़ाया जाए। रामनगरी पर सीएम योगी आदित्यनाथ की विशेष नजर है। वे नियमित यहां आकर निरीक्षण करते हैं। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया है कि रुकने वालों के साथ अतिथि देवो भवः के अनुरूप स्वागत, सम्मान व व्यवहार किया जाए। यहां साफ-सफाई अच्छी हो। गर्म पानी की व्यवस्था हो। गद्दे-कंबल साफ हों। यहां तैनात लोग रहने वालों के साथ अच्छा व्यवहार करें। सेवा भाव के साथ काम करें। महिला/पुरुष शौचालयों की नियमित साफ सफाई हो, किसी प्रकार की दुर्व्यवस्था न हो।

सम्पादकीय

श्रीराम के निमंत्रण को ठुकरा कर कांग्रेस ने राजनीतिक अपरिपक्वता का परिचय दिया है

श्रीराम राज्य तब भी और आज भी राजनीति स्वार्थ से प्रेरित ना होकर प्रजा की भलाई के लिए है। जनता की भलाई एवं आस्था को न देखकर कांग्रेस मुस्लिम एवं ईसाई वोटों को प्रभावित करने के लिये तथाकथित ऐसा निर्णय लिया है, जो उसकी हिन्दू विरोध मानसिकता का द्योतक है। रामलला की प्राण प्रतिष्ठा समारोह में कांग्रेस नेता सोनिया गांधी, मल्लिकार्जुन खरगे और अधीर रंजन चौधरी एवं इंडिया गठबंधन के अन्य दलों ने शामिल नहीं होने का निर्णय लेकर जहां अपनी राजनीतिक अपरिपक्वता का परिचय दिया है, वहीं भारत के असंख्य लोगों की आस्था एवं विश्वास को भी किनारे करते हुए आराध्य देव भगवान श्रीराम को राजनीतिक रंग देने की कुचेष्ठा की है। भले ही यह भारतीय जनता पार्टी एवं राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के वर्चस्व का अनुष्ठान है, लेकिन लोकतांत्रिक मूल्यों को प्रतिष्ठा देते हुए कांग्रेस को ऐसे राजनीतिक निर्णय लेने से दूर रहते हुए समारोह में भाग लेना चाहिए था। राम मंदिर के निमंत्रण को ठुकराना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण और आत्मघाती फैसला है। ऐसा प्रतीत होता है कि कांग्रेस ने खुद अपनी जमीन को खोखला करने की ठान रखी है। विनाशकाले विपरीत बुद्धि! निश्चित ही कांग्रेस अब भारत की बहुसंख्यक जनता की भावनाओं को नकार रही है, वह राजनीतिक, सामाजिक, सांस्कृतिक और आर्थिक वास्तविकताओं और भावनाओं से पूरी तरह से कट गई है। इन दिनों कांग्रेस की ओर से लिए जा रहे हर फैसले भारत विरोधी शक्तियों को बल देने, कुछ वामपंथी चरमपंथियों को बढ़ावा देने, जातीयता एवं साम्प्रदायिकता की राजनीति को कायम रखने और शीर्ष पर बैठे नेताओं के आसपास के कुछ कट्टरपंथी अल्पसंख्यकों को खुश करने के लिए है। कांग्रेस ने पिछले कुछ दशकों में अयोध्या में मंदिर के लिए कोई सकारात्मक कदम नहीं उठाया जो भगवान श्रीराम के अस्तित्व को नकार देने का ही द्योतक है। राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम केवल हिन्दुओं का ही नहीं बल्कि राष्ट्र का उत्सव है। साथ ही देश के सांस्कृतिक और आध्यात्मिक गौरव का महा-अनुष्ठान है। बाबर से लेकर औरंगजेब तक सभी मुगल आक्रांताओं ने तलवार के बल पर हिन्दुओं का धर्म परिवर्तन ही नहीं कराया बल्कि हिन्दु मन्दिरों एवं आस्था के केन्द्रों को ध्वस्त किया था। श्रीराम जन्मभूमि, श्रीकृष्ण जन्मभूमि और काशी विश्वनाथ धाम को भी नहीं छोड़ा गया और हजारों मंदिरों को?ध्वस्त कर उनके स्थान पर मस्जिदें बनवा दीं गयी। आजादी के बाद इस गौरवमय धार्मिक एवं सांस्कृतिक इतिहास को पुनर्निर्मित करने का काम होना चाहिए था लेकिन कांग्रेस शासन ने संकीर्ण एवं स्वार्थ की राजनीति के कारण ऐसा नहीं होने दिया। आज भाजपा अपनी राष्ट्रीय अस्मिता एवं ऐतिहासिक भूलों को सुधारने काम कर रही है तो उसे राजनीतिक रंग देना मानसिक दिवालियापन एवं राष्ट्र-विरोधी सोच है। श्रीराम मंदिर राजनीति का विषय नहीं है बल्कि आस्था का विषय है। आस्था हर व्यक्ति की अस्मिता से जुड़ा प्रश्न है। राम लला साढ़े पांच सौ वर्षों से इसका इंतजार कर रहे थे। अब वह समय आ गया है, भव्य श्रीराम मंदिर का निर्माण हो चुका है और आगामी 22 जनवरी का दिन इतिहास के पन्नों में दर्ज होने वाला है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इस दिन राम लला की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा समारोह में उपस्थित रहेंगे। श्रीराम भारतीय समाज के आदर्श पुरुष रहे हैं, भारत की राजनीति के लिये वे प्रेरणास्रोत हैं, उन्हें केवल भाजपा या आरएसएस का बताने वाले भारत की जनआस्था से स्वयं को ही दूर कर रहे हैं, स्वयं को हिन्दू विरोधी एवं राम-विरोधी होने का आधार ही मजबूत किया है। अच्छा होता निमंत्रण ठुकराने की बजाय इस समारोह में उपस्थित होकर श्रीराम के प्रति एवं असंख्य लोगों की आस्था का सम्मान करते। इस तरह एक जीवंत परम्परा को झुठलाने एवं ठुकराने के निश्चित ही आत्मघाती दुष्परिणाम होंगे। श्रीराम राज्य तब भी और आज भी राजनीति स्वार्थ से प्रेरित ना होकर प्रजा की भलाई के लिए है। जनता की भलाई एवं आस्था को न देखकर कांग्रेस मुस्लिम एवं ईसाई वोटों को प्रभावित करने के लिये तथाकथित ऐसा निर्णय लिया है, जो उसकी हिन्दू विरोध मानसिकता का द्योतक है। कांग्रेस ने सदैव श्रीराम मंदिर आंदोलन से दूरी बनाकर रखी, मंदिर निर्माण की प्रक्रिया में रोड़े अटकाए और जिसने सर्वोच्च न्यायालय में यह हलफनामा दिया हो कि श्रीराम का कोई अस्तित्व नहीं है, श्रीराम एक काल्पनिक पात्र हैं, उस कांग्रेस के नेताओं से यह अपेक्षा ही कैसे की जा सकती है कि वे श्रीराम मंदिर निर्माण के महत्वपूर्ण एवं ऐतिहासिक प्रसंग में उत्साह, उमंग एवं आनंद के साथ शामिल होंगे? कांग्रेस के इस निर्णय से हिन्दू मन के कांग्रेसी नेता अवश्य ही आश्चर्यचकित एवं दुःखी हैं। कांग्रेस के भीतर से ही कई नेताओं ने खुलकर यह कहने की हिम्मत दिखायी है कि ÷मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम हमारे आराध्य देव हैं इसलिए यह स्वाभाविक है कि भारतभर में अनगिनत लोगों की आस्था इस नवनिर्मित मंदिर से वर्षों से जुड़ी हुई है। कांग्रेस के कुछ लोगों को उस खास तरह के बयान से दूरी बनाए रखनी चाहिए और जनभावना का दिल से सम्मान करना चाहिए।'' यहां प्रश्न यह भी है कि जब मंदिर निर्माण को मंजूरी देने वाले सुप्रीम कोर्ट के फैसले का कांग्रेस ने स्वागत किया था, तो अब वे इसे केवल भाजपा का पार्टीगत मामला क्यों मान रही है? वास्तव में कांग्रेस एवं अन्य विपक्षी दल केवल एक ही तरीके से भाजपा को इससे होने वाले राजनीतिक लाभ को कम कर सकते है और वह तरीका शालीनता से इस समारोह में भाग लेना और इस बात पर जोर देना है कि श्रीराम सभी के हैं, उन पर किसी एक पार्टी या नेता का एकाधिकार नहीं है। लेकिन एक तरफ न्यायिक प्रक्रिया का स्वागत करना और दूसरी तरफ उद्घाटन-समारोह का न्योता ठुकराना अपने ही पैरों पर कुल्हाड़ी मारने वाली रणनीति है। भले ही कांग्रेस ने सारे नफा-नुकसान को देखकर अपनी धर्मनिरपेक्ष वाली वैचारिक छवि के साथ खड़ी रहने का फैसला लिया हो, लेकिन इस फैसले से सन्निकट खड़े लोकसभा चुनाव में उसे भारी नुकसान ही होगा। वैसे भी श्रीराम के बहुप्रतीक्षित धाम का निर्माण भाजपा का अपना निजी प्रोजेक्ट नहीं है, यह सुप्रीम कोर्ट के फैसले की निष्पत्ति है और इसीलिए यह एक गैर-राजनीतिक घटना है। मंदिर-निर्माण की देखरेख के लिए न्यायिक रूप से स्वीकृत ट्रस्ट का गठन किया गया था और वही उद्घाटन-कार्यक्रम की व्यवस्था कर रहा है। भाजपा को श्रीराम मन्दिर बनने का राजनीतिक फायदा मिलना स्वाभाविक भी है। मंदिर निर्माण का बीड़ा भाजपा-संघ ने दशकों से उठा रखा था। शायद जब आडवाणी ने 1990 में रथ यात्रा शुरू की, तब इसकी प्रेरणा आस्था और राजनीति दोनों रही होगी, क्योंकि पार्टी को 1984 की अपमानजनक हार से उबारने के लिए एक मजबूत भावनात्मक मुद्दे की जरूरत थी। लेकिन आज इस भव्य मंदिर की प्राण-प्रतिष्ठा तब की जा रही है, जब पार्टी बहुमत से सत्ता में है और उसका नेतृत्व नरेंद्र मोदी जैसे करिश्माई नेता कर रहे हैं। यह स्वाभाविक ही है कि इसका लाभ भाजपा को मिलेगा, खासकर तब जब उद्घाटन चुनावों की पूर्व संध्या पर किया जा रहा है। लेकिन कांग्रेस एवं इंडिया गठबंधन दलों के रुख पर ताज्जुब है। वास्तव में कांग्रेस एवं विपक्षी दलों का जोर तो श्रीराम पर भाजपा के बराबर ही दावा करने पर होना चाहिए था। उन्हें पुरजोर तरीके से कहना चाहिए था कि मंदिर-निर्माण उन सभी लोगों की जीत है, जो श्रीराम में विश्वास करते हैं, ताकि उसका श्रेय लेने के भाजपा के उद्देश्य को कमजोर किया जा सके। दार्शनिक एवं राजनीतिक दृष्टि से भी ऐसा करना उचित ही होता। निमंत्रण ठुकराने के निर्णय के बाद कांग्रेस हिन्दुओं की सहानुभूति पूरी तरह खो सकती है। देखना होगा कि 'राम के निमंत्रण' को ठुकराने के कांग्रेस के निर्णय को हिन्दू समाज किस तरह लेता है। बाकी तो 'होई वही जो राम रचि राखा'। विपक्षी गठबंधन में शामिल राजनीतिक दलों के नेता आज भी इस प्रकार के बयान इसलिए दे रहे हैं ताकि श्रीराम मन्दिर प्राण प्रतिष्ठा महाउत्सव में किसी-न-किसी प्रकार का विवाद खड़ा हो जाए। इसी संदर्भ में वे शंकराचार्यों की उपस्थिति एवं अनुपस्थिति को लेकर वितंडावाद खड़ा करने का प्रयत्न कर रहे हैं, लेकिन हिन्दू समाज इन सब बातों को कुतर्क एवं विपक्षी नेताओं की हताशा-निराशा मानकर अनदेखा कर रहा है। हिन्दू आस्था एवं उजालों पर कालिख पोतने एवं उन्हें कमजोर करने की चेष्ठाओं के दिन अब लद चुके हैं, इसलिये कांग्रेस एवं इंडिया गठबंधन के दलों को अपनी राजनीति जमीन को सुदृढ़ करने के लिये अपनी संकीण एवं पुरातन सोच को बदलना चाहिए।

ऐसा कोई सगा नहीं जिसे मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू ने ठगा नहीं!

यह भी बताया जा रहा है कि राष्ट्रपति पद संभालने वाले दिन मुइज्जू ने उन लोगों की ओर देखा तक नहीं जिन्होंने राजनीति में आगे बढ़ने में उनकी मदद की थी। बताया जा रहा है कि अब्दुल्ला यामीन शुरू से ही मुइज्जू के इस स्वार्थी रुख से वाकिफ थे। मालदीव के राष्ट्रपति डॉ. मोहम्मद मुइज्जू सिर्फ भारत विरोधी नहीं हैं बल्कि उनके इतिहास पर गौर करेंगे तो पाएंगे कि वह किसी के सगे नहीं हैं। हम आपको बता दें कि मोहम्मद मुइज्जू ने चीन समर्थक माने जाने वाले पूर्व राष्ट्रपति अब्दुल्ला यामीन की उंगली पकड़ कर राजनीति में कदम रखा, उनके नक्शेकदम पर चलते हुए भारत विरोध को हवा दी और आखिरकार राष्ट्रपति पद तक पहुँच गये। लेकिन अब माना जा रहा है कि मुइज्जू के संबंध अपने गुरु अब्दुल्ला यामीन के साथ बिगड़ गये हैं। हालात ऐसे हो गये हैं कि भ्रष्टाचार के आरोपों में सजा काट रहे अब्दुल्ला यामीन अपने ही चेले मुइज्जू और अपनी ही पार्टी का विरोध नई पार्टी बनाकर कर सकते हैं। यामीन को उम्मीद थी कि उनकी पार्टी और गठबंधन की सरकार बनने पर उन्हें रिहा करवाने का प्रयास किया जायेगा लेकिन मुइज्जू ने सत्ता पर पूरी तरह अपनी पकड़ कायम करने के लिए यामीन को दरकिनार कर दिया है।

यह भी बताया जा रहा है कि राष्ट्रपति पद संभालने वाले दिन मुइज्जू ने उन लोगों की ओर देखा तक नहीं जिन्होंने राजनीति में आगे

बढ़ने में उनकी मदद की थी। बताया जा रहा है कि अब्दुल्ला यामीन शुरू से ही मुइज्जू के इस स्वार्थी रुख से वाकिफ थे इसलिए वह उन्हें अभी राष्ट्रपति चुनाव का टिकट भी नहीं दिलवाना चाहते थे। लेकिन अपनी उम्मीदवारी के लिए पीपुल्स नेशनल कांग्रेस को मनाने में मुइज्जू कामयाब रहे थे। बताया जाता है कि जेल की सजा के कारण मोहम्मद यामीन के पास मुइज्जू की उम्मीदवारी का समर्थन करने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचा था इसलिए उन्होंने मजबूर होकर अपनी पत्नी के माध्यम से अपनी सहमति पार्टी के पास उस दिन भेजी जब मुइज्जू चुनाव आयोग के समक्ष अपनी उम्मीदवारी पेश कर रहे थे। बताया जा रहा है कि मुइज्जू की जीत के जश्न के दौरान और उसके बाद घटी घटनाओं से पूर्व राष्ट्रपति यामीन और उनके साथी डॉ. मोहम्मद जमील अहमद के मन में नाराजगी स्पष्ट हो गयी थी क्योंकि लगातार उनका अपमान किया जा रहा था। हम आपको यह भी बता दें कि मालदीव में 30 सितंबर को हुए चुनावों के बाद और मतगणना के बीच ही जमील और उनके सहयोगियों ने जनता को आगाह करना शुरू कर दिया था कि उन्हें आने वाली सरकार के बारे में सतर्क रहने की जरूरत है। इस तरह से देखा जाये तो नई सरकार के औपचारिक रूप से सत्ता संभालने से पहले ही मालदीव में असंतोष का माहौल शुरू हो गया था।

मालदीव के चैनल 13 पर एक कार्यक्रम में बोलते हुए डॉ. मोहम्मद जमील अहमद ने कहा कि यामीन चाहते थे कि वह राष्ट्रपति चुनाव जीतने वाले डॉ. मुइज्जू के जश्न में भाग लें। जमील के अनुसार, यामीन ने डॉ. मुइज्जू से यह भी अनुरोध किया था कि जब तक वह पूरी तरह से रिहा नहीं हो जाते, तब तक जश्न का कार्यक्रम स्थगित कर दिया जाए। जमील ने कहा कि अगर मुइज्जू चाहते तो तत्कालीन सरकार यामीन को उनकी आपराधिक सजा के बावजूद जश्न में भाग लेने की अनुमति देती। जमील के अनुसार मुइज्जू ने अपने विजयी संबोधन में भी यामीन के प्रति आभार व्यक्त नहीं किया था। हम आपको बता दें कि यामीन के राष्ट्रपति रहने के दौरान डॉ. जमील उपराष्ट्रपति थे। हालांकि उनको बाद में पद से हटा दिया गया था। उपराष्ट्रपति पद से बर्खास्त होने के बाद जमील ने यामीन के खिलाफ लंबे समय तक हमला बोला था और 2018 में यामीन को सत्ता से हटाने के लिए मालदीवियन डेमोक्रेटिक पार्टी (एमडीपी) की राजनीतिक गतिविधियों के पीछे उन्हीं का हाथ माना जाता है। लेकिन अपने रुख में पूर्ण बदलाव के बाद जमील अब यामीन के प्रमुख पक्षकार बन गये हैं और पीपुल्स नेशनल फ्रंट (पीएनएफ) नामक नई राजनीतिक पार्टी बनाने के प्रयासों का नेतृत्व भी कर रहे हैं।

चुनावी जीत के जश्न के कार्यक्रम में यामीन की उपस्थिति की अनुमति देने में डॉ. मुइज्जू की ओर से दिखायी गयी उपेक्षा के बारे में जमील ने कहा, ÷बेशक हमें उम्मीद थी कि वे इस दोस्ती और लंबे समय से चले आ रहे संबंधों का सम्मान करना जारी रखेंगे। यामीन भी इसके उतने ही हकदार हैं। समारोह के दौरान उन्हें उचित श्रेय और धन्यवाद मिलना चाहिए था। लेकिन हमने इस संबंध में कुछ भी नहीं सुना और इस बात ने तुरंत भावनात्मक रूप से हम पर गहरा प्रभाव डाला। यह भी बताया जाता है कि चुनाव में जीत के बाद मुइज्जू ने जब विजयी संबोधन दिया तो उसके ठीक बाद उन्हें यामीन का फोन आया। लेकिन मुइज्जू ने कॉल का जवाब देने से ही इंकार कर दिया। यही नहीं, मुइज्जू ने यामीन के %कॉल मी बैक% संदेशों को भी नजरअंदाज कर दिया।

बताया जाता है कि मुइज्जू की गुस्ताखियों को देखते हुए यामीन का गुस्सा सातवें आसमान पर पहुँच गया है। उन्होंने नयी सरकार के कामकाज संभालने के बाद अपने समर्थकों को अपने आवास पर एकत्रित कर हाल की घटनाओं पर अपनी निराशा और नाराजगी जताई। अपने समर्थकों के लिए भेजे गये संदेश में यामीन ने कहा कि गठबंधन के नेताओं और पार्टी के सदस्यों के अंदर उनके लिए सड़कों पर उतरने की दृढ़ता होनी चाहिए। यामीन ने कहा कि पार्टी नेताओं को केवल शीर्ष स्थान हासिल करने के बाद बड़े-बड़े बयान नहीं देने चाहिए, बल्कि यह दिखाना चाहिए कि वे किस चीज से बने हैं। बताया जाता है कि इसके बाद से राष्ट्रपति मुइज्जू ने यामीन से संपर्क करने से परहेज किया और पूर्व राष्ट्रपति के संदेशों का जवाब नहीं दिया। यह भी बताया जा रहा है कि यामीन के पास मंत्री पद के लिए नामों की एक सूची थी, जिस पर वह राष्ट्रपति मुइज्जू के साथ चर्चा करना चाहते थे। हालाँकि, उन्हें इसका अवसर नहीं मिला। यामीन इस बात को लेकर नाराज दिखे कि मंत्रिमंडल में अनुभवहीन लोगों को भर लिया गया है। हाल में जब तीन मंत्रियों की ओर से भारत के प्रधानमंत्री के खिलाफ सोशल मीडिया पर टिप्पणियां की गयीं तो यामीन की नाराजगी जायज भी प्रतीत हुई। बताया जा रहा है कि यामीन करना तो बहुत कुछ चाहते हैं लेकिन वह जेल और पैरोल अधिनियम से बंधे हुए हैं जोकि उन्हें किसी भी राजनीतिक गतिविधि में सक्रिय रूप से शामिल होने से रोकता है। बहरहाल, यामीन के लिए अपने राजनीतिक प्रयासों को आगे बढ़ाने की एकमात्र उम्मीद एक नई राजनीतिक पार्टी बनाना है। देखना होगा कि मालदीव की घरेलू राजनीति किस दिशा में आगे बढ़ती है। लेकिन एक बात साफ दिख रही है कि मुइज्जू के लिए राजनीतिक चुनौतियां पार्टी और गठबंधन के भीतर तो बढ़ने ही वाली हैं साथ ही विपक्ष भी उनके खिलाफ नये सिरे से लामबंद होने वाला है। मुइज्जू माले के मेयर रहे हों या अब राष्ट्रपति पद पर बैठे हों...उन्होंने हमेशा वरिष्ठों को दरकिनार करने और जिनका समर्थन लेकर आगे बढ़े उनको भुलाने की जो राजनीति की है उसको जनता अब समझ चुकी है इसीलिए कहा जा रहा है कि ऐसा कोई सगा नहीं जिसे मुइज्जू ने ठगा नहीं।

–नीरज कुमार दुबे

डिजिटल अंतर मिटाने का वक्त असमानता की खाई को पाटना बड़ी चुनौती

युवा कौशल बढ़ाने के लिए डिजिटल इंडिया के तहत कई कार्यक्रम चल रहे हैं। पर उत्तर व दक्षिण तथा पुरुषों व महिलाओं में अब भी भारी असमानता है।

नए वर्ष में जैसे-जैसे लोकसभा चुनाव करीब आते जाएंगे, सियासी गर्मी बढ़ती जाएगी। इस दौरान कई गैर-जरूरी मुद्दे बहस के केंद्र में आ सकते हैं, जिससे बाकी मुद्दों को विमर्श से बाहर कर दिया जाएगा। लेकिन एक ऐसा मुद्दा है, जो देश के भविष्य के साथ जुड़ा है। यह है- मानव पूंजी। भारत एक युवा राष्ट्र है, जहां औसत उम्र मात्र 28 वर्ष है। देश के जनसांख्यिकीय लाभ के बारे में बातें होती हैं, पर यह लाभ मिलेगा ही, इसकी गारंटी नहीं है, क्योंकि युवाओं का एक विशाल बहुमत अब भी अपनी पूरी क्षमता का एहसास नहीं कर पा रहा है।

मानव पूंजी की कमी इसका एक प्रमुख कारण है। शिक्षा और विपणन कौशल मानव पूंजी के प्रमुख तत्व हैं। इसके बिना बदलती विश्व व्यवस्था में उभरते हुए नए अवसरों का लाभ नहीं उठाया जा सकता। थोड़े लोग हैं, जो इन नए अवसरों के लिए जरूरी कौशल से लैस हैं और उनका लाभ उठा रहे हैं। उम्मीद करनी चाहिए कि इस वर्ष हम बाकी लोगों के बारे में विचार करेंगे, जो देश में और देश के बाहर उभरते अवसरों का लाभ उठाने के योग्य नहीं हैं। ब्रिटिश कोलंबिया विश्वविद्यालय में रॉयल बैंक रिसर्च प्रोफेसर ऑफ इकनॉमिक्स अमर्त्य लाहिड़ी ने हाल ही में कहा है, हर साल भारत की श्रम शक्ति में 80 लाख से एक करोड़ तक नए श्रमिक जुड़ते हैं। एक दशक तक यह गति जारी रहेगी। इन नए श्रमिकों में से अधिकांश हाई स्कूल या बेहतर शैक्षणिक योग्यताओं से लैस होकर आ रहे हैं। इसलिए उनकी अपेक्षाएं आनुपातिक रूप से ज्यादा हैं और भारत की उपलब्धि के अंततः अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहुंचने के सामान्य राष्ट्रीय आख्यान से और ज्यादा उत्साहित हैं।पर आकांक्षाएं हमेशा जमीनी वास्तविकता से मेल नहीं खातीं। लाहिड़ी के मुताबिक, असली समस्या कौशल की कमी की है। इस समय भारत करीब 22 लाख ग्रेजुएट, पोस्ट ग्रेजुएट और पीएच.डी. धारक पैदा करता है। दुर्भाग्य से उनमें से अधिकांश प्रशिक्षण पाने के बावजूद रोजगार के लिए अयोग्य हैं। कुशल श्रमिकों का एक समूह तैयार करने के लिए उच्च शिक्षा की गुणवत्ता के लिए निरंतर निवेश की आवश्यकता होगी, ताकि उन्हें इन उच्च मानव पूंजी के क्षेत्रों में अच्छे वेतन की नौकरी मिल सके।हाल के वर्षों में युवाओं को हुनरमंद बनाने और उनका कौशल बढ़ाने के लिए कई कार्यक्रम शुरू किए गए हैं। डिजिटल इंडिया पहल के तहत भी कई कार्यक्रम चल रहे हैं। लाखों युवा अब डिजिटल रूप से अधिक समझदार व शिक्षित हैं, पर देश के विभिन्न हिस्सों में अंतर बना हुआ है। जैसे, उत्तरी और दक्षिणी राज्यों और पुरुषों एवं महिलाओं के बीच भारी असमानता है। लाखों भारतीय अब भी स्कूल की पढ़ाई पूरी नहीं कर पाते।

मई, 2023 तक देश में साइबर सुरक्षा पेशेवरों के लिए 40,000 रिक्तियां थीं, पर भारतीय भर्ती और मानव संसाधन सेवा कंपनी टीमलीज सर्विसेज की सहायक कंपनी टीमलीज डिजिटल के अनुसार, कौशल की भारी कमी के कारण इनमें से 30 फीसदी रिक्तियां भरी नहीं जा सकीं। पिछले वर्ष मार्च में सांख्यिकी व कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय द्वारा जारी मल्टीपल इंडिकेटर सर्वे के अनुसार, भारत को सूचना एवं संचार तकनीक (आईसीटी) से संबंधित कुशल पेशवरों की भारी कमी का सामना करना पड़ रहा है। 11,63,416 लोगों के सैंपल पर आधारित इस डाटा से पता चला कि सभी आयु समूहों में महिलाओं की तुलना में पुरुषों के पास आईसीटी कौशल अधिक है।

सर्वे में शामिल 15 से 29 वर्ष के आयु के और केवल 27 फीसदी लोगों ने कहा कि वे दस्तावेज, तस्वीर और वीडियो के साथ ईमेल भेजना जानते हैं। यदि आप इसे राज्यवार देखें, तो तमिलनाडु में 47.1 फीसदी ग्रामीण युवा यह कर सकते हैं, जबकि बिहार में मात्र 17.8 फीसदी। विशेष प्रोग्रामिंग भाषा का उपयोग कर कंप्यूटर प्रोग्राम तैयार करने वालों का प्रतिशत कर्नाटक, केरल, तमिलनाडु, तेलंगाना और आंध्र प्रदेश में ज्यादा है। देश की एक चौथाई से ज्यादा आबादी 15 से 29 वर्ष के युवाओं की है। इस आबादी में आईसीटी कौशल की कमी तेजी से बढ़ती डिजिटल दुनिया में बड़ी चुनौती है। इस वर्ष इस पर ध्यान केंद्रित करना होगा कि हर युवा को उसकी क्षमता और आकांक्षाओं पर खरा उतरने में कैसे मदद की जा सकती है।

लोकतंत्र का सवाल

पड़ोसी बांग्लादेश में 12वां आम चुनाव हिंसा की घटनाओं और बहिष्कार की अपीलों के साये में संपन्न हुए। ये चुनाव इस बात का भी संकेत हैं कि किसी देश में लोकतंत्र के ढांचे के बने रहते हुए भी अगर लोकतांत्रिक चेतना कमजोर पड़ने लगे तो वहां चुनाव लोगों की नजर में सार्थकता खोने लगते हैं। इसका सबूत यह है कि इन चुनावों में मतदान प्रतिशत काफी कम रहा। पहले चार घंटों में मात्र 18.5 फीसदी वोट दर्ज किए गए थे। अंतरराष्ट्रीय प्रेक्षकों की मौजूदगी – हालांकि जहां तक इन चुनावों की स्वतंत्रता और निष्पक्षता का सवाल है तो उस पर नजर रखने के लिए 100 से ज्यादा विदेशी प्रेक्षक बांग्लादेश में मौजूद हैं, जिनमें 3 भारतीय भी हैं। इन प्रेक्षकों की रिपोर्ट का अंतरराष्ट्रीय बिरादरी इंतजार करेगी, लेकिन देश के अंदर के माहौल की बात करें तो चुनावों के विरोध का भाव भले हो, इसके नतीजों को लेकर किसी तरह का सस्पेंस नहीं है। **विपक्ष नदारद** - मतों की गिनती का काम सोमवार सुबह से शुरू होगा, लेकिन यह बात तय मानी जा रही है कि मौजूदा प्रधानमंत्री शेख हसीना फिर से सत्तारूढ़ होंगी। यह उनका कुल मिलाकर पांचवां और लगातार चौथा कार्यकाल होगा। परिणामों को लेकर इस तरह की निश्चितता की वजह यह है कि मुख्य विपक्षी पार्टी BNP इन चुनावों में हिस्सा ही नहीं ले रही। पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया भ्रष्टाचार के आरोपों में घर में नजरबंद हैं और उनकी पार्टी BNP ने इन चुनावों के बहिष्कार की अपील कर रखी है। चुनावों से पहले ही हजारों की संख्या में विपक्ष के नेता, कार्यकर्ता और समर्थक गिरफ्तार किए जा चुके हैं।

कठिन चुनौतियां– वैसे, बांग्लादेश में लंबे समय से राजनीतिक स्थिरता रही है। शेख हसीना 2008 से लगातार सत्ता में हैं। उन्हें बांग्लादेश को आर्थिक विकास की राह पर तेजी से आगे बढ़ाने का श्रेय भी दिया जाता है। कुछ साल पहले तक बांग्लादेश की गारमेंट इंडस्ट्री की बढ़त को एक मिसाल के तौर पर पेश किया जाता था। हालांकि 2022 के बाद से इसकी ग्रोथ पहले जैसी नहीं रही। अब चुनावों के बाद विपक्ष के असहयोग की संभावना को देखते हुए माना जा रहा है कि नई सरकार के लिए आर्थिक सुधारों की प्रक्रिया आगे बढ़ाकर इकॉनमी को फिर से पटरी पर लाना शायद आसान न हो। **आंतरिक मामला**– भारत सरकार ने ठीक ही यह एकदम स्पष्ट कर रखा है कि चुनाव पूरी तरह से बांग्लादेश का आंतरिक मामला है। बांग्लादेश के साथ भारत के अच्छे संबंध रहे हैं और हाल के वर्षों में उनमें और सुधार देखने में आया है। बांग्लादेश की जमीन से भारत में आतंकवादी हरकतों को अंजाम देने वाले तत्वों पर भी काफी हद तक लगाम लगाई गई है। चुनावों के बाद जो भी सरकार आएगी उसके साथ भारत अपने संबंधों को नई ऊंचाई देने का काम जारी रखेगा।

नदियों में बढ़ती गाद से गहराता संकट

नदियों में बढ़ती गाद से सतलुज, गंगा और हिंडन जैसी नदियां सूख रही हैं। गाद का भली-भांति प्रबंधन न होने से ही मुश्किलें बढ़ रही हैं।

पिछले महीने संपन्न सतलुज-यमुना जोड़ की बैठक में पंजाब सरकार ने स्पष्ट किया कि उनके राज्य में सतलुज नदी अभी से सूख रही है। दिल्ली में यमुना हो या फिर गाजियाबाद-शामली में हिंडन, ये भी सिकुड़ रही हैं। दो महीने पहले बरसात में तबाही मचाने वाली बिहार के गोपालगंज जिले से गुजरने वाली घोघारी, धमई व स्याही नदियों ने भी सूखने के लिए गर्मी का इंतजार नहीं किया। विगत जुलाई में सी-गंगा यानी सेंटर फॉर गंगा रिवर बेसिन मैनेजमेंट ऐंड स्टडीज द्वारा जल शक्ति मंत्रालय को सौंपी गई रिपोर्ट बताती है कि उत्तर प्रदेश, बिहार, उत्तराखंड और झारखंड की 65 नदियां बढ़ती गाद से हांफ रही हैं। हालांकि गाद नदियों के प्रवाह का नैसर्गिक उत्पाद है और देश के कई बड़े तीर्थ व प्राचीन शहर इसी गाद पर विकसित हुए हैं। पर नदी के साथ बहकर आई गाद को जब किनारों पर माकूल जगह नहीं मिलती, तो वह जलधारा के मार्ग में व्यवधान बन जाती है। गाद नदी के प्रवाह मार्ग में जमती रहती है और इससे नदियां उथली होती हैं। अकेले

उत्तर प्रदेश में ऐसी 36 नदियां हैं, जिनकी कोख में इतनी गाद है कि न केवल उनकी गति मंथर हुई है, बल्कि कुछ ने अपना मार्ग बदला और उनका पाट संकरा हो गया। रही-सही कसर अंधाधुंध बालू उत्खनन ने पूरी कर दी। नतीजतन इनमें से कई नदियों का अस्तित्व खतरे में है। प्रयागराज के फाफामऊ, दारागंज, संगम, छतनाग और लीलापुर के पास टापू बनते हैं। संगम के आसपास गंगा नदी में चार मिलीमीटर की दर से हर साल गाद जमा हो रही है। गंगा की गहराई कम होने से उसकी धारा में भी परिवर्तन हो रहा है। आने वाले दिनों में गंगा की धारा और तेजी से परिवर्तित होगी, क्योंकि जब नदी की गहराई कम हो जाएगी, तो नदी का स्वाभाविक बहाव रुक जाएगा। ऐसे में बाढ़ का खतरा स्वाभाविक है। यह बात सरकारी रिकॉर्ड में है कि आज जहां पर संगम है, वहां यमुना की गहराई करीब 80 फीट है, लेकिन गंगा की गहराई इतनी कम है कि संगम के किनारे नदी में खड़े होकर कोई भी स्नान कर सकता है। पर यमुना की अधिक गहराई के चलते असंतुलन उत्पन्न हो रहा है। तभी संगम पूरब की तरफ बढ़ रहा है और उसका झुकाव अकबर के किले तक खिसक चुका है, जबकि संगम कभी सरस्वती घाट के पास हुआ करता था। आजादी के बाद भी गढ़मुक्तेश्वर से कोलकाता तक जहाज चला करते थे। गाद के चलते बीते पांच दशक में वहां गंगा की धारा आठ किलोमीटर दूर खिसक गई है। बिजनौर के गंगा बैराज पर गाद की आठ मीटर मोटी परत है। आगरा व मथुरा में यमुना गाद से भर गई है। आजमगढ़ में घाघरा और तमसा के बीच गाद के कारण कई मीटर ऊंचे टापू बन गए हैं। घाघरा, कर्मनाशा, बेसो, मंगई, चंद्रप्रभा, गरई, तमसा, वरुणा और असि नदियां गाद से बेहाल हैं। बिहार में तो उथली हो रही नदियों में गंगा सहित 29 नदियों का दर्द है। जो नदियां तेज बहाव से आ रही हैं, उनके साथ आए मलबे से भूमि कटाव भी हो रहा है और कई जगह नदी के बीच टापू बन गए हैं। अकेले फरक्का से होकर गंगा नदी पर हर साल 73.6 करोड़ टन गाद आती है, जिसमें से 32.8 करोड़ टन गाद इस बैराज के प्रति प्रवाह में ठहर जाती है। झारखंड के साहिबगंज में गंगा अपने पारंपरिक घाट से पांच किलोमीटर दूर चली गई है। वर्ष 2016 में केंद्र सरकार द्वारा गठित चितले कमेटी ने साफ कहा था कि नदी में बढ़ती गाद का एकमात्र निराकरण यही है कि नदी के पानी को फैलने का पर्याप्त स्थान मिले, तटबंध और नदी के बहाव क्षेत्र में अतिक्रमण न हो और अत्यधिक गाद वाली नदियों के संगम क्षेत्र से नियमित गाद निकालने का काम हो। पर ये सिफारिशें ठंडे बस्ते में बंद हो गईं। यह दुर्भाग्य है कि विकास के नाम पर नदियों के कछार को सर्वाधिक हड़पा गया। भूमि के लालच में कछार और उसकी गाद लुप्त हो गई। गाद हर नदी का स्वाभाविक उत्पाद है, पर उसका भली-भांति प्रबंधन अनिवार्य है। गाद जैसे ही नदी के बीच जमती है, तो नदी का प्रवाह बदल जाता है। यदि गाद किनारे से बाहर नहीं फैली, तो नदी के मैदान का उपजाऊपन और ऊंचाई, दोनों घटने लग जाते हैं, जिससे बाढ़ का दुष्प्रभाव अधिक होता है।

रिश्तों पर आंच

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की लक्षद्वीप यात्रा की तस्वीरों और विडियो को लेकर मालदीव में जिस तरह का अप्रिय विवाद खड़ा हुआ, वह दो देशों के राजनयिक संबंधों में कम ही देखने को मिलता है। यह प्रकरण इस लिहाज से भी महत्वपूर्ण माना जाएगा कि इसने कूटनीति के फैलते आयाम के साथ ही इसमें सोशल मीडिया की भूमिका को भी रेखांकित किया है। मुइज्जू का चीन प्रेम– यह विवाद ऐसे समय उभरा, जब भारत और मालदीव के रिश्ते कुछ महीनों से तल्ख हुए हैं। नवंबर में सत्ता में आए राष्ट्रपति मुइज्जू चीन के करीबी माने जाते हैं। उन्होंने आते ही कहा कि भारतीय सेना को मालदीव से जाना होगा। साथ ही, यह भी ऐलान कर दिया कि पिछली सरकार के दौरान भारत से हुए सभी समझौतों पर उनकी सरकार पुनर्विचार करेगी। रिश्तों पर आंच – मालदीव और भारत के ऐतिहासिक तौर पर करीबी रिश्तों के मद्देनजर अब तक वहां के तमाम राष्ट्रपति अपनी पहली विदेश यात्रा पर भारत ही आते थे। मगर राष्ट्रपति मुइज्जू ने तुर्किये को अपना पहला अंतरराष्ट्रीय पड़ाव बनाया। अब एक सप्ताह की यात्रा पर चीन गए हैं। हालांकि भारत ने इसे तूल न देते हुए कहा है कि यह उन पर निर्भर करता है कि वे कहां जाते हैं और अपने अंतरराष्ट्रीय संबंधों का निर्धारण किस तरह करते हैं। **सोशल मीडिया जरिया** – संभवत– नए राष्ट्रपति की इन बदली प्राथमिकताओं के कारण मालदीव के बदले राजनीतिक माहौल का ही नतीजा था कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के देश के एक हिस्से की यात्रा के दौरान ली गई ली गई तस्वीरें और विडियो मालदीव के मंत्रियों के निशाने पर आ गईं। तीन मंत्रियों ने सोशल मीडिया साइट एक्स पर उन तस्वीरों के बहाने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर ओछी टिप्पणियां कीं।

नए साल की पहली क्राइम मीटिंग में एसपी ने दिए वांछित अपराधियों की धरपकड़ के निर्देश

द, अचीवर टाइम्स पप्पू उपाध्याय

मध्य प्रदेश,कटनी। कटनी पुलिस अधीक्षक अभिजीत कुमार रंजन ने गुरूवार को शहरी थाना क्षेत्र एवं शुक्रवार को ग्रामीण थानो की नये वर्ष के प्रथम अपराध समीक्षा बैठक ली । जिसमें मुख्यमंत्री मध्यप्रदेश शासन मोहन यादव व पुलिस महानिदेशक, मध्यप्रदेश सुधीर सक्सेना के निर्देशानुसार पुलिस की जो प्राथमिकताएं तय हुई है, उस पर चर्चा की गई। । साथ ही साथ जनवरी माह में पुलिस मुख्यालय द्वारा वांछित अपराधियों की धर पकड़ हेतु चलाये गए अभियान की जानकारी दी। पुलिस अधीक्षक द्वारा जिले में चोरी,नकबजनी की वारदातों में कमी लाने हेतु सघन गस्त करने के दिशा-निर्देश दिए गए है। एसपी ने कहा कि जिले में चोरी की वारदातों को रोकने तथा उनका पर्दाफाश करने के लिए पुलिस अधिकारियों को टीम भावना के तहत तालमेल बनाकर काम करना है, ऐसे चोरी के अपराधी जो वर्तमान में जमानत पर है उन पर सतत निगाह रखते हुए उनकी आजीविका के स्त्रोत पर निगरानी रखी जाये । इस दौरान पुलिस अधीक्षक श्री रंजन द्वारा पिछले साल उत्कृष्ट काम करने वाले पुलिस अधिकारियों व जवानों को पुरस्कृत किया गया। पुलिस अधीक्षक द्वारा थाना प्रभारियों को थाना क्षेत्र में भ्रमण करने व संभ्रात लोगों से बैठक कर पुलिस की कार्यप्रणाली के बारे में चर्चा करने हेतु निर्देशित किया जिससे आमजन के मन में पुलिस के कार्य व उनकी प्रकृति के प्रति विश्वास रहे तथा ÷न्याय अंतिम लक्ष्य है÷ कि भावना से अवगत कराया जा सके। एसपी श्री रंजन ने कहा कि वर्ष 2023 में जिस तरह अपराधियों के विरूद्ध लगातार कार्रवाई करने से अपराध में गिरावट आई ठीक उसी प्रकार वर्ष 2024 में भी अपराध में कमी लाने के प्रयास किए जाए। बेहतर पुलिसिंग की जाए। पुलिस अधीक्षक ने सभी प्रभारियों को अपने-अपने थाना क्षेत्र में शांति एवं सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने हेतु सूचना तंत्र मजबूत कर संपत्ति संबंधी अपराध जैसे लूट, चोरी, धोखाधड़ी आदि को रोकने के लिए अधिक से अधिक लघु व प्रतिबंधात्मक अधिनियम के तहत कार्यवाही करने तथा रात्रि गस्त एवं पेट्रोलिंग को सुदृढ़ करने एवं थाना आने वाले फरियादियों की शिकायत को गंभीरता से सुनते हुए त्वरित कार्यवाही करने एवं सामुदायिक पुलिस के तहत वृहद स्तर पर स्कूल-कालेजों में जन जागरूकता के अभियान चलाने के निर्देश दिए। इस दौरान सभी अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस) , समस्त थाना / चौकी प्रभारीगण मौजूद रहे । अपराधों के अनुसंधान में आधुनिक तकनीक का उपयोग एवं सीसीटीएनएस के संबंध में दिये निर्देश पुलिस अधीक्षक द्वारा समस्त थानाधिकारियों को अपराधों के अनुसंधान में अधिकाधिक आधुनिक तकनिक प्रयोग करने एवं म.प्र. पुलिस के नये एप ई-रक्षक का उपयोग करने के निर्देश दिये । थानाधिकारियों को सीसीटीएनएस प्रोजेक्ट में ज्यादा से ज्यादा डाटा इन्द्राज करने के निर्देश दिये। समस्त विवेचना कार्य सीसीटीएनएस केस में ही सम्पादित करने के निर्देश दिये गये। थानों के रिकार्ड संधारण व कार्यवाहियों के संबंध में रिकार्ड मिलान, रजिस्टरों का भौतिक सत्यापन दिनांक 20.01.24 तक पूर्ण करने के निर्देश दिये गये। अपराध समीक्षा बैठक के दौरान पुलिस अधीक्षक महोदय द्वारा जिले में घटित अपराध के दो वर्षो के तुलनात्मक आंकणों का विश्लेषण किया गया । अवलोकन स्वरूप इस वर्ष नाबालिको के अपहरण में 12 प्रतिशत की कमी आई है । अन्य भादवि के अपराधो में कमी लाने हेतु लघु अधिनियम की धाराओं के तहत आर्म्स एक्ट में 40 प्रतिशत वृध्दि, जुआ एक्ट में 5 प्रतिशत वृध्दि, सट्टा एक्ट में 6 प्रतिशत वृध्दि, आबकारी एक्ट मंत 12 प्रतिशत वृध्दि, म.प्र. विस्फोटक पदार्थ अधि. में 27 प्रतिशत वृध्दि, एनडीपीएस एक्ट में 43 प्रतिशत वृध्दि हुई है । विगत वर्ष की तुलना में इस वर्ष महिलाओं पर घटित अपराधों में 10 प्रतिशत की कमी आई है । अनुसूचित जाति / जनजाति पर घटित अपराधो में 42 प्रतिशत की कमी आई हैं । जिले में असामाजित तत्वों एवं अपराधिक प्रावृत्ति के लोगों पर नियत्रंण करने हेतु 110 जा.फौ. 14 प्रतिशत अधिक, 107-116 जा.फौ. में 8 प्रतिशत वृध्दि, 151 जा.फौ. के प्रकरणों में 30 प्रतिशत की वृध्दि, 145 जा.फौ. के तहत 128 प्रतिशत वृध्दि, 122 जा.फौ. में 100 प्रतिशत वृध्दि, आदतन आपराधियों के विरूध्द जिला बदर के प्रकरणों पूर्व वर्ष की तुलना में 121 प्रकरण कायम किये गये जो कि पूर्व वर्ष से 59 प्रतिशत अधिक हैं । इसी प्रकार रासुका के प्रकरणों में पूर्व वर्ष की तुलना में 33 प्रतिशत की बढोत्तरी हुई हैं । संपत्ति संबंधी अपराधो के विश्लेषण पर पाया गया कि डकैती, लूट, साधारण चोरी, गृह भेदन, वाहन चोरी, रेत चोरी के प्रकरणों में कुल 222 प्रकरणों में अपराध खुलासा हुआ एवं 71 प्रतिशत संपत्ति बरामद की गई ।

बेहतरीन काम करने वाले पुलिस अधिकारियों व जवानों को किया पुरस्कृत, कटनी पुलिस का उद्देश्य पुलिस पर लोगों का भरोसा हो मजबूत और

अपराधों में कमी के मुख्य कारण...

कॉम्बिंग गश्त की गई, जिसमें अधिक से अधिक वारंट तामील कर आरोपियों को जेल भेजा।
अपराधियों के खिलाफ प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की गई।
अभियान चलाकर फरार आरोपियों की धरपकड़ की गई।
महिला संबंधी गंभीर अपराधों में तुरंत कार्रवाई।
जिले में महिला सुरक्षा, बाल सुरक्षा पर लोगों को जागरूक किया।
वर्ष 2023 में माननीय न्यायालय में निर्णित दोषसिध्द चिन्हित प्रकरणों मे सजा-
कटनी पुलिस द्वारा गंभीर, सनसनीखेज एवं चिन्हित 14 प्रकरणों में उच्च गुणवत्तापुर्ण अनुसंधान एवं वैज्ञानिक साक्ष्यों से सहमत होकर फलस्वरूप माननीय न्यायालय द्वारा 25 आरोपियों को आजीवन कारावास एवं अर्थदण्ड से दण्डित किया गया । एवं 07 आरोपियों को 20 वर्ष के कठोर कारावास एवं अर्थदण्ड से दण्डित किया गया हैं।

एक नज़र

कटनी यातायात प्रभारी छात्र-छात्राओं को किया सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक

द, अचीवर टाइम्स पप्पू उपाध्याय

मध्य प्रदेश। सड़क सुरक्षा पखवाड़ा वर्ष 2024 के अंतर्गत कटनी पुलिस अधीक्षक के निर्देशन पर मोनिका खडसे, प्रभारी यातायत हाईवे सुरक्षा चौकी जुहला बाईपास एवं स्टाफ द्वारा शासकीय हाई स्कूल मझगवा के छात्र-छात्राओं एवं शिक्षकों को सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक किया गया एवं यातायात नियमों का पालन करने हेतु शपथ दिलाई गई ।

प्रेरणा कैंटीन खुलने से महिलाओं को रोजगार देकर उनमें सशक्तिकरण की भावना को जगाना- डीएम, हापुड़

कलेक्ट्रेट परिसर में नई प्रेरणा कैंटीन का जिलाधिकारी ने फीता काट कर किया उद्घाटन

द अचीवर टाइम्स चेतन कुमार

हापुड़। उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत महिलाओं को स्वावलंबन बनाने के उद्देश्य से कलेक्ट्रेट परिसर में नई प्रेरणा कैंटीन का उद्घाटन जिला अधिकारी प्रेरणा शर्मा ने फीता काटकर तथा नारियल फोड़ कर किया। जिला अधिकारी ने कहा कि कलेक्ट्रेट परिसर में प्रेरणा कैंटीन के खुलने से दोहरा लाभ होगा एक और कलेक्ट्रेट परिसर आगंतुक एवं कार्मिकों तथा दूसरा कैंटीन संचालक आशा सहायता समूह को रोजगार प्राप्त होगा। क्योंकि यह कैंटीन समूह की महिलाओं को रोजगार देकर उनमें सशक्तिकरण की भावना लेगा साथ ही महिलाओं के रोजगार से उनमें वित्तीय समावेशन की भावना आयेगी। जिससे उनका परिवार आर्थिक रूप से सशक्त होगा। जिलाधिकारी ने समूह की मुखिया रिंकी से कैंटीन के भोज्य पदार्थ की गुणवत्ता बनाए रखने को कहा इसके अलावा कलेक्ट्रेट मे किसी भी कार्यक्रम के दौरान इसी प्रेरणा कैंटीन सेवा सामान मंगवाने के निर्देश दिए। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी वित्त व राजस्व संदीप कुमार, अपर जिलाधिकारी न्यायिक ज्योत्सना बंधु, जिला विकास अधिकारी, स्वयं सहायता समूह की महिलाएं तथा अन्य संबंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

जनविकास महासभा एवं सृजन फाउंडेशन द्वारा उत्तर प्रदेश महोत्सव में मनाई गई स्वामी विवेकानंद जयंती

स्वामी विवेकानंद जी के आदर्श पर चलकर युवा मजबूत राष्ट्र बनाने में दें योगदान-पंकज तिवारी

द अचीवर टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। स्वामी विवेकानंद जी की जयंती के अवसर पर जानकीपुरम में चल रहे उत्तर प्रदेश महोत्सव में जनविकास महासभा एवं सृजन फाउंडेशन द्वारा स्वामी विवेकानंद जयंती मनाई गई। इस अवसर पर स्वामी विवेकानंद जी के चित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्प अर्पित कर उपस्थित समस्त व्यक्तियों द्वारा उनके आदर्श पर चलने का संकल्प लिया गया इस अवसर पर जनविकास महासभा के प्रदेश अध्यक्ष पंकज कुमार तिवारी ने कहा की विवेकानंद जी का एक वाक्य अवश्य ही देश के सभी युवाओं को अपने जीवन में धारण करना चाहिए और वह वाक्य है उठो जागो आगे बढ़ो और तब तक ना रुको जब तक मंजिल प्राप्त न हो जाए और इसी को अपना आदर्श वाक्य बना कर देश के युवाओं को अपने देश को मजबूत राष्ट्र बनाने में योगदान देना चाहिये। कार्यक्रम में उपस्थित सृजन फाउंडेशन के अध्यक्ष डॉ अमित सक्सेना, सामाजिक संस्था सोसायटी ऑफ कैरियर टेक्नोलॉजी (सोक्ट) के अध्यक्ष डॉ अगम दयाल जनविकास महासभा के मंत्री अजय यादव सेक्टर-5 जानकीपुरम विस्तार के अध्यक्ष एस पी मिश्रा एवं महासचिव सुशील कुमार श्रीवास्तव ने अपने विचार व्यक्त किये कार्यक्रम में देशराज यादव, शशि मोहन, शैलेंद्र मोहन, दिव्या शुक्ला, उदयराज सिंह समेत कई गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

विद्यार्थियों के साथ शामिल हुए कटनी कलेक्टर अवि प्रसाद किया सूर्य नमस्कार

❖ युवा दिवस पर उत्कृष्ट विद्यालय माधवनगर में हुआ सामूहिक सूर्य-नमस्कार का जिलास्तरीय कार्यक्रम

द, अचीवर टाइम्स पप्पू उपाध्याय

मध्य प्रदेश,कटनी। माधवनगर स्थित शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय प्रांगण में 12 जनवरी को स्वामी विवेकानन्द के जन्म दिवस को युवा दिवस के रुप में मनाया गया। इस अवसर पर सामूहिक सूर्य नमस्कार का आयोजन किया गया, ।जिसमें कटनी कलेक्टर अवि प्रसाद, जिला भाजपा अध्यक्ष दीपक सोनी टंडन,अपर कलेक्टर साधनाह्व परस्ते, जिला शिक्षा अधिकारी पी पी सिंह, डी पी सी? के के डेहेरिया सहित गणमान्य नागरिको, विभिन्न विभाग के अधिकारियों एवं विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। शासकीय उच्चतर उत्कृष्ट विद्यालय माधवनगर में आयोजित युवा दिवस के जिलास्तरीय कार्यक्रम में विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने सामूहिक रुप से सूर्य नमस्कार व योग की क्रियायें एक समय और एक संकेत के अनुसार की। विद्यार्थियों के साथ ही उपस्थित अधिकारियों ने आकाशवाणी से प्रसारित कार्यक्रम अनुसार एक साथ चरणबद्ध सामूहिक सूर्य नमस्कार किया। रेडियों प्रसारण के साथ-साथ कलेक्टर एवं अधिकारियों और बडी संख्या में विद्यार्थियों ने कतारबद्ध होकर प्रार्थनामुद्रा, हस्तउत्सासन, पादहासन, अश्वसंत्वासन, पर्वतासन, अष्टांग, नमस्कार भुजगांसन कर सूर्य नमस्कार के सात आसानों की 12 स्थितियों के क्रम को दोहराया। साथ ही अनुलोम, विलोम, प्राणायाम, भस्त्रिका प्राणायाम एवं भ्रामरी प्राणायाम भी किया। इसी तरह जिले की सभी हाईस्कूल एवं हायर सेकेण्ड्री स्कूलों में भी सामूहिक सूर्य नमस्कार एवं प्राणायाम के कार्यक्रम आयोजित किये गये। आकाशवाणी से प्रसारण अनुसार सर्व प्रथम राष्ट्रगीत, वंदेमातरम् एवं स्वामी विवेकानन्द के संदेश तथा प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के संदेश का प्रसारण हुआ। इसके बाद उपस्थित समस्तजनों ने लयबद्ध सामूहिक सूर्य नमस्कार एवं प्राणायाम किया। सूर्य नमस्कार के समापन पर राष्ट्रगान भी गाया गया।

एनसीसी केडेट्स द्वारा चौ0महेंद्र डिग्री कॉलेज में किया वृक्षारोपण

द अचीवर टाइम्स चेतन कुमार

गढ़मुक्तेश्वर। चौधरी महेंद्र सिंह डिग्री कॉलेज में एनसीसी 38 बटालियन हापुड़ द्वारा राष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर कॉलेज प्रांगण में स्वच्छ भारत अभियान के अंतर्गत एनसीसी केडेट्स द्वारा स्वच्छता अभियान चलाया गया। जिसका शुभारंभ कालेज के ट्रस्टी चौधरी रेणुका सिंह व प्राचार्य डॉक्टर हरीश कुमार शर्मा तथा कॉलेज सीटू अमित कुमार जयंत की देखरेख में संपन्न हुआ। स्वामी विवेकानंद के आदर्श को जीवन में उतरकर व संकल्प लेकर इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सभी एनसीसी केडेट्स ने कॉलेज कैंपस में वृक्षारोपण किया। जिसमें तुलसी, आमला, अशोक, गुलाबी इत्यादि का पौधारोपण किया गया। इस अवसर पर कॉलेज ट्रस्टी चौधरी रेणुका सिंह, प्राचार्य डॉक्टर हरीश कुमार शर्मा, निदेशक डॉ विजयवीर सिंह, उप प्राचार्य डॉक्टर विजय वीर सिंह व समस्त प्रवक्तागण उपस्थित रहे।

डीजल टैंकर ने मोटरसाइकिल सवार को रौंदा मौके पर ही हुई मोत

द, अचीवर टाइम्स पप्पू उपाध्याय

मध्य प्रदेश,कटनी। कटनी जिले के बड़वारा थाना इलाके अंतर्गत देवरी ग्राम के समीप रेत की कंपनी धनलक्ष्मी के डीजल टैंकर वाहन ने बाइक सवार महेंद्र केवट को कुचल दिया घटना में युवक की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई वही बाइक में सवार अन्य युवक सोनू दहिया को गंभीर चोटे आ गई जिसे नजदीकी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में दाखिल कराया गया है वहीं घटना के बाद नाराज ग्रामीण और परिजनों ने युवा कांग्रेस प्रदेश सचिव मोहम्मद इसराइल के साथ मौके पर ही धरने पर बैठ गए, प्रशासन के आश्वासन के बाद चक्का जाम एवं धरना प्रदर्शन को समाप्त कराया गया वही मोहम्मद इसराइल ने बताया कि मृतक के परिजनों को शासन की तरफ से सहायता राशि 8 लाख रुपए और कंपनी की तरफ से सहायता राशि मृतक के परिजनों को दिलाई जाए इसके अलावा दुर्घटना को अंजाम देने वाले चालक को तत्काल गिरफ्तार किया जाए एवं इलाके में संचालित अवैध रेत खदानों में त्वरित कार्यवाही कर उपकरण जप्त किए जाएं, इसके अलावा खनिज इंस्पेक्टर अशोक मिश्रा को निलंबित किया जाए क्योंकि उन्हीं की संलिप्तता के कारण इलाके में अवैध रेत का उत्खनन हो रहा है एवं ऐसी घटनाएं घटित हो रही है इससे पूर्व में भी खनिज विभाग की लापरवाही के कारण दो आदिवासी मासूम बच्चों की मौत हुई थी इस पर पर्दा डाल दिया गया इन तमाम मांगो को प्रशासन के सामने रखा गया है जिस पर जल्द से जल्द कार्यवाही का आश्वासन प्रशासन की तरफ से मिलने के बाद धरना प्रदर्शन एवं चक्का जाम समाप्त किया गया है

पुलिस ने अबैध तमंचे सहित युवक को पकड़ा

द अचीवर टाइम्स दीपक सिंह खुटार शाहजहांपुर। पुलिस अधीक्षक द्वारा अबैध शस्त्रों की बिक्री निर्माण रोक थाम के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत गुरुवार को थाना खुटार पुलिस की टीम ने खुटार बंण्डा रोड़ स्थित चड्ढा फार्म से अभियुक्त रवि कुमार निवासी गांव ज्ञानपुर महोलिया थाना घुंघचिंहाई जिला पीलीभीत को गिरफ्तार किया गया है। जिसके पास से 315 बोर अबैध तमंचा बरामद हुआ है। पुलिस द्वारा सख्ती से पूछताछ करने पर युवक ने बताया कि बेचने वाले युवक का नाम पता नहीं मालूम है। उसने शोक में रखने के लिए लिया था। पुलिस पकड़े गए अभियुक्त के विरुद्ध विविध कार्रवाई कर बरामद तमंचा के स्त्रोतों की जानकारी कर रही है।

फर्जी खबर चलवाकर पत्रकार को मांसिक रूप से प्रताड़ित किया जा रहा है....

❖ पत्रकार मानसिक तनाव में चल रहा है और जान माल का भी भय सता रहा है पत्रकार ने बताया कि इस दोनों में अगर मेरे साथ कोई भी दुर्घटना होती है तो इसके जिम्मेदार वही लोग होंगे पत्रकार बहुत ही मानसिक तनाव में चल रहा है।

द अचीवर टाइम्स संवाददाता

जनपद । सीतापुर के अंतर्गत पहला की ग्राम पंचायत महिमापुर में जो विवाद चल रहा था पत्रकार प्रिंस पांडे और होमगार्ड धीरेंद्र कुमार पांडे के बीच में अपने बचाव के चलते विष्णु कुमार पांडे कुछ अखबारों में फर्जी लिखवा कर जिला प्रभारी महोदय के पास फर्जी एप्लीकेशन देकर पत्रकार प्रिंस पांडे को और उनके माता-पिता को झूठ मुकदमा लिखवाने की बात कहते हैं और पत्रकार प्रिंस पांडे को सताया जा रहा है और खबर लगी थी उसे पर दबाव बनाया जा रहा है की खबर हटवाओ अन्यथा हम भी कुछ छुपाएंगे अखबारों में और इसके पहले भी पत्रकार प्रिंस पांडे 2 महीने पहले भी प्रार्थना पत्र उसके पहले भी धमकी दी जा चुकी थी और 7 तारीख को 2024 को होमगार्ड धीरेंद्र कुमार पांडे पत्रकार के घर पर पत्थरबाजी करते हैं फिर उनके भाई अनिल कुमार पांडे फर्जी अखबारों में खबर छपवा रहे हैं और यह भी कहते हैं कि हमारे पास पैसा है हम कुछ भी कर सकते हैं इस आए दिन परेशान करते हैं और उसके काम करने में बाधा भी डालते हैं पत्रकार मानसिक तनाव में चल रहा है और जान माल का भी भय सता रहा है पत्रकार ने बताया कि इस दोनों में अगर मेरे साथ कोई भी दुर्घटना होती है तो इसके जिम्मेदार वही लोग होंगे पत्रकार बहुत ही मानसिक तनाव में चल रहा है।

हमारी शान है हिंदी हमारी मान है हिंदी: अशोक गोयल, राष्ट्रीय कवि, हापुड़

❖ विश्व हिंदी दिवस भारत माता अभिनंदन संगठन ने अनेक स्कूल के बच्चों साथ मनाया।

द अचीवर टाइम्स चेतन कुमार

हापुड़। पिलखुवा में भारत माता संगठन के सौजन्य से अंतरराष्ट्रीय विश्व हिंदी दिवस अनेक स्कूल के बच्चों संग मनाया। कार्यक्रम में अध्यक्ष रूप में कनाडा से विश्व हिंदी संस्थान के संस्थापक %सरन घई %ने अपनी उपस्थिति प्रदान करके सभी को उत्साह प्रदान किया और पटल को गौरवान्वित किया। वही मुख्य अतिथि के रूप में वरिष्ठ कवि एवं साहित्यकार अशोक गोयल विराजमान रहे व विशिष्ट अतिथि तिथि के रूप में रितु गर्ग राष्ट्रीय प्रभारी भारत माता अभिनंदन संगठन रही ।हिंदुस्तान से-कटक ओडिशा गुरु नानक पब्लिक स्कूल की हिंदी विभाग मुख्य अध्यक्ष डॉ आकांक्षा रूपा चचरा एल आर डी ए वी से पुष्पा कुमारी के वी क्रमांक 2 से परी और मीनाक्षी आगरा से - इन सभी के सहयोग द्वारा सभी स्कूलों के विद्यार्थियों ने कविता नारा लेखन आदि की बहुत सुंदर प्रस्तुति दी।वरिष्ठ कवि अशोक गोयल ने बच्चों को अपनी गजब प्रस्तुति से प्रोत्साहित किया और उन्होंने अपनी रचनाओं द्वारा भविष्य में अपने लक्ष्य को पूर्ण करने और प्रतियोगिता में भाग ने के लिए बहुत ही महत्वपूर्ण विचारों से समझायासिलीगुड़ी से रितु ने अपने सहयोग द्वारा इस कार्यक्रम को चार चांद लगा दिए हिंदी के प्रति देश-विदेशके लोगों का प्रेम अलग-अलग भाषाओं अलग-अलग वेशभूषाओ होते हुए भी एक बहुत ही सुंदर रूप से एक ही सूत्र में हमें हिंदुस्तानी कहलाने का शुभ अवसर प्रदान किया।हम जहां भी रहे हिंदी मां का प्रेम हमारे मन में बसा रहे हिंदी के महाकुंभ में आनंद प्राप्त करके बहुत ही सुखद अनुभूति का अनुभव हुआ हिंदी से हमारी पहचान है हिंदी से मिला हमें सम्मान है हिंदी में हम कार्य करते हिंदी बोलने में हम गर्व का अनुभव करते राजभाषा को राष्ट्रभाषा बनाना।हर हिंदुस्तानी का यही सपना है। दुनिया को हमारा पैगाम है। डॉ आकांक्षा रूपा चचरा ने कहाअंतरराष्ट्रीय विश्व हिंदी दिवस के शुभ अवसर पर आप सभी को हार्दिक शुभकामनाएं देते हैं भारत माता संगठन को कोटि-कोटि साधुवाद जिन्होंने हिंदी दिवस के कार्यक्रम का सफल आयोजन करके सबको गदगद कर दिया।विशेष रूप से मैं कवि अशोक गोयल का आभार प्रकट करती हूं कि जिन्होंने अपने काव्य से बच्चों का मार्गदर्शन कर प्रेरणात्मक उद्बोधन दिया।

आदिल आरोपी के घर पर पुलिस ने चलाया बुलडोजर

द अचीवर टाइम्स रमेश चंद्र लखीमपुर खीरी।मर चुके आदिल आरोपी के घर पर पुलिस ने चलाया बुलडोजर गुरुवार को पुलिस ने तोड़ा आरोपी का घर,शुक्रवार की सुबह शव बरामद नहर में कूदा था आरोपी,इधर उधर तलाश रही थी पुलिस नहर में आरोपी को खोजने की पुलिस ने नहीं उठाई जहमत नहर किनारे मिला था आरोपी का सामान,सभी को था नहर में डूबने का शक पुलिस ने गोताखोरों को बुलाकर केवल दो दिन तलाश थी करायी 10 दिन बाद साड़ीनामा के पास नहर से बरामद हुआ युवक का शव,खीरी थाना क्षेत्र की पुलिस चौकी ओयल का मामला इसी मामले को लेकर ओयल चौकी इंचार्ज विनोद मिश्रा को हटाया गया था घटनास्थल पर मौजूद भारी पुलिस बल गोताखोर कर रहे नहर में लड़की की तलाश जारी है।

पैनटोन कलर ऑफ द इयर पीच फज़ के साथ मोटोरोला रेजर40 अल्ट्रा और ऐज40 नियो लॉन्च

द अचीवर टाइम्स संवाददाता

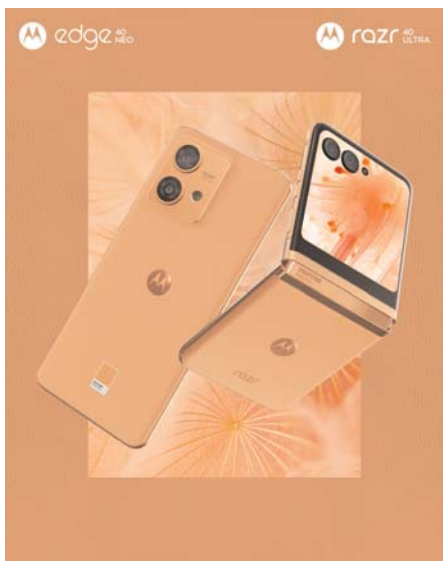

लखनऊ । मोटोरोला ने भारत में जीवनशैली प्रौद्योगिकी को बदलते हुए वर्ष 2024 के पैनटोन कलर ऑफ द इयर, पीच फज़ के साथ मोटोरोला रेजर40 अल्ट्रा और ऐज40 नियो को लॉन्च किया है। इसकी बिक्री वर्ष 2024 के पैनटोन कलर ऑफ द इयर पीच फज़ के साथ अमेज़न और फ्लिपकार्ट पर आज 12 जनवरी से शुरू हो गयी। मोटोरोला रेजन40 अल्ट्रा दुनिया का सबसे बड़ा, बाहरी डिस्प्ले के साथ, सबसे लेटेस्ट फ्लिप फोन है। यह आज 12 जनवरी से अमेजन, मोटोरोला डॉट इन और प्रमुख रिटेल स्टोर्स पर 69,999 रुपये की विशेष सीमित अवधि की कीमत पर उपलब्ध हो गया। मोटोरोला ऐज40 नियो आईपी68 रेटेड अंडरवाटर प्रोटेक्शन और 144हर्टज 10-बिट कर्व्ड डिस्प्ले वाला दुनिया का सबसे हल्का फोन है। इस वर्ष, चुने गए रंग पैनटोन 13-1023 पीच फ़ज़, के साथ पैनटोन कलर ऑफ द ईयर कार्यक्रम की 25वीं वर्षगांठ है। एक मखमली कोमल पीच रंग, पीच फज़ की एक आदर्श आभा है, जो एकजुटता, समुदाय और सहयोग की भावनाओं को अभिव्यक्त करती हैं। नए वर्ष का रंग, पैनटोन 13-1023 पीच फ़ज़, मोटोरोला के समावेश और प्रौद्योगिकी को सभी के लिए अधिक पहुच योग्य बनाने के साथ खूबसूरती से मेल खाता है। जबकि प्रौद्योगिकी मानवता के साथ जुड़ जाती है, हम रंग पर भरोसा करते हैं कि यह हमें अभिव्यक्ति और अपने डिवाइस के साथ और भी गहराई में औरह्न अधिक सार्थक अनुभवों के लिए एक उपकरण प्रदान करने में मदद करेगा। वर्ष 2024 का रंग हमारी आभासी दुनिया को गर्मजोशी, एकजुटता और करुणा की हमारी चाहत के साथ सहजता से एकीकृत करके इसे पूरा करता है। मोटोरोला रेजर40 अल्ट्र और मोटोरोला ऐज 40 नियो को लॉन्च होने वाले दुनिया के पहले स्मार्टफोन के रूप में चुना गया है, जो इस रंग को अपनाते हैं और डिवाइस की तरह ही मानवीय कनेक्शन के महत्व पर जोर देते हैं। पैनटोन के साथ यह सहयोग प्रौद्योगिकी को अधिक सुलभ बनाने और उपभोक्ताओं को प्रौद्योगिकी के माध्यम से उद्देश्यपूर्ण ढंग से जुड़ने के लिए सशक्त बनाने के मोटोरोला के मिशन को मजबूत करता है।

कनेक्टिविटी और सहयोग के लिए तैयार किया गया, पीच फ़ज़ में नया मोटोरोला रेजर40 अल्ट्रा स्टाइलिश और अभिव्यक्ति युक्त लोगों को भीड़ से अलग दिखने में सक्षम बनाता है। अपने प्रतिष्ठित फ़्लैपेबल डिज़ाइन की विशेषता के साथ, रेजर40 अल्ट्रा में प्रभावशाली 144हर्टज रिफ्रेश रेट और 1100निट्स की पीक ब्राइटनेस के साथ दुनिया का सबसे बड़ी बाहरी 3.6-इंच पोलेड डिस्प्ले है। फोल्ड होने पर यह फ्लिप फोन असाधारण रूप से पतला हो जाता है और एक गैपलेस डिजाइन को प्रदर्शित करता है, इसके उद्योग-अग्रणी डुअल-एक्सिस टियरड्रॉप हिंज डिजाइन के कारण, यह कई एक्सिस पर लचीलेपन को सुनिश्चित करता है। जब इसे खोला जाता है, तो इस फ़ोन में एक लगभग क्रीज़ रहित 6.9 इंच पोल्ड डिस्प्ले देखने को मिलता है जिसमें 165हर्टज तक की रिफ़्रेश रेट और 1400निट्स की पीक ब्राइटनेस होती है। यह प्रतिष्ठित फ्लिप फोन एक शक्तिशाली स्नैपड्रैगन 8प्लस जेन 1 एसओसी से लैस है, जो एक सहज अनुभव को सुनिश्चित करता है। रेजर40 अल्ट्रा पीढ़ियों को अतीत से बाहर ले जाता है और उनका ध्यान आकर्षित करता है, जो वर्ष 2024 के सामंजस्यपूर्ण पैनटोन रंग का उदाहरण है। रेजर40 अल्ट्रा नई पीढ़ी के लिए है और यह उनका ध्यान आकर्षित करता है, जो वर्ष 2024 के सामंजस्यपूर्ण पैनटोन रंग का उदाहरण है।

गंगा में दिखी गंदगी तो अधिकारी जाएंगे जेल, नमामि गंगे के प्रमुख सचिव ने दिये ये सख्त निर्देश

कानपुर। माघ मेला को लेकर बधुवार को कानपुर में गंगा सफाई की समीक्षा करने पहुंचे नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग के प्रमुख सचिव अनुराग श्रीवास्तव ने अधिकारियों, इंजीनियरों को सख्त निर्देश जारी किये हैं। उन्होंने चेतावनी दी और कहा कि अगर गंगा की निर्मलता से समझौता किया गया तो कार्यदाई संस्थाएं कठोर कार्रवाई के लिए तैयार रहें। माघ मेले के दौरान गंगा में गंदगी गई तो कार्यदाई संस्था और जिम्मेदार अधिकारी जेल जाएंगे। कार्य आवंटन निरस्त करने के साथ ही लापरवाही पाए जाने पर उनके खिलाफ एफआईआर भी की जाएगी। उन्होंने कहा कि गंगा जी में अगर एक भी नाला गिरा तो अधिकारियों की खैर नहीं होगी। जल निगम (ग्रामीण) के एमडी डॉ. बलकार सिंह भी उनके साथ समीक्षा बैठक में मौजूद रहे।

ई-लॉटरी में चयनित किसानों के खिले चेहरे, मिले अनुदानित ट्रैक्टर,रोटवेटर, हैरो,लेजर लैंड

ई-लॉटरी से 125 कृषकों का हुआ चयन,कुल 744 हुई थी ऑनलाइन बुकिंग

संवाददाता

आगरा। जिलाधिकारी की अध्यक्षता में जिलास्तरीय समिति एंव कृषकों की उपस्थिति में कृषि विभाग में संचालित योजनान्तर्गत वित्तीय वर्ष 2023-24 हेतु कृषकों का शासनदेशानुसार ई-लॉटरी के माध्यम से चयन कर लिया गया है, जिसकी सूचना ई-लॉटरी में चयनित कृषकों के मोबाइल नम्बर पर भेज दी गयी है। वर्तमान वित्तीय वर्ष में कुल बुकिंग 744 के सापेक्ष 125 कृषकों का चयन ई-लॉटरी के माध्यम से किया गया है। जनपद में 125 अनुदानित कृषि यंत्र के सापेक्ष 744 ऑनलाइन बुकिंग हुई थीं, जिस हेतु जिला स्तरीय समिति जिलाधिकारी भानु चन्द्र गोस्वामी की अध्यक्षता में पारदर्शी प्रक्रिया को पूर्ण कराने हेतु समिति गठित की गई थी, जिसमें उपनिदेशक कृषि, जिला उद्यान अधिकारी, जिला कृषि अधिकारी, 04 नामित प्रगतिशील कृषक, नाबार्ड/लीड बैंक के प्रतिनिधि, कृषि विज्ञान केंद्र के प्रतिनिधि को शामिल किया गया था।ब्लॉक अछनेरा में लक्ष्य 09 के सापेक्ष 93, बुकिंग, अकोला में 09 के सापेक्ष 63, ब्लॉक बाह में 11के सापेक्ष, 41ब्लॉक बरौली अहीर में,07 के सापेक्ष,47, ब्लॉक बिचपुरी में 04, के सापेक्ष 11, ब्लॉक एत्मादपुर में 11 के सापेक्ष,98, ब्लॉक फतेहाबाद में 06, के सापेक्ष 59, ब्लॉक फतेहपुर सीकरी में 14, के सापेक्ष 82, जगनेर में 09, के सापेक्ष 22, सैयां में 07, के सापेक्ष 48, शमशाबाद में 07, के सापेक्ष 58, ब्लॉक पिनाहट में 09, के सापेक्ष 37, जैतपुर कला में 03, के सापेक्ष 08, खेरागढ़ में 11, के सापेक्ष 40, ब्लॉक खंदौली में 08, के सापेक्ष 37 बुकिंग किसानों द्वारा की गई थीं।

एक नज़र

ताज महोत्सव-2024 मे स्थानीय कलाकारों, उदघोषकों का चयन 20 वं 21 जनवरी को

गायन, नृत्य, गजल, मिमिक्री आदि के कार्यकम को कलाकार करें प्रतिभाग

आगरा। ताज महोत्सव समिति के सचिव ने अवगत कराया है कि आगामी ताज महोत्सव-2024 के लिए स्थानीय कलाकारों, उदघोषकों आदि के चयन के लिए स्वर कला परीक्षा (आडिशन) 20 एवं 21 जनवरी 2024 को प्रातः 11 बजे से सॉय 05 बजे तक सूरसदन प्रेक्षागृह, संजय प्लेस, में आयोजित किया जायेगा, जिसमें विभिन्न विधाओं यथा साँस्कृतिक कार्यकम, गायन, नृत्य, गजल, मिमिक्री आदि के कार्यकम हेतु स्थानीय इच्छुक कलाकार प्रतिभाग कर सकते हैं। उन्होंने बताया है कि सभी प्रतिभागी सचिव, ताज महोत्सव समिति को सम्बोधित प्रार्थना पत्र के माध्यम से, जिसमें प्रतिभागी का नाम, पता एवं मोबाइल नम्बर के साथ अपनी प्रस्तुत के बारे में सूचना द 20 एवं 21 जनवरी 2024 को कार्यकम से पहले प्रस्तुत करेंगे।

रामपुर मथुरा में श्री राम की प्राण प्रतिष्ठा के उपलक्ष्य में शोभायात्रा का हुआ आयोजन

संवाददाता

रामपुर मथुरा सीतापुर। अयोध्या भगवान श्री राम की प्राण प्रतिष्ठा के उपलक्ष्य में कस्बा रामपुर मथुरा में मुरलीधर मंदिर से संगत चौराहे होते हुए मुख्य कस्बे में शोभायात्रा निकाली गई इस अवसर पर महिलाओं ने अपने सिर पर कलश रखे हुए थे तथा गगनभेदी नारों से शोभायात्रा गुंजायमान हो रही थी शोभायात्रा में प्रमुख रूप से विश्व हिंदू परिषद आरएसएस भारतीय जनता पार्टी के साथ अन्य तमाम हिंदू संगठनों के लोग शामिल हुए शोभा यात्रा का नेतृत्व धीरेंद्र मिश्रा और रमेश बाजपेई पूर्व मंडल अध्यक्ष लक्ष्मी नारायण मौर्य मंडल अध्यक्ष मनोज सिंह सहित अन्य पदाधिकारी कर रहे थे।

किसी ने IPS बनकर दूर की पिता की चिंता, तो कोई दूसरों का जीवन संवारने के लिए कर रहा है काम

कानपुर। कानपुर में रोक-टोक और पाबंदियां आईपीएस अंकिता शर्मा की जिंदगी में भी वैसी ही थी। जैसी आम लड़कियों के लिए होती हैं। बाहर जाने पर घर के किसी न किसी सदस्य की ड्यूटी लगाई जाती थी। 2012 में हुए निर्भया कांड से पहरा और बढ़ गया। बंदिशों से उड़ान थमती दिखी तो फैसला किया कि इससे हर हाल में बाहर निकलकर रहेंगी। इसके बाद 26 साल की उम्र में आईपीएस बनने तक का सफर तय किया। 2018 बैच की आईपीएस अंकिता शर्मा कानपुर में एडीसीपी दक्षिण व ट्रैफिक का जिम्मा संभाल रही हैं। शिक्षिका मां अर्चना शर्मा और वॉटर रिसोर्स डिपार्टमेंट से सेवानिवृत पिता अशोक कुमार की अनुशासित जीवनशैली के बीच राजस्थान के जयपुर में पली बढ़ीं अंकिता बताती हैं कि पिता और बड़े भाई अभिनव को हमेशा ही उनकी चिंता रहती थी। कहीं भी आने जाने पर पिता हमेशा भाई अभिनव को साथ भेज देते थे। वक्त बढ़ा तो, आगे की पढ़ाई के लिए जमशेदपुर स्थित एनआईटी में एडमिशन दिला दिया। जयपुर से सीधी ट्रेन न होने से वह खुद ही दिल्ली तक ट्रेन में बैठाने और लौटते समय लेने पहुंच जाते थे। बताती हैं कि उन्होंने पिता को मनाने का प्रयास किया कि वह अब खुद आ जा सकती हैं, लेकिन न चिंता कम हुई और न ही आजाद परिंदे सी उड़ान मिल सकी। साल 2012 में निर्भया कांड हुआ तो परिजनों की चिंता और बढ़ गई। इसी के बाद तय किया अब वह इतनी सशक्त बनेंगी कि ये जंजीरें उन्हें बांध न सकें। 2017 में यूपीएससी की परीक्षा दी। पिता के लाख मना करने बाद भी आईएएस के बाद आईपीएस को प्राथमिकता में रखा। अंत में आईपीएस बन इतनी मजबूत हो गई कि पिता को विश्वास हो गया कि बेटी खुद की सुरक्षा कर सकती है। अंकिता एक किस्सा सुनाते हुए बताती हैं कि शुरुआत में जब अलीगढ़ में तैनात थीं तो एक दिन पिता की तबीयत खराब हो गई। पता चला कि अस्पताल में भर्ती हैं। रात में ही अलीगढ़ से जयपुर के लिए निकलीं और तड़के तीन बजे अस्पताल पहुंच गई, वहां पिता ने यह नहीं पूछा कि कैसे पहुंचीं। उन्हें इस बात की चिंता थी कि रात में बेटा कैसे पहुंचेगा। इस घटना ने उन्हें इतनी संतुष्टि दी कि अब पिता को बेटी से ज्यादा बेटे की चिंता है। उन्हें यकीन हो गया है कि बेटी अब सक्षम हो गई है। कभी स्कूल में खुद की फीस भरने के लिए पैसे नहीं थे, लेकिन आज हंसपुरम निवासी उद्देश्य सचान गुरुकुलम स्कूल की स्थापना कर बच्चों को निशुल्क शिक्षा दे रहे हैं। पांच बच्चों से शुरू हुई उनकी मुहिम आज 150 बच्चों तक पहुंच गई है। वह बच्चों को शिक्षा के साथ हुनरमंद बनाने का भी काम कर रहे हैं। उद्देश्य बताते हैं कि बचपन से ही पिता को स्कूल की फीस भरने के लिए कड़ी मेहनत करते हुए देखा। काफी मेहनत के बाद भी किसी सरकारी व प्राइवेट कंपनी में नौकरी के लिए चयन नहीं हुआ तो खुद को हुनरमंद बनाकर दूसरों का भविष्य संवारने की ठानी। 2019 में नौबस्ता के पास बस्ती के 9वीं व 10वीं के पांच बच्चों को फुटपाथ पर पढ़ाना शुरू किया। जो धीरे-धीरे बढ़ते गए। साल 2021 में एक कमरा किराए पर लेकर परसौली में गुरुकुलम खुशियों वाला स्कूल की शुरुआत की। उद्देश्य बताते हैं कि वह इंस्टाग्राम पर विद्यालय व खुद से जुड़े वीडियो पोस्ट करते हैं। उनके 3.5 लाख फॉलोअर्स हैं। इससे होने वाली कमाई से उनका व विद्यालय का खर्च चलता है। वह बच्चों को योग, मेडिटेशन से लेकर स्किल डेवलपमेंट में माहिर करते हैं। थिएटर, बांसुरी, गिटार, तबला आदि के अलावा छोटे-छोटे हुनर भी सीखा रहे हैं। यह देख लोग अपनी ओर से कुछ न कुछ मदद करते हैं। गुरुकुलम में उद्देश्य के साथ चार और शिक्षक जुड़े हैं।

सहसवान विधानसभा में संविधान बचाओ सम्मेलन का आयोजन

मुशाहिद रजा

बदायूं। बाबा साहेब वाहिनी के तत्वाधान में आज बदायूँ लोकसभा की सहसवान विधानसभा में ÷संविधान बचाओ सम्मेलन÷ का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य अथिति के रूप में समाजवादी पार्टी के नेता मा0 धर्मेन्द्र यादव सम्मिलित हुए।अध्यक्षता पूर्व मंत्री ओमकार सिंह यादव ने की तथा विशिष्ट अथिति के रूप में बाबा साहेब वाहिनी के प्रदेश अध्यक्ष संतोष कुमार जाटव सम्मिलित हुए। संविधान बचाओ सम्मेलन में उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए मा0 धर्मेन्द्र यादव ने कहा कि जिस प्रकार हमारे पूर्वजों ने अंग्रेजों से संघर्ष करके आज़ादी को हासिल किया उसी प्रकार समाजवादी पार्टी संविधान बचाने के लिये भाजपा की डबल इंजन की सरकार से संघर्ष कर रही है क्योंकि यदि भाजपाई 2024 के अपने षड्यंत्र में सफल हो गए तो संविधान के साथ-साथ उसमे निहित बाबा साहेब डॉ0 भीमराव अंबेडकर की आत्मा भी समाप्त हो जायेगी इसिलये बाबा साहेब की आत्मा को बचाने के लिये उत्तर प्रदेश से आगामी लोकसभा चुनाव में भाजपा का सफाया करके समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मा0 अखिलेश यादव के हांथो को इतना मजबूत कर देना है कि बिना उनकी भागीदारी के केंद्र में कोई सरकार न बन सके।उन्होंने आगे कहा कि भाजपा नेताओं ने बड़ी ही कुटिलता के साथ किसानों के यूरिया के कट्टे में से दस किलो यूरिया कम करके गरीब किसानों के साथ छल किया है।2014 से पहले भाजपा के नेता सिलेंडर के साथ बापू की प्रतिमा के पास महंगाई का रोना रोते थे जबकि आज सिलेंडर लगभग बारह सौ रुपये का और डीजल,पैट्रोल सौ के पार पहुँच चुके हैं।आगे कहा कि हर साल दो करोड़ नौकरियाँ देने की बात कही थी और आज देश मे बेरोज़गारी अपने चरम पर पहुँच चुकी हैं।देश व प्रदेश की आमजनता भाजपा नेताओं के कुकृत्यों को समझ चुकी है और 2024 में इनको सबक सिखाकर ही दम लेगी।

अध्यक्षता करते हुए पूर्व राज्यमंत्री ओमकार सिंह यादव ने कहा कि प्रदेश में जब जब समाजवादी पार्टी की सरकार बनी है तब तब पूरे प्रदेश में चहुमुँखीं विकास कार्य हुए हैं।श्रद्धये मुलायम सिंह यादव तथा पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मा0 अखिलेश यादव का जनपद बदायूँ से अपार स्नेह रहा है इसिलये सपा सरकार होने पर उत्तर प्रदेश के खजाने का मुंह बदायूँ के लिये खोल दिया जाता था।आज समय आ गया है कि मा0 धर्मेन्द्र यादव को बदायूँ लोकसभा से एतिहासिक जीत दिलाकर मा0 अखिलेश यादव के हाथों को मजबूत करना है

इस मौके पर बाबा साहेब वाहिनी की प्रदेश उपाध्यक्ष रेखा चंद्रा,मोरसिंह जाटव, राजू जाटव, नेमसिंह, राहुल यादव, गुलाब सिंह, चंद्रकेश यादव, रज्जन लाल सागर, चरन सिंह, संजीव कुमार, ब्रजेन्द्र यादव, नरेश पाल,राजेन्द्र सिंह एड0,सी0 एल0 गौतम,रामजीमल,राकेश कुमार,हरि सिंह,मलखान सिंह आदि सहित सैकड़ों लोग मौजूद रहे।

इससे पूर्व मा0 धर्मेन्द्र यादव ने विश्वप्रसिद्ध शास्त्रीय संगीत गायक पद्मभूषण उस्ताद राशिद खान के आकस्मिक निधन पर उनके बदायूँ आवास पर जाकर परिजनों से भेंट की तथा शोक संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि उस्ताद राशिद खान ने अपने संगीत के माध्यम से बदायूँ का नाम पूरे देश मे प्रसिद्ध किया,उनके निधन से संगीत के साथ साथ बदायूँ वासियो को भी अपूरणीय क्षति हुई है,दुःख की इस घड़ी में पूरा समाजवादी परिवार उनके परिजनों के साथ है।तत्पश्चात पूर्व नगर अध्यक्ष मुश्ताक बाबा के छोटे भाई व पूर्व जिलासचिव अली अल्वी के चाचा मुन्ना चौधरी के आकस्मिक निधन पर उनके आवास पर जाकर शोक संवेदना व्यक्त की तथा सपा नेता अली फरशोरी के प्रतिष्ठान का उद्घाटन किया।

सात साल के मासूम से अश्लीलता, पिता ने आरोपी को दबोचा

कानपुर। कानपुर के बर्रा थाना क्षेत्र में सात साल के मासूम से अश्लीलता करने का मामला सामने आया है। यहां बच्चे को अकेला पाकर पड़ोसी ने अश्लील हरकत को अंजाम दिया। इस दौरान अचानक पहुंचे पिता ने आरोपी को मासूम के साथ आपत्तिजनक हालत में देख लिया। आनन फानन आरोपी भागने लगा। इस पर पिता ने आरोपी को दबोच लिया। वहीं, शोरगुल सुनकर पहुंचे पड़ोसियों ने आरोपी को जमकर पीटने के बाद पुलिस को सौंप दिया। जानकारी के अनुसार, बर्रा निवासी युवक पत्नी, सात वर्षीय बेटी व दो माह की बेटी के साथ किराए के मकान में रहकर कुकर, गैस की मरम्मत का कार्य करता है। पीड़ित ने बताया कि मकान मालिक के घर वैवाहिक कार्यक्रम होने के चलते वह पड़ोस में किराए पर कमरा लेकर गृहस्थी का सामान रख रहा है। इसमें पड़ोसी रवि उर्फ जादू(55) भी सहायता कर रहा था।

आगरा में स्वामी प्रसाद मौर्य की जीब काटने का प्रदर्शन

अखिल भारत हिन्दू महासभा का ऐलान जबान काटने वाले को मिलेगा 5 लाख का इनाम

संवाददाता

आगरा। सपा नेता स्वामी प्रसाद मौर्या द्वारा एक बार फिर से विवादित बयान दिया गया, इस बयान के विरोध में अखिल भारत हिन्दू महासभा के कार्यकर्ताओं ने जिला मुख्यालय के बाहर स्वामी प्रसाद मौर्य के पोस्टर को एक व्यक्ति के चेहरे पर लगाकर उसकी जीब काटने का प्रदर्शन किया । इसके साथ ही उन्होंने ऐलान किया कि जो भी स्वामी प्रसाद मौर्य की जीब काटेगा उसको 5 लाख रूपये का इनाम दिया जायेगा । इस मौके पर राष्ट्रीय प्रवक्ता संजय जाट ने बताया कि स्वामी प्रसाद मौर्य ने एक बार फिर से हिन्दू धर्म को लेकर विवादित बयान दिया है । स्वामी प्रसाद मौर्य ने कहा कि जिस प्रकार अयोध्या में राम मन्दिर पर घटना घटी थी वहां पर बिना किसी न्यायपालिका या प्रशासनिक आदेश के बडे पैमाने पर आराजक तत्वों ने तोड फोड की थी और कार्यसेवको को लेकर दिये गये इस बयान के विरोध में ही अखिल भारत हिन्दू महासभा के यूवा प्रदेश अध्यक्ष बृजेश भदौरिया और प्रान्तीय अध्यक्ष मीना दिवाकर के निर्देशन में जिला मुख्यालय के सामने एक व्यक्ति को स्वामी प्रसाद मौर्य का मुखोटा पहनाया गया और दूसरे व्यक्ति को अखिलेश यादव का दोनों को एक दूसरे से गले मिलाया गया, जिसके बाद स्वामी प्रसाद के प्रतिकात्मक मुखोटे की जीब प्रांतीय अध्यक्ष मीना दिवाकर ने काट दी गयी, इस मौके पर मीना दिवाकर ने कहा कि अखिलेश यादव भी उतने ही दोषी है जितने स्वामी प्रसाद मौर्य । अखिलेश यादव सबकुछ जानते हुये भी कोई कदम नहीं उठा रहे हैं आज हमने अखिलेश यादव के मुखोटे पर पट्टी बांधकर बैठाकर उनको अखिलेश यादव ही स्वामी प्रसाद मौर्य को मोहरा बनाकर उनसे यह सब कहलवा रहे हैं । इसलिये हमने स्वामी प्रसाद मौर्य और अखिलेश यादव के प्रतिकात्मक व्यक्तियों को एक - दूसरे से गले मिलवाया । जिलाध्यक्ष सौरभ शर्मा ने ऐलान किया कि जो भी स्वामी प्रसाद मौर्य की जीब काटकर लायेगा उसको 5 लाख रूपये का इनाम दिया जायेगा। इस मौके पर राष्ट्रीय प्रवक्ता संजय जाट, बृजेश भदौरिया, मीना दिवाकर, अंकित चौहान, मनीष पंडित जी, सौरभ शर्मा, विशाल कुमार, योगेश ठाकुर, पवन राजपूत, शेखर माहौर, सागर माहौर, सुमित सोनकर, जितेन्द्र कुशवाहा, बाबू भाई, राजकुमार, सागर चौहान, मनीष कुमार, हीरा देवी, लखन कुशवाह, राहुल, सूरज ठाकुर, आयुष, हीरा भाई आदि प्रमुख रूप से उपस्थित थे ।

बर्फीली हवाओं ने निकाली सूरज की गर्मी कोहरे की वजह से वंदे भारत समेत 30 ट्रेनें लेट

संवाददाता

कानपुर। मौसम विभाग प्रमुख डॉ. एसएन पांडेय के अनुसार धूप के बावजूद दिन के तापमान में गिरावट की वजह प्रदेश से सटे पर्वतीय राज्यों में बर्फबारी का होना है। वहां से आने वाली बर्फीली हवाएं मैदानी क्षेत्रों में कहर बरपा रही हैं। मौसम विभाग ने चेतावनी जारी की है कि ऐसे मौसम में बचकर रहने की आवश्यकता है। रात के समय सिर जरूर ढके और गरम कपड़े पहनें। कानपुर में आसमान खुल गया। धूप भी खूब खिली-खिली निकली। लेकिन, बर्फीली हवाओं ने सूरज की गर्मी शांत कर दी और तापमान इस सर्दी के सबसे निचले स्तर तक गिर गया। सूरज निकलने के बावजूद दिन के पारे में 4.2 डिग्री और रात के पारे में 3.0 डिग्री की गिरावट दर्ज की गई। 11 जनवरी के दिन अधिकतम तापमान तो 2015 के बाद सबसे कम 13.2 डिग्री रहा। 2015 में यह 12.2 डिग्री तापमान रहा था। पिछले वर्ष 2023 में भी 11 जनवरी को 13.4 डिग्री पारा दर्ज किया गया था। बुधवार का पूरा दिन कंपकंपाते गुजरा। इस सर्दी में रात जहां पहली बार पांच डिग्री तक ठंडी रही। वहीं सुबह जबरदस्त कोहरे में शहर जकड़ा रहा। 10 बजे के आसपास सूरज निकला पर पारा 13.2 डिग्री से ऊपर नहीं चढ़ सका। जम्मू कश्मीर और शिमला आने वाली बर्फीली उत्तर पश्चिमी हवाओं की रफ्तार 4.8 किमी प्रति घंटा रही। नतीजा यह रहा कि प्रदेश के सर्वाधिक ठंडे शहरों में कानपुर भी शुमार रहा। धूप के बीच शीतलहर और बर्फीली हवाओं का यह सिलसिला अगले एक सप्ताह तक जारी रहने की संभावना है। सीएसए के मौसम विभाग प्रमुख डॉ. एसएन पांडेय के अनुसार धूप के बावजूद दिन के तापमान में गिरावट की वजह प्रदेश से सटे पर्वतीय राज्यों में बर्फबारी का होना है।

बॉलीवुड नाइट शो स्टैंडअप कॉमेडी, हॉट एयर बैलून, काइट फेस्टिवल, विंटेज कार शो, कार रैली, वाइल्ड लाइफ फोटोग्राफी, हॉर्स/बग्गी राइडिंग, पपेट शो, फ्लॉवर शो होंगे आकर्षण

संवाददाता

आगरा। मंडलायुक्त रितु माहेश्वरी की अध्यक्षता में आज ताज महोत्सव समिति की बैठक हुई। जिसमें जिलाधिकारी भानु चंद्र गोस्वामी एडीए उपाध्यक्ष चर्चित गौड़ , नगर आयुक्त अंकित खंडेलवाल सीडीओ ए मणिकंडन संयुक्त निदेशक पर्यटन अविनाश कुमार , एसीपी ट्रैफिक सैयद अरीब अहमद आदि मौजूद रहे। बैठक में संयुक्त निदेशक पर्यटन अविनाश कुमार द्वारा ताजमहल समिति की पिछली बैठक के अनुपालन की व्याख्या प्रस्तुत की गई। जिसमें अवगत कराया गया कि शिल्पग्राम के अतिरिक्त आई लव आगरा सेल्फी प्वाइंट, कोठी मीना बाजार के सामने इत्यादि अन्य स्थान पर झूले एवं फनफेयर लगाने हेतु विकास प्राधिकरण द्वारा 20 जनवरी से निविदा खोली जाएगी। ताज महोत्सव में कई स्टॉल खाली रह जाते हैं, उन्हें ध्यान में रखते हुए सीडीओ की अध्यक्षता में स्टॉल आवंटन समिति की बैठक की गई। जिसमें लिए गए निर्णय के अनुसार स्टॉल के उचित आवंटन हेतु नया लेआउट तैयार कराया जा रहा है। हॉट एयर बैलून राइड को लेकर मंडलायुक्त द्वारा एडीए उपाध्यक्ष को निर्देश दिए गए कि वर्क आर्डर जारी कर एक हफ्ते के अंदर बैलून राइड की स्वीकृति ले ली जाए। ग्यारह सीढ़ी मैदान पर पतंग महोत्सव के भव्य आयोजन की तैयारियों के निर्देश दिए। ताज महोत्सव के अंतर्गत सूर सरोवर कीठम में पक्षी प्रेमियों के सेमिनार एवं फोटोग्राफी प्रतियोगिता को लेकर संबंधित अधिकारी को निर्देश दिए कि सूर सरोवर में पर्यटकों की सुविधाओं से जुड़े जितने भी कार्य योजनाओं पर काम चल रहा है उन सभी को समय से पूरा कर लिया जाए। उद्यान विभाग को निर्देश दिए कि इस बार फूल-शाकभाजी प्रदर्शनी को और भी बेहतर एवं आकर्षक बनाया जाए। ताज महोत्सव में इस बार स्वयंसेवी संस्था एसओएस की भी सहभागिता रहेगी। एसओएस अपने स्टॉल पर वन्यजीवों पर डॉक्यूमेंट्री एवं चित्र आदि का डिस्प्ले करेंगे। ताज महोत्सव आयोजन के प्रचार प्रसार हेतु छावनी परिषद एवं नगर निगम द्वारा पूरे शहर में होर्डिंग्स एवं बैनर लगाए जाएंगे। बैठक में मंडलायुक्त ने बाहरी लोगों एवं पर्यटकों को भी इस आयोजन से जोड़ने हेतु ताज महोत्सव आयोजन को और भी भव्य और शानदार बनाने के निर्देश दिए। मंडलायुक्त ने निर्देश दिए कि ताज महोत्सव में इस बार ताज के पार्श्व में ताज व्यू पॉइंट (उद्यान विभाग) या ग्यारह सीढ़ी पार्क पर दिन में भी सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाए। ताज महोत्सव के अंतर्गत शिल्पग्राम के अलावा शहर के अन्य स्थानों (सदर बाजार, आई लव आगरा प्वाइंट, आगरा चौपाटी, सूर सरोवर, रामलीला मैदान, सूर सदन प्रेक्षागृह, ग्यारह सीढ़ी पार्क, ताज व्यू पॉइंट आदि) पर आने-जाने हेतु नियमित अंतराल पर बसों का संचालन करने को नगरायुक्त को निर्देशित किया। वहीं इस बार ताज महोत्सव के बड़े कलाकारों से सजे प्रमुख सांस्कृतिक कार्यक्रम 17-18 फरवरी को शिल्पग्राम में एवं 23-24-25 फरवरी को रामलीला मैदान में आयोजित कराने के निर्देश दिए। बैठक में मंडलायुक्त ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि ताजमहल के अंतर्गत जितने भी कार्यक्रम आयोजित किए जाने हैं उन कार्यक्रमों की तिथि, समय और स्थल को सुनिश्चित कर कार्यक्रम के उद्घाटन हेतु अतिथियों की सूची जल्द से जल्द फाइनल की जाए। जनवरी माह के अंत तक कार्यक्रम मंच पर प्रस्तुति देने वाले कलाकारों का चयन कर लिया जाए। ताज महोत्सव आयोजन के विश्व पटल पर पहचान बनाने हेतु इसके डिजिटल प्रचार प्रसार के लिए एक निजी कंपनी द्वारा मल्टीमीडिया प्रेजेंटेशन दिया गया। इसकी समीक्षा करते हुए मंडलायुक्त ने आयोजन का लोगो एवं थीम सुनिश्चित कर ताज महोत्सव के पिछले 10 साल के कार्यक्रमों की ऑनलाइन रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए एवं बुक माय शो जैसे ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के माध्यम से ताज महोत्सव के प्रचार प्रसार के निर्देश दिए।

- ताज महोत्सव आयोजन का 17 फरवरी से होगा शुभारंभ, शिल्पग्राम मंच पर होंगे सांस्कृतिक कार्यक्रम।
- ताजमहल के पार्श्व में ताज व्यू पॉइंट (यमुना किनारा रोड़) या ग्यारह सीढ़ी पार्क में दिन में कार्यक्रम कराने के दिये निर्देश।
- वीकेंड पर (23-24-25 फरवरी) रामलीला मैदान पर होंगे बड़े कलाकारों के कार्यक्रम, सूर सरोवर में पक्षी प्रेमियों के लिए होगा सेमिनार-फोटोग्राफी प्रतियोगिता
- शिल्पग्राम एवं अन्य कार्यक्रम स्थलों तक नियमित अंतराल पर बस चल वाये नगरायुक्त

सीएम सुक्खू बोले- हिमाचल के 56 अस्पतालों में शुरू की जाएगी स्वास्थ्य सूचना प्रबंधन प्रणाली

संवाददाता

शिमला। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने कहा कि प्रदेश सरकार लोगों को घरद्वार पर बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध करवाने के दृष्टिगत स्वास्थ्य संस्थानों में नवीनतम प्रौद्योगिकी का समावेश कर रही है। स्वास्थ्य सूचना प्रबंधन प्रणाली इस दिशा में एक मील पत्थर साबित होगी। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने हिमाचल में स्वास्थ्य सूचना प्रबंधन प्रणाली समयबद्ध शुरू करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आरंभिक स्तर पर यह प्रणाली प्रदेश के 56 अस्पतालों में शुरू की जाएगी, जिससे चिकित्सकों को क्लाउड आधारित सर्वर से रोगियों के संपूर्ण चिकित्सा विवरण उपलब्ध हो सकेंगे। उन्होंने यह जानकारी स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों की बैठक की अध्यक्षता करते हुए दी। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार लोगों को घरद्वार पर बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध करवाने के दृष्टिगत स्वास्थ्य संस्थानों में नवीनतम प्रौद्योगिकी का समावेश कर रही है। स्वास्थ्य सूचना प्रबंधन प्रणाली इस दिशा में एक मील पत्थर साबित होगी। इससे रोगियों को पर्ची तथा अन्य मेडिकल टेस्ट से संबंधित दस्तावेज या उनकी छायाप्रतियां साथ ले जाने की आवश्यकता नहीं रहेगी और उन्हें निर्बाध चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध हो सकेंगी। उन्होंने कहा कि चिकित्सक भी एक क्लिक पर रोगी का मोबाइल नंबर अंकित करते ही उसके स्वास्थ्य के बारे में आवश्यक सूचना प्राप्त कर सकेंगे। उन्होंने कहा कि राज्य में डिजिटल स्वास्थ्य कार्ड बनाने का लक्ष्य जल्द ही पूरा कर लिया जाएगा और अभी तक 73 प्रतिशत कार्ड बनाए जा चुके हैं। सुक्खू ने कहा कि सरकार प्रदेश के सभी मेडिकल कॉलेजों में उच्च स्तरीय स्वास्थ्य देखभाल सेवाएं उपलब्ध करवाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि इससे ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले लोगों की भी गुणात्मक स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच सुनिश्चित हो सकेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश के सभी 68 विधानसभा क्षेत्रों में आदर्श स्वास्थ्य संस्थान स्थापित किए जा रहे हैं और अभी तक ऐसे 35 आदर्श स्वास्थ्य संस्थान राज्य में स्थापित हो चुके हैं जहां 6 विशेषज्ञ डॉक्टर तैनात किए गए हैं। उन्होंने शेष 33 संस्थानों में भी शीघ्र ही इन विशेषज्ञ चिकित्सकों की तैनाती सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। कहा कि आईजीएमसी शिमला, सुपर स्पेशियलिटीचमियाणा (शिमला) और टांडा मेडिकल कॉलेज में रोबोटिक सर्जरी सुविधा शुरू करने के लिए जारी प्रक्रिया की भी समीक्षा की। उन्होंने यह सुविधा जल्द शुरू करने के निर्देश भी दिए ताकि लोगों को इसका लाभ समय पर मिल सके। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य देखभाल ढांचे के आधुनिकीकरण तथा डिजिटलीकरण से गुणात्मक सेवाएं सुनिश्चित हो सकेंगी। बैठक में मुख्य संसदीय सचिव संजय अवस्थी, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव भरत खेड़ा, सचिव स्वास्थ्य एम. सुधा देवी, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन की मिशन निदेशक प्रियंका वर्मा और निदेशक स्वास्थ्य डॉ. गोपाल बेरी भी उपस्थित थे।

उमरिया से शहडोल मार्ग का निर्माण तेजी से पूरा कराएं- कमिश्नर

मांस-मछली के अवैध विक्रय पर करें सख्त कार्यवाही -कमिश्नर

❖ कमिश्नर ने की विकास और निर्माण कार्यो की समीक्षा।

संभागीय ब्यूरो चीफ शहडोल जियाउद्दीन अंसारी कि रिपोर्ट

शहडोल। कमिश्नर रीवा शहडोल संभाग श्री गोपाल चन्द्र डाड ने उमरिया से शहडोल मार्ग का निर्माण तेजी से पूर्ण करने के निर्देश निर्माण विभाग के अधिकारियों को दिए हैं। कमिश्नर ने निर्माण विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि उमरिया से शहडोल मार्ग के निर्माण की समय-सीमा पूरी हो गई है इसके बावजूद सड़क का निर्माण नहीं हो पाया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि उमरिया से शहडोल मार्ग का निर्माण प्रथमिकता के साथ पूर्ण कराएं। कमिश्नर शहडोल संभाग श्री गोपाल चन्द्र डाड आज कमिश्नर कार्यालय शहडोल में संभाग स्तरीय समीक्षा बैठक में निर्माण विभाग के अधिकारियों को निर्देशित कर रहे थे। बैठक में सिकल सेल एनीमिया से बचाव के लिए किये जा रहे प्रयासों की जिलेवार समीक्षा करते हुए कमिश्नर ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सिकल सेल एनीमिया से बचाव के लिए दूर-दराज के क्षेत्रों में स्वास्थय परीक्षण किया जाए तथा इस बीमारी के प्रति लोगों को जागरूक करने के साथ ही सिकल सेल की बीमारी से बचने के लिए परिणाम मूलक प्रयास किए जाए। बैठक में आयुष्मान भारत योजना की जिले वार समीक्षा करते हुए कमिश्नर ने कहा कि दूर-दराज के ग्रामीण क्षेत्रों में आयुष्मान कार्डो का वितरण पात्र हितग्राहियों को प्राथमिकता के साथ किया जाए। बैठक में नगरीय प्रशासन विभाग के कार्यो की समीक्षा के दौरान कमिश्नर ने कहा कि खुले में मास-मछली के अवैध विक्रय करने वालों के विरूद्ध सख्त कार्यावाही की जाए और संभाग में सार्वजनिक स्थल के आस-पास और खुले में मांस-मछली के विक्रय को सख्ती से प्रतिबंधित किया जाए। बैठक में कमिश्नर ने सीएम राईज स्कूलों की निर्माण की प्रगति की समीक्षा करते हुए कहा कि सीएम राईज स्कूलों को समय-सीमा में पूर्ण कराएं। बैठक में कमिश्नर ने प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना, अमृत सरोवर योजना, मुख्यमंत्री ग्राम सड़क योजना, प्रधामंत्री आवास योजना, स्वच्छ भारत मिशन, जीवन ज्योति योजना, कृषि विभाग द्वारा संचालित योजनाओं, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी की विभाग द्वारा संचालित योजनाओं की भी समीक्षा की। बैठक में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री राजेश जैन, संयुक्त आयुक्त विकास श्री मगन सिंह कनेश, उपायुक्त राजस्व श्रीमती मिनिषा पाण्डेय, अपर कलेक्टर श्री रोमोनुस टोप्पा, डीन मेडिकल कालेज डॉ मिलिन्द सिलारकर, उपायुक्त आदिवासी विकास श्रीमती ऊषा ठाकुर, संयुक्त संचालक कृषि श्री जे.एस. मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ लाल, एवं अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

पीएम यशस्वी योजनार्न्तगत ऑनलाइन आवेदन 31 जनवरी तक

प्रमुख संवाददाता शहडोल विवेक दुबे कि रिपोर्ट

शहडोल। सहायक संचालक पिछड़ा वर्ग तथा अल्पसंख्यक कल्याण शहडोल ने जानकारी दी है कि भारत सरकार द्वारा संचालित पीएम यशस्वी योजनार्न्तगत 31 जनवरी 2024 तक ऑनलाइन आवेदन किए जा रहे है। जिले अर्न्तगत संचालित समस्त मान्यता प्राप्त विद्यालयो मे अध्ययनरत कक्षा 9वीं से 12वीं के पिछड़ा वर्ग, अत्यंत पिछड़ा वर्ग एवं विमुक्त, घुमक्कड़ एवं अर्द्धघुमक्कड़ समुदाय के इच्छुक विद्यार्थी अंतिम दिनांक 31.01.2024 तक https://scholarships.gov.in/ मे ऑनलाइन आवेदन भरना सुनिश्चित करे।अधिक एवं विस्तृत जानकारी वेबसाइट https://scholarships.gov.in पर उपलब्ध है एवं कार्यालय सहायक संचालक, पिछड़ा वर्ग तथा अल्पसंख्यक कल्याण जिला शहडोल मे संपर्क कर सकते है।

एक नज़र

पिटबुल के हमले में महिला की मौत, कुत्ते के मालिक पर गैरइरादतन हत्या का केस दर्ज, नोटिस भेजा

एजेंसी

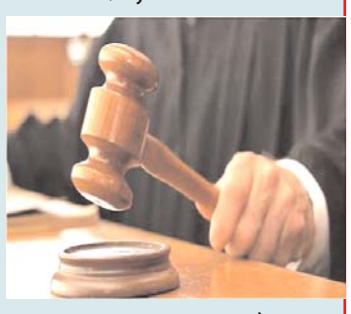

देहरादून। सिविल लाइंस कोतवाली क्षेत्र स्थित ढंढेरा निवासी बुजुर्ग महिला केला देवी निवासी आठ दिसंबर की दोपहर पोस्ट ऑफिस वाली गली में जा रही थीं। पिटबुल नस्ल के कुत्ते के हमले में महिला की मौत के मामले में पुलिस ने कुत्ते के मालिक पर गैरइरादतन हत्या का केस दर्ज कर लिया है। साथ ही कुत्ते के मालिक को मामले में नोटिस भी भेजा है। पुलिस मामले में कोर्ट में आरोप पत्र दाखिल करने की तैयारी कर रही है। सिविल लाइंस कोतवाली क्षेत्र स्थित ढंढेरा निवासी बुजुर्ग महिला केला देवी निवासी आठ दिसंबर की दोपहर पोस्ट ऑफिस वाली गली में जा रही थीं। इस दौरान पिटबुल नस्ल के कुत्ते ने उनपर जानलेवा हमला कर दिया था। शोर मचाने पर आसपास के लोगों ने किसी तरह महिला को कुत्ते से छुड़ाया था। हमले में महिला गंभीर रूप से घायल हो गई थी। गंभीर हालत में उन्हें रुड़की सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया था। वहां डॉक्टरों ने उनकी गंभीर हालत देखते हुए ऋषिकेश एम्स रेफर कर दिया था। महिला के बेटे संजय की तहरीर पर पुलिस ने कुत्ते के मालिक पर केस दर्ज कर लिया था। इसके बाद महिला के पुलिस ने बयान दर्ज किए थे। 16 दिसंबर को महिला ने उपचार के दौरान दम तोड़ दिया था। इस मामले में पुलिस ने गैरइरादतन हत्या की धारा तरमीम करने के लिए विधिक राय मांगी थी। कोतवाली प्रभारी आरके सकलानी ने बताया कि विधिक राय के बाद मामला गैरइरादतन हत्या में तरमीम कर लिया गया है। इस मामले में कुत्ते के मालिक को भी नोटिस देकर इसकी जानकारी दी गई है। उन्होंने बताया कि मामले में कोर्ट में आरोप पत्र दाखिल करने की भी तैयारी की जा रही है। कोतवाली प्रभारी आरके सकलानी ने बताया कि घटनास्थल पर मौजूद कुछ लोगों के बयान दर्ज किए जा चुके हैं। कुछ और लोगों व महिला के परिजनों के भी बयान दर्ज किए जाएंगे।

राज्य स्तरीय सामूहिक सूर्य नमस्कार कार्यक्रम कल, सुभाष स्कूल में बच्चों के साथ योग करेंगे सीएम

भोपाल। कार्यक्रम में शिक्षा मंत्री, जन प्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक, विद्यालयों एवं महाविद्यालयों के छात्र-छात्राएं एवं आमजन भी बड़ी संख्या में शामिल होंगे। स्वामी विवेकानंद के जन्मदिन युवा दिवस के मौके पर शुक्रवार को सुबह नौ बजे सुभाष विद्यालय शिवाजी नगर भोपाल में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के आतिथ्य में राज्य स्तरीय सामूहिक सूर्य नमस्कार कार्यक्रम आयोजित होगा। कार्यक्रम में शिक्षा मंत्री, जन प्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक, विद्यालयों एवं महाविद्यालयों के छात्र-छात्राएं एवं आमजन भी बड़ी संख्या में शामिल होंगे। इस अवसर पर सभी विद्यालयों, महाविद्यालयों, आश्रम शालाओं और ग्राम पंचायतों में सूर्य नमस्कार कार्यक्रम एवं स्वामी विवेकानंद जी पर केंद्रित प्रेरणादायक शैक्षिक और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित होंगे।

धामी कैबिनेट का बड़ा फैसला, निकायों में शामिल होंगे छावनियों के सिविल क्षेत्र, पढ़ें अन्य निर्णय

संवाददाता

देहरादून। कैबिनेट में कई महत्वपूर्ण प्रस्तावों पर मुहर लगी। आगे जानिए बैठक में क्या निर्णय हुए... मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की अध्यक्षता में आज गुरुवार को प्रदेश मंत्रिमंडल की बैठक राज्य सचिवालय में संपन्न हुई। बैठक में विभिन्न विभागों के कई महत्वपूर्ण प्रस्तावों पर मुहर लगी। बैठक में निर्णय लिया गया कि राजकीय महाविद्यालयों में सहायक प्राध्यापकों के स्वीकृत व रिक्त पदों के सापेक्ष अस्थायी व्यवस्थान्तर्गत वर्तमान शिक्षण सत्र 2023-24 के लिए संविदा शिक्षकों की तैनाती की जाएगी। वहीं, प्रदेश के छावनी परिषद क्षेत्रों से नागरिक क्षेत्रों को पृथक करते हुए निकटवर्ती नगर निकाय में सम्मलित किए जाने व पृथक नगर निकाय बनाए जाने के को लेकर निर्णय हुआ।

ये हुए फैसले

1-वन टाईम सेटलमेंट स्कीम, 2023-24 योजना की शर्तो में संशोधन किये जाने का निर्णय।

2- राजकीय महाविद्यालयों में सहायक प्राध्यापकों के स्वीकृत व रिक्त पदों के सापेक्ष अस्थायी व्यवस्थान्तर्गत वर्तमान शिक्षण सत्र 2023-24 के लिए संविदा शिक्षकों की तैनाती की जाएगी।

3- ग्रेटर दून विकास प्राधिकरण लिमिटेड को समाप्त किया जाएगा।

4- राज्य में प्रचलित नजूल नीति, 2021 के प्रभावी व लागू रहने की अवधि बढ़ाई जाएगी।

5- कंपनी अधिनियम 2013 की

धारा 395 (ब) के अनुपालन में उत्तराखंड पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड के वित्तीय वर्ष 2019-20, 2020-21 एवं 2021-22 के वार्षिक वित्तीय प्रतिवेदन को विधान सभा के पटल पर रखे जाने संबंधी अनुमोदन।

6- उत्तराखंड आयुष विभाग आयुर्वेदिक एवं यूनानी सेवा संवर्ग, समूह 'क' सेवा नियमावली, 2011 (यथा संशोधित) में अग्रेत्तर संशोधन किया जाएगा।

7- गौलापार (हल्द्वानी) में उच्च न्यायालय की स्थापना के लिए प्रस्तावित स्थल के आस-पास के क्षेत्र को फ्रीज जोन घोषित किया जाएगा।

8- सिविल कोर्ट परिसर खटीमा, ऊधमसिंहनगर में 135 ङ्क 210 वर्गफीट भूमि अधिवक्ता चैंबर निर्माण हेतु बार एसोसिएशन खटीमा को 90 वर्ष के स्थान पर 30 वर्ष हेतु लीज पर दिया जाएगा।

9- पेराई सत्र 2023-24 के लिए प्रदेश की सहकारी एवं सार्वजनिक क्षेत्र की चीनी मिलों को बैंको से ऋण लिये जाने हेतु शासकीय प्रत्याभूति प्रदान किया जाएगा।

10- केदारनाथ धाम एराइवल प्लाजा में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भारत सरकार के ड्रीम प्रोजेक्ट के अन्तर्गत अति विशिष्ट प्रकार की ओम कलाकृति का स्ट्रक्चर ब्रास धातु का बनाया गया है। कार्य में एकरूपता बनाये रखने के दृष्टिगत उस ओम मूर्ति के पैडस्टल का निर्माण कार्य इनफाइन आर्ट वैन्चर कराया जाएगा।

11- बदरीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति के विभिन्न सेवा संवर्गों के सीधी भर्ती के पदों पर संविलियन नियमावली, 2023 को प्रख्यापित किया जाएगा।

12- राज्य बांध सुरक्षा संगठन, उत्तराखण्ड द्वारा तैयार वार्षिक प्रतिवेदन 2022-23 को मा0 विधानसभा के समक्ष प्रस्तुत किये जाने के सम्बन्ध में कैबिनेट द्वारा लिया गया निर्णय।

13- प्रदेश के छावनी परिषद, क्षेत्रों से नागरिक क्षेत्रों को पृथक करते हुए निकटवर्ती नगर निकाय में सम्मलित किए जाने व पृथक नगर निकाय बनाये जाने के को लेकर निर्णय हुआ।

14- हरिद्वार एवं ऋषिकेश गंगा कॉरिडोर परियोजना को संचालित किए जाने व गठित एसपीवी को निरस्त या स्थानांतरित किया जाएगा।

15- कैबिनेट बैठक में राज्य विधान सभा के आगामी सत्र को आहूत करने के लिए कैबिनेट की ओर से मुख्यमंत्री को अधिकृत किया गया।

पुलिस के हत्थे चढ़ा बाइक चोर, बताई मजबूरी- बच्चे के स्कूल की फीस भरना थी इसीलिए की चोरी

संवाददाता

उज्जैन। उज्जैन में एक बाइक चोर पुलिस के हत्थे चढ़ा है। उसने अपने बच्चे की स्कूल फीस भरने के लिए बाइक चुराई थी। पुलिस मामले की जांच कर रही है। एक व्यक्ति को बच्चे के स्कूल की फीस भरना थी जिस पर उसने बेगमबाग से एक बाइक चुराई और वह शातिर चोर नहीं था इसलिए मदारगेट पर पकड़ा गया। पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। उसने पुलिस को बताया कि आर्थिक तंगी से परेशान है और बच्चे की स्कूल की फीस नहीं भर पा रहा था इसलिए यह कदम उठाया है। महाकाल थाना पुलिस ने बताया कि बेगमबाग निवासी मोहम्मद नासिर की केटीएम बाइक सुबह चोरी हो गई थी। वाहन तलाशने के बाद उसने चोरी की शिकायत थाने में दर्ज कराई थी। इधर एक दिन बाद उसे पता चला कि मदारगेट में उसकी बाइक देखी गई। इस पर वह क्षेत्र में पहुंचा और पूछताछ के बाद मदारगेट निवासी परवेज पिता शकील के घर से उसने बाइक जब्त की और परवेज को पकड़कर पुलिस के सुपुर्द कर दिया। परवेज ने पुलिस को पूछताछ में बताया कि उसके बच्चे के स्कूल की 10 हजार रुपये की फीस भरने के लिए रुपये नहीं थे, इसलिए उसने चोरी की वारदात की। आरोपी के खिलाफ विभिन्न धाराओं में कायमी कर गिरफ्तारी ले ली गई है।

30 हजार की रिश्वत लेते विजिलेंस ने पीआरडी जवान पकड़ा, दरोगा फरार, तलाश में जुटी पुलिस

एजेंसी

देहरादून। मामला बुधवार रात का है। जब बहादराबाद थाने में तैनात दरोगा पंकज कुमार शांतरशाह चौकी में मारपीट के मामले में एक पीड़ित से मुकदमे में एफआर लगाने के नाम पर रिश्वत ले रहा था। हरिद्वार के बहादराबाद की शांतरशाह चौकी में मारपीट के मामले में एफआर लगाने के नाम पर रिश्वत ले रहा दरोगा विजिलेंस की टीम को देखकर मौके से फरार हो गया। जबकि उसका सहयोगी पीआरडी जवान 30 हजार की रिश्वत लेते हुए विजिलेंस ने दबोच लिया। घंटों पूछताछ के बाद विजिलेंस की टीम आरोपी को अपने साथ देहरादून ले गई। दरोगा और पीआरडी जवान के खिलाफ विजिलेंस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है। पीआरडी जवान को जेल भेज दिया गया जबकि दरोगा की तलाश में विजिलेंस जुटी है। मामला बुधवार रात का है। जब बहादराबाद थाने में तैनात दरोगा पंकज कुमार शांतरशाह चौकी में मारपीट के मामले में एक पीड़ित से मुकदमे में एफआर लगाने के नाम पर रिश्वत ले रहा था। तभी विजिलेंस की टीम मौके पर पहुंच गई। टीम को देखते ही दरोगा मौके से फरार होने में कामयाब रहा। जबकि 30 हजार की रिश्वत लेते हुए उसके सहयोगी पीआरडी के जवान सुरेंद्र कुमार को विजिलेंस ने मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया। एसपी विजिलेंस धीरेंद्र गुंज्याल ने बताया कि रिश्वत लेने के आरोप में आरोपी दरोगा पंकज कुमार और पीआरडी के जवान सुरेंद्र कुमार के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।

शिमला विकास योजना को सुप्रीम कोर्ट की हरी झंडी, ग्रीन एरिया में घर बना सकेंगे लोग

संवाददाता

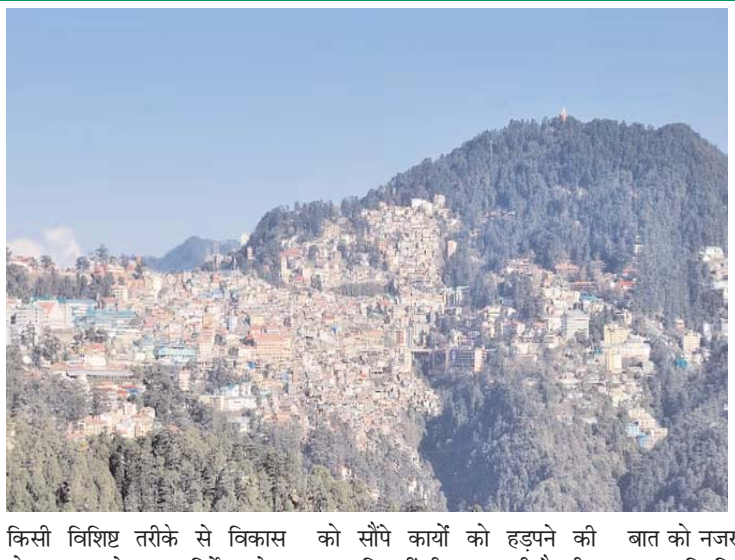

शिमला। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि हिमाचल प्रदेश सरकार 20 जून 2023 को प्रकाशित विकास योजना पर आगे बढ़ सकती है। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को 22450 हेक्टेयर भूमि पर प्रस्तावित शिमला विकास योजना 2041 को लागू करने की अनुमति दे दी। इसमें पारिस्थितिक तंत्र को लेकर कायम चिंताओं के साथ संतुलित ढंग से विकास की जरूरत पर जोर दिया है। योजना लागू होने पर कुछ शर्तों के साथ 17 ग्रीन बेल्ट में निर्माण का मार्ग प्रशस्त होगा। योजना का उद्देश्य शहर में निर्माण गतिविधियों को विनियमित करना है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि हिमाचल प्रदेश सरकार 20 जून 2023 को प्रकाशित विकास योजना पर आगे बढ़ सकती है। जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस अरविंद कुमार की पीठ ने राष्ट्रीय हरित प्राधिकरण (एनजीटी) के पिछले आदेशों को यह कहते हुए रद्द कर दिया कि राज्य सरकार और उसकी अथॉरिटी को किसी विशिष्ट तरीके से विकास योजना बनाने का निर्देश देना न्यायाधिकरण के अधिकार क्षेत्र से बाहर है। पीठ ने कहा कि जो क्षेत्र विशेष रूप से कार्यपालिका या विधायिका के क्षेत्र में है, उसके संबंध में कार्यपालिका को निर्देश या सलाह देना न तो कानूनी होगा और न ही उचित होगा। कार्यपालिका, विधायिका या अधीनस्थ विधायिका को सौंपे कार्यों को हड़पने की अनुमति नहीं दी जा सकती है। पीठ ने अपने आदेश में कहा, हमने विकास योजना देखी है। विभिन्न विशेषज्ञ समितियों की रिपोर्टों और पर्यावरणीय और पारिस्थितिक पहलू समेत विभिन्न पहलुओं के संबंध में किए अध्ययनों पर विचार करने के बाद विकास योजना को अंतिम रूप दिया है। पीठ ने कहा है, हम स्पष्ट करना चाहते हैं कि इस विकास योजना के सूक्ष्म विवरण पर विचार नहीं किया है। लेकिन प्रथम दृष्टया देखने पर हमारा मानना हैं पर्यावरण और पारिस्थितिक चिंताओं की देखभाल और समाधान करते हुए संतुलित विकास सुनिश्चित करने के लिए पर्याप्त सुरक्षा उपाय किए हैं। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि इस बात को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता कि विकास योजना को शहरी नियोजन, पर्यावरण आदि समेत विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञों की राय के बाद अंतिम रूप दिया है। इस बात की भी अनदेखी नहीं कर सकते कि विकास योजना को आपत्तियां आमंत्रित करने और अन्य सारी प्रक्रिया पूरी करने के बाद अंतिम रूप दिया है। ऐसे में योजना को रोका नहीं जा सकता। कोर्ट ने यह भी कहा कि यदि किसी नागरिक को यह शिकायत है कि कोई प्रावधान पर्यावरण या पारिस्थितिकी के लिए हानिकारक है तो वह उसे चुनौती देने के लिए स्वतंत्र है। इसके साथ ही कोर्ट ने हिमाचल प्रदेश सरकार की अपील स्वीकारते हुए एनजीटी द्वारा इस मामले में वर्ष 2017 के बाद पारित किए गए आदेशों को दरकिनार कर दिया। एनजीटी ने इस मामले में 2017 के बाद से कई निर्देश जारी किए थे जिसमें कहा था कि शिमला योजना क्षेत्र के भीतर प्रमुख, गैर-प्रमुख, हरित और ग्रामीण क्षेत्रों में अनियोजित और अंधाधुंध विकास ने पर्यावरण और पारिस्थितिकी से संबंधित गंभीर चिंताओं को जन्म दिया है। पीठ ने यह भी कहा कि न्यायिक औचित्य के आधार पर एनजीटी को हाईकोर्ट के मामले के संज्ञान में आने के बाद कार्यवाही जारी नहीं रखनी चाहिए थी और विशेष रूप से जब उसे सूचित किया था कि हाईकोर्ट ने मामले को अपने पास ले लिया है।

हिमाचल के 12 गांवों में सीएम, उपमुख्यमंत्री और मंत्री सुनेंगे जन समस्याएं, शेड्यूल जारी

एजेंसी

शिमला। सचिवालय में सरकार गांव के द्वार कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर राजस्व मंत्री जगत सिंह नेगी की अध्यक्षतात में समीक्षा बैठक आयोजित हुई। 17 जनवरी से शुरू होने वाले सरकार गांव के द्वार कार्यक्रम में 12 जिलों के 12 गांवों में मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री, नौ मंत्रियों सहित विधानसभा अध्यक्ष और उपाध्यक्ष जन समस्याएं सुनेंगे। गुरुवार को सचिवालय में सरकार गांव के द्वार कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर आयोजित समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए राजस्व मंत्री जगत सिंह नेगी ने यह जानकारी दी। सभी जिलों के उपायुक्त वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से बैठक में जुड़े। नेगी ने बताया कि 17 जनवरी को मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू जिला हमीरपुर के नादौन के गलोड़ गांव में औपचारिक तौर पर कार्यक्रम की शुरुआत करेंगे। उपमुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री जिला ऊना के हरोली के दुलेहड़, विधानसभा अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानिया जिला चंबा के भटियात के कुड्डी, कृषि एवं पशुपालन मंत्री चंद्र कुमार जिला कांगड़ा के ज्वाली के पलोड़ा, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री डॉ. धनी राम शांडिल जिला सोलन के नौणी, उद्योग मंत्री हर्षवर्धन चौहान जिला सिरमौर के शिलाई के बकरास, ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज मंत्री अनिरुद्ध सिंह जिला मंडी के बल्ह के छातड्डू, लोक निर्माण मंत्री विक्रमादित्य सिंह जिला शिमला के चौपाल के बमटा, तकनीकी शिक्षा मंत्री राजेश धर्माणी जिला बिलासपुर के घुमारवीं के कसारू, आयुष मंत्री यादवेंद्र गोमा जिला कुल्लू के बजौरा, विधानसभा उपाध्यक्ष विनय कुमार जिला लाहौल-स्पीति के ताबो में कार्यक्रम की अध्यक्षता करेंगे। अतिरिक्त मुख्य सचिव राजस्व ओंकार चंद शर्मा ने कहा कि राजस्व मंत्री जगत सिंह नेगी 17 जनवरी को किन्नौर के चगांव में कार्यक्रम की अध्यक्षता करेंगे। कार्यक्रम के दौरान प्रत्येक जिले में ग्राम सभा आयोजित की जाएगी। इसके अतिरिक्त, सभी विभागों की प्रदर्शनियां तथा स्वास्थ्य शिविर भी लगाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि सूचना एवं जन संपर्क विभाग सरकार की विभिन्न उपलब्धियों को लेकर लोगों को जागरूक करेगा। बैठक में प्रधान सचिव उद्योग आरडी नजीम, सचिव स्वास्थ्य एम सुधा देवी, सचिव ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज प्रियतु मंडल, सचिव शिक्षा राकेश कंवर, सूचना एवं जन संपर्क विभाग के निदेशक राजीव कुमार सहित अन्य विभागों के प्रतिनिधियों ने शिमला से बैठक में भाग लिया।

ईशान के रणजी ट्रॉफी खेलने पर संशय जारी

एजेंसी

रांची। भारतीय टीम के मुख्य कोच राहुल द्रविड़ ने अनुशासनात्मक कार्रवाई की बात का खंडन किया था, लेकिन उन्होंने ईशान को घरेलू टूर्नामेंट रणजी ट्रॉफी खेलने की सलाह जरूर दी थी। हालांकि, ईशान के रणजी खेलने को लेकर अभी तक कुछ भी साफ नहीं है। ऐसे में इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज में उनका चुना जाना मुश्किल नजर आ रहा है।

भारतीय टीम के दो खिलाड़ी ईशान किशन और श्रेयस अय्यर इन दिनों गलत वजहों से चर्चा में हैं। मीडिया रिपोर्ट्स में ऐसा बताया जा रहा था कि दोनों के रवैये से बीसीसीआई नाराज है और अफगानिस्तान के खिलाफ टीम में नहीं चुनकर उन पर अनुशासनात्मक कार्रवाई की गई है। ईशान ने दक्षिण अफ्रीकी दौरे को बीच में छोड़ दिया था। वहीं, रिपोर्ट्स में यह बताया गया था कि बोर्ड अफ्रीकी दौरे पर टेस्ट सीरीज में उनकी बल्लेबाजी स्टाइल से नाराज था। साथ ही अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी के लिए दोनों को घरेलू क्रिकेट खेलने की भी सलाह दी गई है। हालांकि, भारतीय टीम के मुख्य कोच राहुल द्रविड़ ने अनुशासनात्मक कार्रवाई की बात का खंडन किया था, लेकिन उन्होंने ईशान को घरेलू टूर्नामेंट रणजी ट्रॉफी खेलने की सलाह जरूर दी थी। ईशान के रणजी खेलने को लेकर अभी तक कुछ भी साफ नहीं है। ऐसे में इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज में उनका चुना जाना मुश्किल नजर आ रहा है।

द्रविड़ ने अफगानिस्तान के खिलाफ पहले टी20 मुकाबले की पूर्व संध्या पर कहा था- बिल्कुल नहीं (कोई अनुशासनात्मक कार्रवाई नहीं)। ईशान किशन चयन के लिए उपलब्ध नहीं थे। ईशान किशन ने दक्षिण अफ्रीका में ब्रेक के लिए अनुरोध किया, जिस पर हम सहमत हो गए और समर्थन किया और उन्हें मान्यता दी। उन्होंने अभी तक खुद को चयन के लिए उपलब्ध नहीं रखा है। मुझे यकीन है कि जब वह उपलब्ध होंगे, तो वह घरेलू क्रिकेट खेलेंगे और खुद को चयन के लिए उपलब्ध रखेंगे। इसका मतलब है कि सात सप्ताह से कोई क्रिकेट नहीं खेलने के कारण बाएं हाथ के बल्लेबाज ईशान का इस महीने के अंत में इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए नहीं चुना जाना मुश्किल है। ऐसे में केएस भरत पहले विकेटकीपर के रूप में खेल सकते हैं, क्योंकि बीसीसीआई केएल राहुल को आराम देना चाहता है और उन्हें बतौर बल्लेबाज मौका देना चाहता है। इस बीच जब न्यूज एजेंसी पीटीआई ने झारखंड राज्य क्रिकेट संघ (जेएससीए/छुस्ष्ट) के सचिव देबाशीष चक्रवर्ती से पूछा कि क्या किशन ने मौजूदा रणजी ट्रॉफी के लिए खुद को उपलब्ध रखा है, तो उन्होंने ना में जवाब दिया। उन्होंने कहा, नहीं, ईशान ने हमसे संपर्क नहीं किया है और न ही अपनी उपलब्धता के बारे में कुछ बताया है। जब भी वह हमें बताएंगे, वह अंतिम एकादश में शामिल हो जाएंगे। वहीं, अफगानिस्तान के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए श्रेयस अय्यर के नहीं चुने जाने से भी खिलाड़ियों की अनुशासनहीनता की चर्चाओं को बढ़ावा मिला था, लेकिन द्रविड़ ने अफवाहों का खंडन किया। उन्होंने कहा था- श्रेयस अय्यर के मामले का किसी भी अनुशासनात्मक मुद्दे से कोई लेना-देना नहीं है। बात बस इतनी सी है कि वह टीम में जगह बनाने से चूक गए। टीम में कई बल्लेबाज हैं। वह दक्षिण अफ्रीका में टी20 में भी नहीं खेले थे। द्रविड़ ने कहा था कि सभी खिलाड़ियों को टीम या शुरुआती प्लेइंग-11 में जगह देना मुश्किल है। उन्होंने कहा, यह दुर्भाग्यपूर्ण है क्योंकि वह (श्रेयस) अच्छे खिलाड़ी हैं, लेकिन भारतीय टीम में पहले से ही काफी बल्लेबाज हैं और सभी को टीम में फिट करना या अंतिम 11 में जगह देना आसान नहीं है। कम से कम चयनकर्ताओं के साथ मेरी चर्चा के दौरान अनुशासन के किसी मुद्दे पर चर्चा नहीं की गई।

न्यूजीलैण्ड ने पाकिस्तान को 46 रनो से दी मात अफरीदी ने एक ही ओवर में लुटाये 24 रन

एजेंसी

ऑकलैंड। पाकिस्तान और न्यूजीलैंड के बीच पांच मैचों की टी20 सीरीज का आगाज हो चुका है। यह बतौर कप्तान शाहीन अफरीदी की पहली सीरीज है। इस साल होने वाले टी20 विश्व कप को देखते हुए दोनों ही टीमों के लिए यह अहम सीरीज है। पाकिस्तान के कप्तान ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया। पाकिस्तान और न्यूजीलैंड के बीच पांच मैचों की टी20 सीरीज का पहला मुकाबला ऑकलैंड में खेला जा रहा है। पाकिस्तान के कप्तान शाहीन अफरीदी ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया। पहले बल्लेबाजी करते हुए न्यूजीलैंड की टीम ने तीन ओवर में एक विकेट गंवाकर 30 रन बना लिए हैं। फिलहाल कप्तान केन विलियम्सन और फिन एलेन क्रीज पर हैं। न्यूजीलैंड की शुरुआत खराब रही। टीम को पहले ओवर में ही पहला झटका लगा। शाहीन के ओवर की दूसरी ही गेंद पर डेवोन कॉन्वे आउट हो गए। उन्हें पाकिस्तानी कप्तान ने आमिर जमाल के हाथों कैच कराया। कॉन्वे खाता नहीं खोल सके। इसके बाद शाहीन तीसरे ओवर में गेंदबाजी के लिए आए और इस ओवर में एलेन ने 24 रन बटोरे। उन्होंने इस ओवर में दो छक्के और तीन चौके जड़े।

दोनों टीमों की प्लेइंग-11

पाकिस्तान- मोहम्मद रिजवान, सैम अयूब, बाबर आजम, फखर जमान, इफ्तिखार अहमद, आजम खान (विकेटकीपर), आमेर जमाल, उसामा मीर (टी20 डेब्यू), शाहीन अफरीदी (कप्तान), अब्बास अफरीदी (टी20 डेब्यू)), हारिस रऊफ।

न्यूजीलैंड- फिन एलेन, डेवोन कॉन्वे (विकेटकीपर), केन विलियमसन (कप्तान), डेरिल मिशेल, ग्लेन फिलिप्स, मार्क चैपमैन, एडम मिल्ने, मैट हेनरी, टिम साउदी, ईश सोढ़ी, बेन सियर्स।

प्रेग्नेंसी में स्टाइल के साथ चाहिए कंफर्ट तो रुबीना दिलैक से लें आउटफिट आइडिया, मिलेगा स्टनिंग लुक

प्रेग्नेंसी के दौरान भी हर महिला स्टाइलिश लुक चाहती हैं। लेकिन अगर आप स्टाइलिश दिखने के साथ कंफर्ट से समझौता नहीं कर सकती हैं, तो आप एक्ट्रेस रुबीना दिलैक से कुछ आउटफिट आइडियाज ले सकती हैं। टेलिविजन एक्ट्रेस रुबीना दिलैक हाल ही में मां बनी हैं। उन्होंने दो जुड़वा बेबी गर्ल्स को जन्म दिया है। प्रेग्नेंसी के दौरान भी एक्ट्रेस लगातार फैशन गोल्स देती नजर आई। ऐसे में अगर आप भी प्रेग्नेंसी के समय स्टाइलिश और कंफर्टेबल लुक पाना चाहती हैं, तो यह आर्टिकल आपके लिए है। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि किस तरह से आप भी एक्ट्रेस रुबीना दिलैक से कुछ आउटफिट्स आइडिया ले सकती हैं। बता दें कि आपको भी एक्ट्रेस रुबीना दिलैक की तरह अपनी वार्डरोब में लॉन्ग कुर्ती जरूर शामिल करना चाहिए। ऐसे में अगर आपको प्रेग्नेंसी में किसी फंक्शन में जाना हो, या घर पर ही कंफर्ट के साथ रहना हो, तो इस तरह का आउटफिट कैरी करने से आपको फ्लॉलेस लुक मिलेगा।

मैक्सी ड्रेसेस

इसके अलावा प्रेग्नेंसी के दौरान मैक्सी ड्रेसेस भी काफी अच्छी रहती हैं। यह पहनने में कंफर्टेबल होने के साथ ही कैरी करने में आसान होती है। इनको पहनकर आप आसानी से कहीं भी जा सकती हैं। ऐसे में आप भी रुबीना दिलैक की इस ड्रेस से आउटफिट आइडिया ले सकती हैं।

मिडी ड्रेस

रुबीना दिलैक ने प्रेग्नेंसी के दौरान मिडी ड्रेस पहनकर अपने बेबी बंप को फ्लांट किया है। ऐसे में आप भी एक्ट्रेस की तरह अपने वार्डरोब में मिडी ड्रेस को शामिल कर सकती हैं। इस दौरान आपको इस तरह की ड्रेस में काफी अच्छा लुक मिलेगा।

ऐसे पाएं कंफर्टेबल लुक

इसके अलावा प्रेग्नेंसी के दौरान स्टाइलिश और कंफर्टेबल लुक पाने के लिए आप टीशर्टस, टॉप, लूज शर्ट और लोअर्स को भी अपनी अलमारी में शामिल कर सकती हैं। इसके अलावा आप एक्ट्रेस रुबीना दिलैक से ज्वेलरी और हेयर स्टाइल के आइडियाज ले सकती हैं।

वहीं प्रेग्नेंसी के समय आप भी एक्ट्रेस की तरह बॉडीफिट शॉर्ट ड्रेस ट्राई कर सकती हैं। इस तरह के ड्रेसेज में आप कूल और स्टनिंग लगेंगे।

जानें टी20 में कैसी रही रोहित की वापसी

एजेंसी

मोहाली। भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने 14 महीने बाद टी20 में वापसी की। नवंबर 2022 के बाद पहली बार वह गुरुवार को टीम इंडिया की तरफ से कोई टी20 मैच खेलने के लिए मैदान पर उतरे। हालांकि, बल्लेबाजी के नजरिए से देखें तो उनकी बल्लेबाजी कुछ खास नहीं रही, लेकिन फील्डिंग से लेकर कप्तानी तक बाकी सभी बॉक्स में उन्होंने सफलतापूर्वक टिक किए। मैच के दौरान हमें कप्तान रोहित का नैसर्गिक अंदाज भी देखने को मिला जब वह टॉस के दौरान खिलाड़ियों के नाम भूल गए। वहीं, कुछ मौकों पर वह आपा खोकर खिलाड़ियों पर नाराजगी जाहिर करते भी दिखे। सबसे पहले बात करते हैं टॉस की, तो जब रोहित आए और उन्होंने टॉस जीता तो मुरली कार्तिक से बातचीत के दौरान रोहित प्लेइंग-11 भूल गए। वह बोलते-बोलते रुक गए और फिर मुस्कुराने लगे। वह उन खिलाड़ियों के नाम ले रहे थे जो इस मैच में नहीं खेल रहे हैं। उन्होंने संजू सैमसन, आवेश खान और यशस्वी जायसवाल का नाम लिया। फिर वह चौथा नाम भूल गए। रोहित ने पहले कुलदीप यादव का नाम लिया और फिर उन्होंने कुलदीप तो खेल रहे हैं। फिर उन्हें याद आया कि कुलदीप प्लेइंग-11 का हिस्सा नहीं हैं। वह फिर हंसने लगे। मैच के दौरान ज्यादातर समय रोहित कवर्स या मिड ऑफ पर फील्डिंग करते दिखे।

डिप्रेशन से जूझ रहे व्यक्ति के लिए बेहद जरुरी है दवाईयों का सेवन

आजकल काफी अधिक रिसर्च होने के कारण दवाइयों से होने वाले साइडइफेक्ट काफी कम हो गए है। पहले कई बार दवाओं के सेवन से व्यक्ति में कई तरह के साइड इफैक्ट देखने को मिलते थे, जिसमें हाथ-पैर में कंपन होना, पार्किंसंस होना, आदि शामिल है।

मेंटल हेल्थ से संबंधित बीमारियों का इलाज सही समय पर करना बेहद जरुरी होता है। खासतौर से डिप्रेशन जैसी गंभीर समस्या से पीछा छुड़ाने के लिए जरुरी है कि व्यक्ति बेहतर डॉक्टर से अपना समय पर इलाज करवाए ताकि स्थिति को गंभीर होने से रोका जा सके।

वहीं बदलते समय के साथ मानसिक बीमारी जैसे डिप्रेशन या अन्य समस्याओं में दवाइयों के उपयोग में भी काफी बदलाव देखने को मिला है। किसी समय में जिन दवाइयों को लेकर कई तरह की भ्रांतियां लोगों के मन में फैली हुई थी वहीं अब ये काफी कम हो गई है। समय के साथ इन दवाइयों से होने वाले साइड इफैक्ट्स भी काफी मामूली हो गए है। माना जाता है कि डिप्रेशन या मेंटल हेल्थ से जुड़ी बीमारी में एंटी डिप्रेसेंट दवाइयों को खाने से पीड़ित की परेशानी कम होती है। डिप्रेशन और मानसिक स्वास्थ्य में दी जाने वाली दवाईयों के संबंध में चाइल्ड एंड अडोलेसेंट साइकैट्रिस्ट डॉ. शिल्पा अग्रवाल ने बताया कि समय में आए बदलाव के साथ ही दवाओं का असर भी अलग हो गया है। दवाई दिए जाने का तरीका भी बदला है। आजकल काफी अधिक रिसर्च होने के कारण दवाइयों से होने वाले साइडइफेक्ट काफी कम हो गए है। पहले कई बार दवाओं के सेवन से व्यक्ति में कई तरह के साइड इफैक्ट देखने को मिलते थे, जिसमें हाथ-पैर में कंपन होना, पार्किंसंस होना, आदि शामिल है। हालांकि समय के साथ दवाओं की गुणवत्ता में सुधार हुआ और रिसर्च की बदौलत पीड़ित मरीज को होने वाले साइड इफैक्ट काफी कम देखने को मिलते है। वैसे मानसिक रोगों के लिए दवाइयों पर रिसर्च आज भी जारी है मगर इसके साइड इफेक्ट किसी अन्य बीमारी की तरह ही देखने को मिलते है। इसमें वजन बढ़ना, हॉर्मोन्स में बदलाव होना शामिल है। मरीज अगर डाइट पर ध्यान ना दें तो भी दवाइयों के कुछ साइड इफैक्ट देखने को मिल सकते है। ऐसे में दवाइयों का सेवन जब भी मरीज शुरू करता है तो उसे नियमित रूप से डॉक्टर से अपॉइंटमेंट लेकर मिलना होता है ताकि किसी गंभीर लक्षण पर डॉक्टर नजर रख सके।

दवाइयां जारी रखना जरुरी

कई गंभीर बीमारियों जैसे मेनिया, सिजोफ्रेनिया आदि में दवाईयों का सेवन मरीज को जीवनभर करना पड़ सकता है। ये दवाई भी उसी प्रकार हुई जैसे बीपी या शुगर की दवाई, तो मानसिक बीमारी की दवाई को लेकर आशंकित नहीं होना चाहिए। वहीं कई अन्य मानसिक बीमारियां जैसे डिप्रेशन, एंग्जायटी, स्ट्रेस से संबंधित मामलों में डॉक्टर की देखरेख में मरीज को छह से दो वर्षों के बीच दवाई लेनी पड़ सकती है। डॉक्टर मरीज का पूरा विश्लेषण करने, दवाई का असर देखने, इससे होने वाले गंभीर या मामूली साइडइफेक्ट आदि को देखने के बाद ही मरीज की दवाई में बदलाव करता है या जरुरत पड़ने पर दवाई को बंद करता है। मरीज को कभी खुद से लक्षण सामान्य दिखने पर दवाई का सेवन बंद नहीं करना चाहिए। ऐसा करने से मरीज के लक्षण जल्द ही दोबारा उभर सकते हैं, जिसके कई गंभीर परिणाम भी देखने को मिल सकते है।

नीतू कपूर चाहती हैं उनकी पोती रेहा सबसे पहले मम्मी नहीं पापा बोले

कॉफ़ी विद करण 8 के हालिया एपिसोड में दिग्गज अभिनेत्रियाँ, नीतू कपूर और ज़ीनत अमान सोफे पर नज़र आई। नीतू और जीनत ने अपनी निजी जिंदगी, विवादों और फिल्मी करियर से लेकर जिंदगी के कई पहलुओं पर बात की। कॉफ़ी विद करण 8 के हालिया एपिसोड में दिग्गज अभिनेत्रियाँ, नीतू कपूर और ज़ीनत अमान सोफे पर नज़र आई। नीतू और जीनत ने अपनी निजी जिंदगी, विवादों और फिल्मी करियर से लेकर जिंदगी के कई पहलुओं पर बात की। एक सेगमेंट के दौरान, नीतू ने अपनी पोती राहा कपूर के बारे में बात की और खुलासा किया कि वह कैसे चाहती थीं कि उनकी पोती सबसे पहले पापा को बुलाए। राहा कपूर रणबीर कपूर और आलिया भट्ट की बेटी हैं और बी-टाउन में सबसे पसंदीदा सेलेब बच्चों में से एक हैं। राहा के बारे में बात करते हुए, नीतू उत्साहित हो गई और उन्होंने कहा कि वह हाउसहेल्प से राहा को पापा कहने के लिए कहती रहती हैं। उन्होंने यह भी खुलासा किया कि कैसे आलिया ने नीतू को बताया कि राहा ने पहले मम्मा कहा, जिस पर नीतू ने आलिया को सही किया और कहा कि यह पापा है। जैसे ही एपिसोड प्रसारित हुआ, राहा के बारे में बात करते हुए नीतू की विशेष क्लिप वायरल हो गई और नेटिज़न्स ने उस पर प्रतिक्रिया व्यक्त की। वीडियो देखकर कई सोशल मीडिया यूजर्स ने रिएक्ट किया और बताया कि कैसे नीतू एक टिपिकल सास हैं। एक यूजर ने लिखा, ÷सामान्य विषाक्त सास-ससुर का व्यवहार।÷ एक अन्य ने टिप्पणी की, ÷दुख की बात है कि हम इस तथ्य का महिमामंडन कर रहे हैं कि वह चाहती है कि वह पहले पापा और दादा कहे।

आलिया भट्ट और रणबीर कपूर की बेटी का जन्म 6 नवंबर 2022 को हुआ और उन्होंने उसका नाम राहा कपूर रखा। यह अनोखा नाम किसी और ने नहीं बल्कि बच्ची की प्यारी दादी, नीतू कपूर ने चुना था। यह कपूर परिवार के क्रिसमस लंच के दौरान था जब रणबीर और आलिया ने अपनी बेटी को पापा से मिलवाया। अपने पहले लुक के लिए नीली आंखों वाली स्टार किड ने परफेक्ट क्रिसमस ड्रेस पहनी थी। झलकियों में, राहा को गुलाबी और सफेद रंग की ट्यूल ड्रेस पहने देखा गया, जिस पर रूडोल्फ द रेड-नोज्ड रेनडियर का काम किया गया था। उन्होंने अपने लुक को लाल जूतों और गुलाबी फूलों वाली क्लिप के साथ पूरा किया। एनिमल के म्यूजिक लॉन्च इवेंट के दौरान रणबीर कपूर से पूछा गया कि जब भी वह अपनी बेटी से दूर होते हैं और वे वीडियो कॉल पर होते हैं तो वह क्या कहते हैं। इस पर रणबीर ने मनमोहक जवाब दिया और कहा कि राहा ने जवाब देना सीख लिया है क्योंकि वह आंखें मिला रही है, फ्लाइंग किस दे रही है और जब भी उसे %आई लव यू% कहना होता है तो वह प्यार से गले लगाने का इशारा करती है। राहा के प्यारे पिता ने भी कहा कि यह उनके जीवन की सबसे बड़ी खुशी है। राहा को सबसे पहले मम्मा कहने पर नीतू कपूर की राय के बारे में आप क्या सोचते हैं?

12वीं फेल से प्रभावित हुए अनुराग कश्यप, बोले- मेरे जैसे निर्माताओं के लिए बेंचमार्क है ये फिल्म

विक्रांत मैसी स्टारर 12वीं फेल अपनी रिलीज के ढाई माह बाद भी सुर्खियों में है। फिल्म का निर्देशन विधु विनोद चोपड़ा ने किया है। इस फिल्म की दर्शकों के साथ-साथ इंडस्ट्री के कई दिग्गजों ने भी जमकर तारिफ की है। अब इस लिस्ट में चर्चित निर्माता-निर्देशक अनुराग कश्यप का भी नाम जुड़ गया है। अनुराग ने 12वीं फेल के लिए विधु विनोद चोपड़ा की प्रशंसा करते हुए एक लंबा चौड़ा नोट लिखा। इस नोट में उन्होंने रियल लाइफ आईपीएस अधिकारी मनोज कुमार शर्मा से अपनी मुलाकात को भी याद किया, जिनके ऊपर फिल्म की कहानी आधारित है। अनुराग ने कहा कि वे उनकी कहानी की कल्पना करने में असमर्थ थे, जिसे फिल्म में दिखाया गया है। अनुराग ने आगे लिखा, यह मुख्यधारा की सर्वश्रेष्ठ फिल्म है, जो मैंने साल 2023 में देखी। विधु विनोद चोपड़ा ने 71 साल की उम्र में एक जिद्दी आदमी की साधारण कहानी पर एक मास्टर पीस तैयार किया है, फिल्म के मुख्य किरदार को जीवन में जो कुछ मिला वे उससे कहीं अधिक चाहता है। वे जो चाहता है उसे हासिल भी कर लेता है। फिल्म के बारे में जिस बात ने मुझे आश्चर्यचकित किया वह यह कि कैसे विधु विनोद चोपड़ा ने मुख्यधारा की सभी परंपराओं को तोड़ते हुए दृश्यों को सरल लंबे शॉट्स में फिल्माया। अनुराग ने फिल्म की सिनेमैटोग्राफी की भी तारीफ की, उन्होंने यह भी बताया कि इसकी सिनेमैटोग्राफी में उनसे सबसे ज्यादा क्या पसंद आया। उन्होंने फिल्म के कुछ खास दृश्यों का जिक्र करते हुए कहा, %मुखर्जी नगर में भीड़ का एक सीन है, जहां लगता है कि जैसे कैमरा माहौल को परेशान किए बिना कहानी को देख रहा हो। ऐसा महसूस हुआ मानो हम दीवार पर चढ़कर फिल्म को देख रहे हों। कुछ ऐसा जो मुख्यधारा सिनेमा हमेशा दिखाता है। फिल्ममेकर को खुद पर, अपने अभिनेताओं और अपनी कहानी पर इतना विश्वास है कि वह किरदारो की भावना को दर्शाने के लिए बैकग्राउंड म्यूजिक का उपयोग नहीं करते%। इस दौरान अनुराग फिल्म के निर्देशक और निर्माता विधु विनोद चोपड़ा और 12वीं फेल के स्टार कास्ट समेत पूरी टीम की तारीफ भी की। वहीं, आईपीएस मनोज शर्मा से अपनी मुलाकात को लेकर अनुराग ने कहा, %मैं मनोज से मिल चुका हूं और मैंने 1%2वीं फेल% किताब भी पढ़ी है, लेकिन मैं इसे उस तरीके से कभी नहीं देख सका, जिस तरीके से विधु विनोद चोपड़ा ने इसे देखा। यह डिजनी प्लस हॉटस्टार पर है और इसे जरूर देखना चाहिए। मैं बदकिस्मत था कि मैं इसे सिनेमाघरों में नहीं देख सका, लेकिन इस फिल्म को एक बार जरूर देखिए। गौरतलब है कि 12वीं फेल मनोज कुमार शर्मा की सच्ची कहानी पर आधारित है, जो अपनी गरीबी और हर संघर्ष का सामना करते हुए आईपीएस अधिकारी बनते हैं। इस फिल्म में उनकी आईआरएस अधिकारी पत्नी श्रद्धा जोशी के साथ उनके सफर को दिखाया गया है, जो उनके कठिन समय में उनके पूरा साथ देती हैं।

स्वामी, प्रकाषक, मुद्रक विवेक श्रीवास्तव द्वारा ओम साई क्रियेषन्स, आषा काम्प्लक्े स, इन्दिरा नगर लखनऊ से मुद्रित एव ं पहला तल, निधि काम्प्लेक्स, विकास नगर लखनऊ (उ0प्र0) से प्रकाषित।
RNI No.UPHIN/2015/6090 सम्पादक- विवेक श्रीवास्तव, फोन नं0- 8004949556, 7570901365 Email. info@theachievertimes.com किसी भी वाद विवाद का निस्तारण लखनऊ न्यायालय ही मान्य होगा।

समाचार-पत्र का मुख्य उद्देय ग्रामीण भारत का सत प्रतिशत मीडिया कवरेज कर समाज में फैला भ्रष्टाचार सामाजिक बुराइयों एवं कुरीतियों को अपने स्तर पड़ताल करके सम्बन्धित उच्चअधिकारियों को ध्यानकर्षण कर उन्हें समाप्त कराना है।